दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 212/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 03 मार्च 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

पीएम मोदी ने उठाया गिर नेशनल पार्क का लुत्फ

हाथ में कैमरा था और सामने शेर

जूनागढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर सोमवार सुबह गुजरात के जूनागढ़ जिले में गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लिया। वह सिर पर हैट और हाथ में कैमरे के साथ नजर आए। सोमनाथ से आने के बाद मोदी ने सासण में वन अतिथि गृह 'सिंह सदन' में रात्रि विश्राम किया। रविवार शाम को उन्होंने सोमनाथ मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना की थी। यह 12 ज्योतिर्लिंगों में से सबसे पहला ज्योतिर्लिंग है। 'सिंह सदन' से प्रधानमंत्री जंगल सफारी पर गए, उनके साथ कुछ मंत्री और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी थे। पीएम मोदी शेरों की तस्वीरें उतारते नजर आए। गिर वन्यजीव अभयारण्य के मुख्यालय सासण गिर में प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की सातवीं बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे।

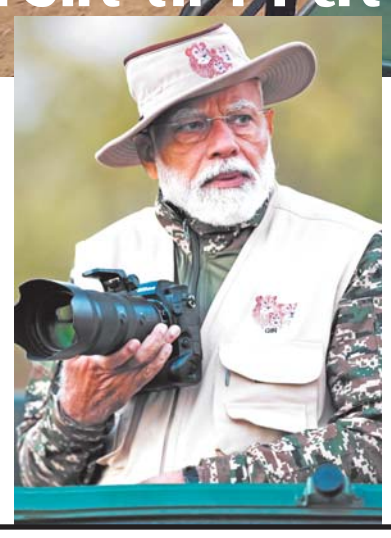

पलाश के फूल चुने प्रधानमंत्री ने

बसंत के मौसम में जंगलो में पलाश के फूल भी खिले हुए हैं। पीएम मोदी जीप पर बैठे-बैठे ही फूल भी चुनने लगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर भी लोगों से वन्य जीवों के संरक्षण और विविधता को बचाए रखने की अपील की।

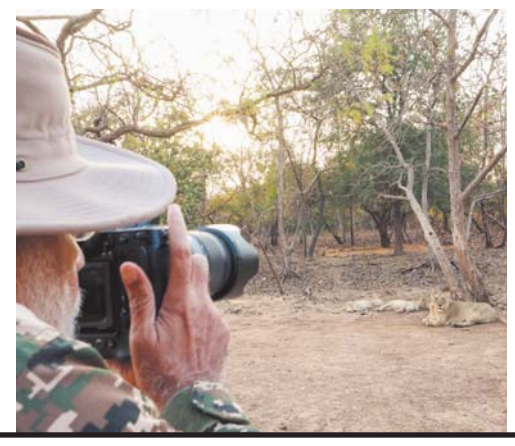

धूप का लुत्फ ले रहे थे शेर

नेशनल पार्क में शेर भी धूप का लुत्फ उठाते हुए दिखे। केंद्र सरकार ने एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट लॉयन' के तहत 2,900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर की है। इन शेरों का एकमात्र निवास स्थान गुजरात है। एशियाई शेर गुजरात के नौ जिलों के 53 तालुकाओं में लगभग 30,000 वर्ग किलोमीटर में निवास करते हैं। इसके अलावा, एक राष्ट्रीय परियोजना के तहत जूनागढ़ जिले के न्यू पिपल्या में 20.24 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर वन्यजीवों के चिकित्सीय निदान एवं रोग से बचाव के लिए एक 'राष्ट्रीय रेफरल केंद्र' स्थापित किया जा रहा है। संरक्षण प्रयासों को मजबूत करने के वास्ते सासण में वन्यजीव निगरानी के लिए उच्च तकनीक से युक्त निगरानी केंद्र और एक अत्याधुनिक अस्पताल भी स्थापित किया गया है। मोदी ने रविवार को रिलायंस जामनगर रिफाइनरी परिसर में स्थित पशु बचाव, संरक्षण और पुनर्वास केंद्र 'वनतारा' का भी दौरा किया।

सांध्यप्रकाश विशेष

मोहन भागवत कल आएंगे भोपाल, विद्या भारती के अभ्यास वर्ग का करेंगे उद्घाटन

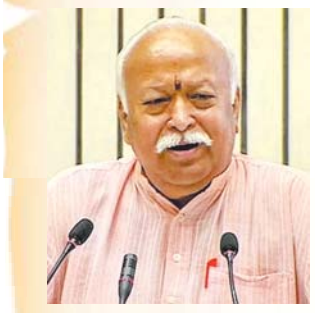

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत 4 मार्च को भोपाल में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के लगभग 700 कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। यह प्रशिक्षण शिविर 3 से 8 मार्च तक शारदा विहार स्थित सरस्वती विद्या मंदिर आवासीय विद्यालय में होगा। देशभर से 700 से अधिक पूर्णकालिक कार्यकर्ता इस वर्ग में हिस्सा लेंगे। विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष दूसि रामकृष्ण राव ने बताया की एक प्रदर्शनी भी है, यह प्रदर्शनी भारत के गौरवशाली अतीत और उज्ज्वल भविष्य की झलक पेश करेगी। इसमें विद्या भारती का राष्ट्रीय योगदान, सैनिक स्कूल, कोविड-19 सेवा कार्य, रानी दुर्गावती की वीरगाथा, माता अहिल्याबाई होलकर का लोकसेवा योगदान और मध्य प्रदेश की धार्मिक-सांस्कृतिक धरोहर जैसे विषय शामिल होंगे।

सीएम रेखा गुप्ता ने लोगों से मांगे सुझाव, कहा- चुनावी वादों को पूरा करने का करेंगे प्रयास

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को घोषणा की कि सरकार 24 से 26 मार्च के बीच दिल्ली का बजट पेश करने की योजना बना रही है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बजट विकसित दिल्ली के विजन को दर्शाएगा, जिसमें समाज के सभी वर्गों के सुझाव शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, यह बजट विकसित दिल्ली बजट है और हम लोगों के सभी सुझावों को शामिल करने और अपने घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं जैसे महिलाओं को 2500 रुपए महीने की वित्तीय सहायता, प्रदूषण पर नियंत्रण, गरीबों को सस्ता और अच्छा खाना, बुजुर्गों को स्वास्थ्य सुविधा, यमुना नदी की सफाई और बहुत कुछ। सीएम गुप्ता ने कहा, महिला सम्मान योजना समेत भाजपा द्वारा किए गए सभी वादों को बजट में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि 5 मार्च को सभी महिला संगठनों को संवाद के लिए विधानसभा में आमंत्रित किया गया है, ताकि वे बजट पर अपने सुझाव दे सकें। साथ ही बजट पर लोगों से सुझाव के लिए व्हाट्सएप नंबर जारी किया गया है।

अनोरा ने जीता ऑस्कर, बेस्ट एक्ट्रेस बनीं मिकी मैडिसन, अनुजा की हार से भारत को झटका

लॉस एंजिल्स। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित 97वें एकेडमी अवॉर्ड्स यानी ऑस्कर 2025 शुरू हो गया है। अवॉर्ड का आयोजन 2 मार्च 2025 को लॉस एंजिल्स के डॉल्बी थिएटर में किया गया, जिसका भारत में टेलीकास्ट 3 मार्च को सुबह 5.30 बजे से हुआ। अनोरा ने एक बार फिर बेस्ट पिक्चर कैटेगिरी में ऑस्कर अवॉर्ड अपने नाम कर लिया है। चार अन्य कैटेगरीज में भी 'अनोरा' ने ऑस्कर अवॉर्ड जीता है। माइकी मेडिसन बेस्ट एक्ट्रेस बनीं हैं। 2007 में आई फिल्म 'द डिपार्टेड' के बाद बेस्ट पिक्चर की कैटेगरी में ऑस्कर जीतने वाली ये पहली 18+ रेटेड फिल्म है। 18+ का मतलब है वो फिल्म जिसे 18 साल या उससे ज्यादा उम्र वाले लोग ही देख सकते हैं।

ये हैं बेस्ट:- फिल्म- अनोरा, एक्ट्रेस- माइकी मेडिसन (अनोरा), एक्टर- एंड्रिअन ब्रॉडी (द ब्रूटलिस्ट), एडिटिंग - अनोरा, डायरेक्टर- सीन बेकर (अनोरा), कॉस्ट्यूम - पॉल टाजवेल (इस कैटेगरी में पहली बार एक ब्लैक को ऑस्कर अवॉर्ड मिला है।), एनिमेटेड शॉर्ट फिल्म - हुसैन मोलायेमी और शिरीन सोहानी (द शैडो ऑफ द साइप्रेस), एनिमेशन- लैटिवियाई, एक्टर (सपोर्टिंग रोल)- कीरन कल्किन (ए रियल पेन), एक्ट्रेस (सपोर्टिंग रोल)- जो सलदाना (एमिलिया पेरेज), सिनेमैटोग्राफी- द ब्रूटलिस्ट, बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म- आई एम स्टिल हियर (ब्राजील), एडाप्टेड स्क्रीनप्ले- कॉन्क्लेव, डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट- द ओनली गर्ल इन द ऑर्केस्ट्रा, डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म- नो अदर लैंड, ओरिजिनल सॉन्ग- ईआईएमएआई (एमिलिया पेरेज), ओरिजिनल स्कोर- द ब्रूटलिस्ट, मेकअप और हेयरस्टाइलिंग- द सब्सटेंस, कॉस्ट्यूम डिजाइन- विकेड, साउंड- ड्यून 2, प्रोडक्शन डिजाइन- विकेड, विजुअल इफेक्ट्स- ड्यून 2 है।

बच्चे सुरक्षित हैं और भारत का भविष्य भी सुरक्षित है: यादव

शिक्षा का अधिकार अधिनियम, पॉक्सो एक्ट और किशोर न्याय अधिनियम पर कार्यशाला का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज शिक्षा का अधिकार अधिनियम, पोक्सो एक्ट और किशोर न्याय अधिनियम के संबंध में जागरूकता पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का कुशाभाव ठाकरे सभागार में दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यशाला का आयोजन मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डा. यादव ने इस मौके पर कहा कि प्रदेश में पिछले एक साल में बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों में कमी आई है, इस बात का हमें संतोष है। लेकिन बच्चों और महिलाओं के अपराधों में वृद्धि चिंताजनक है। हमारे पास इसका बहुत बड़ा दायरा है। यदि किशोर और बालिकाएं सुरक्षित हैं तो हमारे भारत का भविष्य सुरक्षित है। भगवान श्रीराम का वो दृश्य याद करें, जब विश्वामित्र राजा दशरथ के यहां राक्षसों को मारेन के लिए राम और लक्ष्मण को मांगने गये थे। वो चाहते तो सेना भी मांग सकते थे। लेकिन वो बच्चों को मांगने गये, यह उनका निर्णय था, उनकी दूरदृष्टि थी। यह समाज की चेतना है कि समाज में उठने वाले प्रश्नों के समाधान कैसे खोजे जाते हैं। सही व्यक्ति पर सही दृष्टि पड़ जाए तो दुनिया कहां से कहां पहुंच जाती है। इस लिहाज से यह हमारा स्वर्णिम समय है, जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। हम मानकर चल रहे हैं, हम बाहर के दुश्मनों से निपटने में भी समर्थ हैं और अपनी आंतरिक समस्याओं को भी हल करने में सक्षम हैं। सरकार और समाज मिलकर समस्याओं का हल करने में जुट जाएं तो समस्याएं जल्द हल हो सकती हैं। बाल अधिकार संरक्षण आयोग बच्चों को लेकर जो चिंतन-मनन करेगा, उस पर सरकार अमल करेगी। हमारी महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया का मन भी निर्मल है, वह अपने कार्य के प्रति समर्पित भी हैं। वो इस क्षेत्र में बेहतर काम कर रही हैं। हम मिलकर बच्चों और महिलाओं के अधिकारों के प्रति चेतना जगाएं और समस्याओं को दूर करने का प्रयास करें।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कुबेश्वर धाम सीहोर में आयोजित रुद्राक्ष महोत्सव में पंडित प्रदीप मिश्रा का आशीर्वाद लिया।

भोपाल में मंत्रालय के समक्ष वंदे मातरम का गायन किया गया इस मौके पर युवा खेल कल्याण मंत्री विश्वास सारंग एवं मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित मंत्रालय के कई अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला अब दृष्टिहीन भी बन सकते हैं जज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा कि देश में दृष्टिहीन लोग भी जज बन सकते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि दृष्टिहीन लोगों को भी न्यायिक सेवाओं में नियुक्त किए जाने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने दृष्टिहीन व्यक्तियों को न्यायिक सेवाओं में नियुक्त किए जाने के अधिकार को बरकरार रखा है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियम रद्द कर दिया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने यह फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियम को खारिज कर दिया। जिसके तहत दृष्टिहीन लोगों को न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति के लिए चयन प्रक्रिया में भाग लेने से रोक दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक सेवाओं में दृष्टिहीन लोगों की नियुक्ति से संबंधित स्यो मोटो मामले में यह फैसला सुनाया है। इस मामले की उत्पत्ति मध्य प्रदेश में न्यायिक नियुक्तियों को नियंत्रित करने वाले नियमों में निहित है।

चीन को कंपा देगा भारत, 3500 करोड़ में भूटान के अंदर तक बनाएगा नई रेल लाइन

नई दिल्ली। अब भारतीय रेलवे असम के कोकराझर से भूटना के गेलेफू तक रेल लाइन बिछाने जा रहा है। 69.4 किलोमीटर की यह रेलवे लाइन असम के कोकराझार स्टेशन को भूटान के गेलेफू से जोड़ेगी। इसकी कुल लागत 3,500 करोड़ के आसपास होगी। यह रेलवे लाइन भारत और भूटान के बीच पर्यटन और व्यापार को बढ़ाएगी। इससे दोनों देशों के संबंध भी मजबूत होंगे। साथ ही इससे भूटान को अपना पहला रेलवे लिंक भी मिलेगा। वहीं रेलवे लिंक का निर्माण भारत सरकार की ओर से किया जाएगा। रेल लाइन बिछाने के लिए डीपीआर पूरा कर लिया गया है।

स्कूलों में स्मार्टफोन को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

स्कूलों में बच्चों को स्मार्टफोन ले जाने से नहीं रोका जाना चाहिए

स्मार्टफोन के उपयोग की निगरानी और विनियमित किया जाना चाहिए

नई दिल्ली एजेंसी। हाईकोर्ट ने स्कूलों में स्मार्टफोन के पूर्ण प्रतिबंध के खिलाफ फैसला सुनाया है। साथ ही कोर्ट ने स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल के लिए कई दिशा-निर्देश भी जारी किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि स्कूलों में बच्चों को स्मार्टफोन ले जाने से नहीं रोका जाना चाहिए, लेकिन स्कूल में स्मार्टफोन के उपयोग की निगरानी और विनियमित किया जाना चाहिए।

कोई नकारात्मक परिणाम नहीं आए सामने: जस्टिस अनूप जयराम भंभानी की पीठ ने कहा कि स्मार्टफोन को लेकर अभी तक नकारात्मक परिणाम सामने नहीं आए हैं और इसके उपयोग के कई हित हैं। स्मार्टफोन के इस्तेमाल से कक्षा में शिक्षण, अनुशासन या समग्र शैक्षिक वातावरण पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ता है।

दुरुपयोग के खतरों को किया स्वीकार

कोर्ट ने अत्यधिक स्क्रीन टाइम, सोशल मीडिया एक्सपोजर और स्मार्टफोन के दुरुपयोग के खतरों को भी स्वीकार किया। साथ ही कहा कि इन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के बजाय, जिम्मेदाराना उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

माता-पिता से जुड़े रहने में मदद करते हैं स्मार्टफोन

जस्टिस भंभानी ने कहा कि तकनीक शिक्षा का एक अनिवार्य हिस्सा बन गई है। जिससे स्मार्टफोन पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि स्मार्टफोन छात्रों को अपने माता-पिता से जुड़े रहने में मदद करते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा और संरक्षा बढ़ती है।

स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग के लिए दिशानिर्देश

1- जहां तक संभव हो स्कूल के समय छात्रों को अपने स्मार्टफोन जमा करा देना चाहिए। 2- स्कूल वाहनों और कक्षाओं में स्मार्टफोन का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।3- छात्रों को ऑनलाइन व्यवहार, डिजिटल शिष्टाचार और स्मार्टफोन के नैतिक उपयोग के बारे में शिक्षित करना चाहिए।4- छात्रों को अत्यधिक स्क्रीन समय के खतरों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए, जिसमें चिंता, ध्यान अवधि में कमी और साइबर बदमाशी शामिल हैं।

आवश्यकता पड़ने पर स्मार्टफोन कर सकते हैं जब्त

कोर्ट ने यह भी सुझाव दिया कि आवश्यकता पड़ने पर स्कूल अनुशासनात्मक उपाय के रूप में स्मार्टफोन जब्त कर सकते हैं। न्यायालय के आदेश की एक प्रति केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार और केंद्रीय विद्यालय संगठन को भेजी गई है।

रीजन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन डॉ. अंशु सिंह की रीजन कॉन्फ्रेंस रिजु-तृषा का भव्य आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 की रीजन येलो की रीजन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन डा अंशु सिंह की रीजन कॉन्फ्रेंस ऋजु- तृषाका भव्य आयोजन 2 मार्च को होटल आमेर ग्रीन्स में प्रतिष्ठित 200 लायन सदस्यों और अधिकारियों की उपस्थिति में प्रात: 10.30 से 2.30 तक सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य वक्ता पास्ट इंटरनेशनल डायरेक्टर और लायंस इंटरनेशनल फाउंडेशन की ट्रस्टी, लायन डॉ अरुणा अभय ओसवाल विशेष रूप से दिल्ली से भोपाल पधारी ,और अपने ओजपूर्ण और प्रेरक वक्तव्य से उपस्थित जन समूह को सराबोर कर दिया । रीजन चेयरपर्सन डॉ अंशु सिंह द्वारा बताया कि इस कार्यक्रम मे क्लब स्तर और जोन स्तर पर की गई सेवा गतिविधियों की सराहना की गई ।और सेवा मनीषियों को सेवा पुरुस्कारों से सम्मानित किया गया । इस अवसर पर समाज मे अपने कार्यों आसे लोगों के आदर्श बनने वाले विशिष्ट व्यक्तित्वों को इममिनेंट पर्सनालिटी अवार्ड से सम्मानित किया गया और सीमा सक्सेना, सचिव लायन वंदना गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष लायन सुषमा कुलश्रेष्ठ हैं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पिपरिया से डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ लायन मनीष शाह ,डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट सेक्रेटरी लायन उर्वशी शाह, उज्जैन से विशिष्ट अतिथि एमजेएफ लायन प्रवीण वशिष्ठ, एमजेएफ लायन डॉ जेपी जौहर,एमजेएफ लायन महेश मालवीय एवं मुख्य संरक्षक डॉ आर.के. चौरसिया के अतिरिक्त लगभग 12 पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर उपस्थित हुए । इस अवसर पर भोपाल के विभिन्न लायंस क्लब द्वारा मेडी बैंक, शिक्षा-रिक्शा,ई वेस्ट, पर्यावरण से संबंधित सेवा स्टाल की गतिविधियां प्रदर्शित किये गये ।इस कार्यक्रम में भोपाल,उज्जैन, विदिशा ,पिपरिया,नागदा और इटारसी आदि डिस्ट्रिक्ट के लायन सदस्य उपस्थित हुए। रीजन के क्लब के अध्यक्ष , सचिव,कोषाध्यक्ष जोन चेयरपर्सन आदि पदाधिकारियों का अवार्ड देकर सम्मान किया गया। परमानेंट प्रोजेक्ट के लिए एमजेएफ लायन अनिता मिश्रा,एमजेएफ लायन सीमा सक्सेना ,लायन विजय अय्यर, लायन कुशल धर्माणी, लायन डॉ संजय जैन आदि विशेष अवार्ड द्वारा सम्मानित हुए।

ऑस्ट्रेलिया-इंडिया के बीच होने वाला सेमीफाइनल ही फाइनल है

प्रलय श्रीवास्तव

आगामी 4 मार्च को दुबई में ऑस्ट्रेलिया और इंडिया के बीच होने वाला सेमीफाइनल ही चैंपियन ट्रॉफी का असली फाइनल होगा. क्योंकि यदि इंडिया टीम सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका से भिड़ती तो इंडिया के जीत के योग 90त्न थे, लेकिन अब उसे ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम से सामना करना होगा। ऑस्ट्रेलिया वैसे भी पहले से एक मजबूत टीम है। ऑस्ट्रेलिया के पास अच्छे बल्लेबाज, गेंदबाज और फील्डर है। वह मैच को किसी भी रुख पर ले जा सकती है। इंडिया टीम की सफलता तभी निर्भर है जब उसके बल्लेबाज चल जाए। इसलिए इंडिया टीम को कड़ी मेहनत करना होगी। अब सवाल यह उठता है कि इंडिया की टीम इलेवन कैसी होगी ? क्या कोई इसमें चेंज होगा? क्योंकि दुबई की पिच स्पिनर को सहयोग कर रही है तो टीम इंडिया में बदलाव की संभावना कम है । चार स्पिनर रखकर मैच खेलना होगा । फास्ट बॉलर शमी और हार्दिक पांड्या पहले से मौजूद हैं। दोनों का परफॉर्मेंस भी अच्छा रहा है। बल्लेबाज अपनी जगह फिट है। ऋषभ पंत को मौका नहीं दिया जा सकता, क्योंकि केएल राहुल बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं । उन्हें इन्टरनेशनल स्तर का अनुभव भी है। एक प्रश्न अवश्य उठता है कि क्या स्पिनर रविन्द्र जडेजा की जगह हर्षित राणा को टीम में लिया जाए ,लेकिन यह सब कुछ स्पिनर को सपोर्ट कर रही पिच के कारण संभव नजर नहीं आ रहा है। जडेजा को रखना भी मजबूरी हो गई है, क्योंकि वे विषम परिस्थिति में काम आने वाले बल्लेबाज भी हैं। जिनसे एक दो विकेट के अलावा 20 से 30 रन की उम्मीद भी की जा सकती है । बोलिंग के कारण उनकी जगह उचित है। कुलदीप यादव और अक्षर पटेल अपनी जगह बेहतर है । वरुण चक्रवर्ती ने आज के मैच में 5 विकेट चटकाए हैं तो उन्हें रखना भी जरूरी है। आज जब मैंने इंडिया-न्यूजीलैंड का पूरा मैच देखा तो यह पाया कि दोनों टीम इस तरह खेल रही थी कि जैसे उन्हें हारना ही हो। क्योंकि न्यूजीलैंड के एक को छोड़ शेष बल्लेबाज लापरवाही से खेलते पाए गए। इसका फायदा भारतीय गेंदबाजों ने उठाया । दोनों ही चाह रहे थे कि हारकर वे सेमी फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर फाइनल में पहुंच जाए। इंडिया टीम ने भी यही सोचा कि यदि वह फाइनल में भी पहुंचती है तो उसका मुकाबला वैसे भी ऑस्ट्रेलिया से होना है तो क्यों न सेमीफाइनल में ही उससे मुकाबला कर लिया जाए जो उचित भी है। अब सवाल यह उठता है कि सेमीफाइनल में भारत का प्रदर्शन कैसा होगा ?? तो मेरा मत है कि यदि भारत को पहले बल्लेबाजी मिलती है और वह 270 से अधिक रन बनाता है तो उसके जीतने के चांसेस 60त्न हो जाएंगे और यदि भारतीय बल्लेबाज 200 रन के आसपास ही निपट गए तो उसकी हार निश्चित है । दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया यदि ढाई सौ के आसपास रन बनाता है तो भारत के जीतने की संभावना 60त्न हो जाएंगी । अगर ऑस्ट्रेलिया 300 रन के आसपास पहुंचता है तो फिर मुकाबला कड़ा होना सुनिश्चित है ।

बच्चों को हम जैसा बनाएंगे, जैसा सिखाएंगे, वैसे बनकर वह आगे बढ़ेंगे: राज्यमंत्री कृष्णा गौर

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि बच्चे गीली मिट्टी के समान होते हैं। इनकों हम जैसा बनाएंगे, जैसा सिखाएंगे वैसा बनकर वह आगे बढ़ेंगे। उन्होंने यह बात अवधपुरी में एक निजी स्कूल के शुभारंभ अवसर पर कहीं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि यह पहला ऐसा स्कूल है, जिसमें वह सारी सुविधाएं हैं, जो सुविधाएं छोटे बच्चों को मिलनी चाहिए। स्कूल में बहुत छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखा गया है जो बच्चों की सुरक्षा का, बच्चों के मनोरंजन का, बच्चों के ज्ञान का, हर दृष्टि से यहां आने वाला बच्चा हर तरफ से समृद्ध होकर जाए। इस दृष्टि से हमारा यह प्री स्कूल निश्चित रूप से हमारी नई पीढ़ी को संस्कारित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा। पार्षद मधु शिवनानी, जितेंद्र शुक्ला, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र दुबे, गणेश राम नागर, पार्षद श्री वी शक्ति राव, राजेश्वर सिंह, स्कूल की प्रिंसिपल रुचि विनोद सिंह, रामेश्वर भैया, विनोद सिंह, प्रसाद पटेल और सभी गणमान्य नागरिक बंधु मौजूद रहे।

वाल्मीकि समाज स्वाभिमान मंच की बैठक सम्पन्न

भोपाल। वाल्मीकि समाज स्वाभिमान मंच मध्य प्रदेश के बैनर तले वाल्मिकी भवन में संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता सुरेश गणेशराम चावरिया ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में श्री कमल किशोर कोड़े अध्यक्ष वाल्मीकि समाज अधिकारी कर्मचारी संघ एवं श्री राजेंद्र भैरबे चौधरी बैरागढ़ उपस्थित हुएद्य बैठक में मनोज भैयालाल नहारिया,सी एल राठौर, कमल कुमार डागोर,बृजमोहन खरे,गोपाल चौहान, आदि ने मुख्य भूमिका अदा कर एक प्रदेश स्तरीय सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव पारित किया जिसकी समस्त उपस्थित लोगों ने ताली बजाकर सहमति दी। शैक्षणिक आर्थिक एवं राजनीतिक उत्थान एवं विकास हेतु मुख्यमंत्री को योजना बनाकर ज्ञापन देने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। उक्त सफल बैठक के आयोजन पर मनोज भैया लाल नहरिया द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

मिलिट्री स्टेशन के पास प्राचीन शिव मंदिर में महाआरती के साथ हुआ महाप्रसादी का वितरण

भोपाल। गौतम नगर मिलिट्री स्टेशन के समीप रविवार को महा आरती और महा प्रसादी का आयोजन का हुआ संस्था संयोजक शैलेंद्र साहू ने बताया इस अवसर पर एम आई सी सदस्य और क्षेत्रीय पार्षद मनोज राठौर,जोन अध्यक्ष और पार्षद देवेंद्र भार्गव,भगवान दास ढालिया, धीरज यादव, पवन सक्सेना, शैलेश गोस्वामी, मनोज साहू,धीरज सोनी मनोज यादव,सुरेश यादव और आसपास के क्षेत्रवासियों ने हजारों की संख्या में महा आरती में भाग लेकर भंडारा ग्रहण किया यह आयोजन दोपहर 1 बजे से रात्रि तक मंदिर के सेवा धारीयों और श्रद्धालुओं के सहयोग से जारी रहा।

पीथमपुर में अब तक यूनियन कार्बाइड का 6750 किलोग्राम कचरा जला

भोपाल। उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा रिट याचिका क्रमांक 2802/2004 (आलोक प्रताप सिंह विरुद्ध यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य) में विगत 18 फरवरी 2025 को पारित आदेशानुसार यूनियन कार्बाइड के अपशिष्ट का प्रथम ट्रायल रन 27 फरवरी 2025 से मेसर्स पीथमपुर इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट प्रा.लि. पीथमपुर, जिला धार द्वारा संचालित इंसीनरेटर में किया जा रहा है।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया कि आज 02 मार्च,2025 को शाम 05 बजे तक 6750 किलोग्राम अपशिष्ट का दहन किया जा चुका है। अपशिष्ट के साथ लगभग 6750 किलोग्राम लाईम भी मिलाकर दहन किया गया है। फ्लू गैसेस की सफाई हेतु लगभग 7500 किलोग्राम लाईम, 3750 किलोग्राम एक्टीवेटेड कार्बन तथा 50 किलोग्राम सल्फर का उपयोग किया गया। अपशिष्ट को जलाने हेतु लगभग 33 हजार लीटर डीजल की खपत हो चुकी है। अपशिष्ट के दहन के दौरान चिमनी से हो रहे इमीशन की लगातार मॉनिटरींग केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के लगभग 20 अधिकारी / कर्मचारियों द्वारा की जा रही है। साथ ही इमीशन के लगातार मॉनिटरींग के लिये ऑनलाईन कन्टीन्युअस इमीशन मॉनिटरींग सिस्टम भी संचालित है। चिमनी से उत्सर्जन निर्धारित मानक सीमा के भीतर पाये जा रहे है।

संभागायुक्त श्री सिंह ने बताया कि पर्टीक्यूरेट मेटर का उत्सर्जन 9.6 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है, जिसकी निर्धारित अधिकतम मानक सीमा 50 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है। इसी तरह सल्फर डाईऑक्साइड का उत्सर्जन 70 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है, इसकी अधिकतम मानक सीमा 200 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है। नाईट्रोजन ऑक्साईड्स का उत्सर्जन 116 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है, इसकी निर्धारित अधिकतम मानक सीमा 400 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर है।

प्राकृतिक चिकित्सा का दस दिवसीय आवासीय शिविर का भव्य शुभारंभ

संत हिरदाराम नगर। आरोग्य केन्द्र द्वारा आयोजित रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर के अन्तर्गत दस दिवसीय शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर में विभिन्न स्थानों से कई साधक लाभान्वित होने की उम्मीद से आए हैं। यहां शिविरार्थियों को प्राकृतिक उपचार, योग, उपवास एवं अपक्व आहार, रसाहार, फलाहार के माध्यम से स्वस्थ रहने की कला सिखाई जाएगी। शिविर के प्रथम दिन शिविरार्थियों के पंजीयन एवं परामर्श प्राकृतिक चिकित्सकों द्वारा किया गया एवं इसके बाद शिविर का शुभारंभ व्याख्यान मेडीकल डायरेक्टर डॉ गुलाब राय टेवानी द्वारा दिया गया।

डॉ गुलाब राय टेवानी ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि यहा आपका पंच तत्वों से उपचार किया जाएगा जैसे पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश। स्वस्थ जीवन प्राप्त करने के लिए एक ही उपाय है, अपनी अस्वस्थ दिनचर्या में परिवर्तन कर स्वस्थ दिनचर्या को अपनाना। आप अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करेंगे तो ही आप स्वास्थ्य लाभ पा सकेंगे। साथ ही यह बताया गया कि अपक्व आहार लेंगे तो दवाईया भी कम होगी। अगर बीमारी से पूर्णत: निजात पाना है तो प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाना होगा। अगर आप स्वंय को बीमार महसूस करेंगे तो बीमार रहेंगे इसलिए मन से यह सोचना है कि हम पूर्णत: स्वस्थ हो जाएंगे क्योंकि मन के हारे हार है मन के जीते जीत। इस शिविर में शरीर शुद्विकरण के साथ-साथ विचारों का भी शुद्विकरण होता है, हमें हमेशा सकारात्मक सोच रखनी चाहिए कि हम स्वस्थ है।

हिंदू महासभा के राष्ट्रीय महासचिव देवेंद्र पांडे पहुंचे भोपाल, हुई बैठक

भोपाल। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय महासचिव देवेंद्र पांडे के भोपाल आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष रोहित दुबे की अध्यक्षता में अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश कार्यालय में शाम को 7 बजे बैठक संपन्न हुई और बैठक का विषय गौ माता को राष्ट्र माता घोषित हो और 17 तारीख दिल्ली में बैठक रखी गई है उसको लेकर चर्चाएं की गई और बैठक में उपस्थित सभी हिंदू महासभा उपस्थित रहे गौरव शर्मा प्रदेश शासन संगठन मंत्री राकेश मिश्रा प्रदेश विधि अध्यक्ष शांतनु महोरकर कोषाध्यक्ष ओम हिंदू भोपाल संभाग गौ रक्षा अध्यक्ष बलराम प्रजापति भोपाल जिला उपाध्यक्ष रवि गुप्ता भोपाल उपाध्यक्ष एवं सभी हिंदू भाई उपस्थित रहे सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ में नेतृत्व में आज पूरे भारत में गौ माता को लेकर जो की गौ माता को राष्ट्रीय माता घोषित हो को लेकर पूरे भारत में भ्रमण कर रहे हैं जगह-जगह बैठक हो रही है भारत सरकार के नाम भोपाल कलेक्टर साहब को 8 मार्च को ज्ञापन देने जा रहे हैं ज्ञापन का विषय सिर्फ गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिया जाए।

विक्रमादित्य महोत्सव में मिलेगी सिंधी गीत, संगीत व संस्कृति की झलक

चार दिनी समारोह को लेकर समिति की हुई बैठक, महोत्सव को लेकर बनाई गई रूपरेखा

संत हिरदाराम नगर। लुप्त होती सिंधी परम्परागत भगत, सिंधी छेज, पल्लव एवं बहिराणों साहिब की एक बार फिर झलक इस बार भी चार दिवसीय वीर विक्रमादित्य महोत्सव में देखने को मिलेगी। किशोर तेजवानी की अध्यक्षता में रविवार 2 मार्च को हुई विक्रमादित्य महोत्सव समिति की बैठक में 7 मार्च से प्रस्तावित समारोह की तैयारियों की समीक्षा की गई। किशोर तेजवानी ने बताया कि 7 मार्च को स्व. प्रेमचंद तेजवानी, नारीमल नरियानी, रूपचंद रायचंदानी एवं नारी तनवानी की स्मृति में रात 9 बजे मोहनलाल एण्ड पार्टी उल्हासनगर की सिंधी भगत होगी, जबकि 8 मार्च को विधिवत शुभारंभ सुबह 10 बजे बहिराणा साहिब के साथ किया जाएगा जिसमें सांसद आलोक शर्मा मुख्य अतिथि होंगे जबकि विधायक रामेश्वर शर्मा अध्यक्षता करेंगे।

किशोर तेजवानी के अलावा महोत्सव समिति के संरक्षक ईश्वरदास हिमथानी, सुरेश जसवानी, लखमीचंद नरियानी, नरेश चोटरानी बसंत चेलानी, पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष माधु चादंवानी, महोत्सव समिति के उपाध्यक्ष मनोहर वीधानी, महासचिव जेठानंद मूलचंदानी की उपस्थिति में हुई बैठक में किशोर तेजवानी ने बताया कि 8 मार्च को ही शाम 4.30 बजे सिंधी भगत के अलावा छेज का आयोजन किया गया है जबकि 8 मार्च को ही रात 8 बजे से झूलेलाल मंदिर सभागार में कोटा की प्रसिद्ध लक्ष्मीचदं म्यूजिकल पार्टी का सिंधी कार्यक्रम होगा। यह प्रोग्राम समाज सेवी खीमनदास आसवानी की स्मृति में किया जाएगा। 9 मार्च को शाम 5 बजे फिर मोहनलाल एण्ड पार्टी का सिंधी भक्ति कार्यक्रम होगा जबकि 10 मार्च को सुबह 10 बजे विश्व शांति, मानव कल्याण, सुख शांति एवं कारोबार में वृद्धि के लिए पल्लव व प्रार्थना के साथ चार दिनी महोत्सव का समापन्न किया जाएगा। समापन्न अवसर पर भोपाल दक्षिण-पश्चिम के भाजपा विधायक एवं प्रदेश भाजपा महामंत्री भगवानदास सबनानी मुख्य अतिथि होंगे।

प्रदेश के 10 नगरों में नक्शा कार्यक्रम लागू, सम्पत्ति लेन-देने की प्रक्रिया बनेगी सरल

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के 9 जिलों के 10 नगरों में नक्शा कार्यक्रम लागू किया है। इसे केन्द्रीय भूमि संसाधन विभाग ने डिजिटल इण्डिया लैण्ड रिकॉर्ड्स और मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम के तहत शुरू किया है। नक्शा कार्यक्रम (नेशनल जियो स्पिटियल नॉलेज बेस्ड लैण्ड सर्वे ऑफ अर्बन हेबिटेशन) सम्पत्ति लेन-देन और ऋण प्राप्ति को सरल बनायेगा। यह कार्यक्रम प्रापर्टी टैक्स कलेक्शन में सुधार और वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करेगा। प्रदेश में यह कार्यक्रम 9 जिलों के 10 नगरों में लागू किया जा रहा है। इनमें शाहगंज, छनेरा, अलीराजपुर, देपालपुर, धार कोठी, मेघनगर, माखन नगर (बाबई), विदिशा, साँची और उन्हेल शामिल हैं। नक्शा कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित नगरों में जियो स्पिटियल मेपिंग करना और भूमि सर्वेक्षण में आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करना शामिल है। प्रदेश में ई-नगरपालिका के माध्यम से सभी नागरिक सेवाएँ ऑनलाइन प्रदाय की जा रही हैं। योजना के दूसरे चरण में पोर्टल के अंतर्गत 16 मॉड्यूल तथा 24 नागरिक सेवाएँ शामिल की जा रही हैं। इसी के साथ इनका डाटा प्रबंधन क्लाउड सेवाओं द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है। ई-नगरपालिका 2.0 में जीआईएस एकीकरण और ऑर्टीफिशियल इंटेलीजेंस का उपयोग किया जा रहा है। कॉमन सर्विस सेंटर, एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर और भुगतान गेटवे के साथ ई-नगरपालिका 2.0 का एकीकरण किया जा रहा है। प्रदेश के नगरीय निकायों में स्व-चालित भवन योजना अनुमोदन प्रणाली (एबीपीएएस 3.0) के माध्यम से पूर्व में आ रही कठिनाइयों को दूर किया जा रहा है। उन्नत परियोजना एबीपीएएस 3.0 में जीआईएस टेक्नोलॉजी, ओपन सोर्स प्लेटफार्म और कॉलोनी विकास अनुज्ञा से संबंधित समस्त प्रक्रियाओं से जुड़ी आधुनिक तकनीकों को शामिल किया गया है।

भगवान श्रीकृष्ण ने प्रकृति से प्रेम और ग्राम संस्कृति को सम्मान देने की शिक्षा दी है: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश के सबसे बड़े इस्कॉन मंदिर का किया भूमिपूजन, इस्कॉन मंदिर को कोलार रोड से जोड़ने वाले मार्ग का नाम प्रभुपाद मार्ग होगा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण ने प्रकृति से प्रेम और ग्राम संस्कृति को सम्मान देने की शिक्षा दी है। राज दरबार में सोने-चांदी और मोती माणिक्य के बीच मोर पंख को अपने शीश पर धारण कर सम्मान प्रदान करना प्रकृति से प्रेम का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण का यह भाव बताता है कि मनुष्य मात्र से प्रेम ही प्रभु प्राप्ति का सच्चा मार्ग है। भगवान श्रीकृष्ण का सुदामा को सम्मान देना, जीवन में मित्रता के महत्व और मित्र के सम्मान के लिए प्रतिबद्धता को प्रतिपादित करता है। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के प्रसंगों से हमें कई व्यावहारिक शिक्षाएं प्राप्त होती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कोलार रोड क्षेत्र में मानसरोवर डेंटल कॉलेज के पास इस्कॉन द्वारा बनाए जा रहे श्री श्री राधा गोविंद मंदिर के भूमि पूजन के बाद उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे।इस अवसर पर विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, इस्कॉन के मध्यप्रदेश प्रमुख गुरु प्रसाद स्वामी महाराज तथा सचिव महामन प्रभु उपस्थित थे।कार्यक्रम में बताया गया कि यह मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा इस्कॉन मंदिर होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्र में इस्कॉन मंदिर स्थापना की पहल की सराहना करते हुए कहा कि मंदिर निर्माण, लोगों पर सुख-आनंद, वैभव और उनके कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कोलार रोड से इस्कॉन मंदिर को जोड़ने वाले मार्ग का नाम प्रभुपाद मार्ग रखने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारत की सभी दिशाओं में प्रभु श्री राम और भगवान श्रीकृष्ण की उपस्थिति की सहज ही अनुभूति होती है। विश्व में भी वर्षों से भारत, भगवान श्री राम और भगवान श्री कृष्ण की धरती के रूप में जाना जाता है, मंदिर निर्माण भगवद्भाव के साकार रूप लेने का माध्यम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा ऐसी कामना है कि भूमि-पूजन के बाद मंदिर में भगवान श्री कृष्ण के प्रकटीकरण और मंदिर के लोकार्पण का अवसर शीघ्र ही आएगा, ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और सात्विक जीवन प्रणाली के प्रसार में प्रभु पाद के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन विचारों के अनुरूप ही राज्य सरकार, मद्यनिषेध की दिशा में कार्य कर रही है, इसीलिए प्रदेश के 17 स्थानों में शराबबंदी की व्यवस्था लागू की गई है। प्रदेश में नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ सहयोग से दुग्ध उत्पादन 9ल से 20ल तक ले जाने की कार्य योजना का क्रियान्वयन जारी है। यह प्रयास हमारी मूल संस्कृति की ओर लौटने के लिए किया जा रहा है। इससे खेती और पशुपालन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने और दूध की पौष्टिकता से लोगों का स्वास्थ्य बेहतर बनाने में सहयोग मिलेगा।

सिनर्जी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने साकेत नगर भोपाल में सिनर्जी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का गणेश पूजन और दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, अस्पताल के संस्थापक डॉ. निवेश सेहरा उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अस्पताल के विशेषज्ञता विभागों, उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं और सुविधाओं का अवलोकन किया।

महिलाओं ने अपनी लेखनी से समाज को दिशा दी: मंत्री सुश्री भूरिया

हिंदी लेखिका संघ का 30वां वार्षिक कृति पुरस्कार एवं सम्मान समारोह आयोजित

भोपाल। लेखन समाज का दर्पण होता है। जब एक लेखिका अपनी रचनाओं के माध्यम से महिलाओं की स्थिति, उनके अधिकारों, उनके संघर्षों और उनके उत्थान की बात करती है, तो वह केवल अपनी ही कहानी नहीं बयां करती, बल्कि वह उन सभी महिलाओं की बात करती है जो मौन हैं, जो संघर्ष कर रही हैं और जो बदलाव की प्रतीक्षा कर रही हैं। यह बात महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहीं। वे हिंदी भवन के सभागार में हिंदी लेखिका संघ मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित 30 वां वार्षिक कृति पुरस्कार एवं सम्मान समारोह 2024-25 में संबोधित कर रही थी। सुश्री भूरिया ने कहा कि लेखन समाज के हर वर्ग को संदेश देता है। महिला लेखिकाओं का योगदान अमूल्य है और हम सभी को इसे पहचानने और प्रोत्साहित करने की जरूरत है।उन्होने कहा कि हिन्दी साहित्य का इतिहास समृद्ध और विविधताओं से भरा हुआ है, जिसमें नारी का योगदान एक अहम् और विशिष्ट स्थान रखता है। हमारे देश के साहित्य में अनेक महान लेखिकाओं का योगदान रहा है, जिन्होंने न केवल समाज में विद्यमान सामाजिक कुरीतियों और भेदभाव को उजागर किया, बल्कि उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से नारी के अधिकारों की लड़ाई भी लड़ी। यही कारण है कि हमें यह समझने की जरूरत है कि महिला लेखिकाओं ने केवल साहित्य में ही नहीं, बल्कि समाज में भी एक नई दिशा का संचार किया है।

मंत्री भूरिया ने कहा कि प्रारंभ में महिला लेखकों को पुरुष लेखकों के मुकाबले कम मान्यता मिलती थी। लेकिन समय के साथ हमारे समाज और साहित्य में बदलाव आया है। आज ऐसी अनेक महिला लेखिकाएं हैं, जिन्होंने अपने लेखन से साहित्यिक जगत को एक नया आयाम दिया है। महिला लेखिकाओं ने हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज की है। चाहे वह कहानी हो, कविता हो, उपन्यास हो या निबंध हो, हर रूप में उनकी आवाज़ उठाएं और समाज में बदलाव लाने में सक्षम हों। विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि यह सम्मान समारोह नई लेखिकाओं के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बनेगा। हमें यह समझने की जरूरत है कि साहित्य में नया दृष्टिकोण, नयी सोच और नवाचार की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। आज हम जिन लेखिकाओं को सम्मानित कर रहे हैं, उन्होंने न केवल साहित्य की दुनिया को समृद्ध किया है, बल्कि वे अपने लेखन के माध्यम से समाज के हर वर्ग, हर मुद्दे को जागरूकता और संवेदनशीलता से पेश कर रही हैं।उन्होंने कहा कि हिन्दी लेखिका संघ द्वारा आयोजित यह सम्मान समाराह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह महिला लेखन के प्रति हमारी न्यायसंगत समझ और समर्पण का प्रतीक है। हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि महिलाएं अपने लेखन के माध्यम से अपनी आवाज़ उठाएं और समाज में बदलाव लाने में सक्षम हों।

दवा विक्रेता संघ ने उप मुख्यमंत्री का किया सम्मान

दवा विक्रेताओं की भी पीड़ित मानवता की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका है: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि पीड़ित मानवता की सेवा में दवा विक्रेताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। केन्द्र सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए निरोगी काया अभियान में होने वाली निःशुल्क जाँच कराने के लिए लोगों को जागरूक करने का कार्य दवा विक्रेता संघ करे ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ ले सकें। उप मुख्यमंत्री का रीवा जिला दवा विक्रेता संघ द्वारा सम्मान किया गया। उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में टीवी रोग से पीड़ित मरीजों को पूरक आहार किट वितरित किए। सम्मान समारोह में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि देश में स्वास्थ्य सुविधाओं की वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। आम आदमी को स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए आयुष्मान योजना वरदान बनी है। रीवा में भी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में गंभीर रोगों का इलाज आयुष्मान कार्डधारियों को निःशुल्क हो रहा है। श्री शुक्ल ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा 20 फरवरी से 31 मार्च तक संचालित निरोगी काया अभियान में बीपी, शुगर एवं लीवर की निःशुल्क जाँच की जा रही है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यकंटेश पाण्डेय, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष माया सिंह, समाजसेवी राजेश पाण्डेय, प्रदीप गौतम सुमन, दवा विक्रेता संघ के अध्यक्ष तरूणेन्द्र सिंह, विजय सिंह, सतीश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में दवा विक्रेता संघ के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

शिवमहापुराण कथा में हुए शामिल उप मुख्यमंत्री

रीवा। दुर्गाजी मंदिर परिसर, थाना के पास रामपुर बघेलान में विधायक विक्रम सिंह द्वारा कराई जा रही शिवमहापुराण कथा में हुए शामिल। उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने इस अवसर पर व्यास पीठ पर विराजित राजगुरु बद्री प्रपन्नाचार्य जी से आशीर्वाद प्राप्त किया और शिव महापुराण की कथा का श्रवण किया।रामपुर बघेलान के विधायक श्री विक्रम सिंह और श्री मती शिवांगी सिंह द्वारा स्व हर्ष नारायण सिंह पूर्व मंत्री की पुण्य तिथि पर रामपुर बघेलान में 25 फरवरी से 5 मार्च तक शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है।उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने स्व हर्ष नारायण सिंह जी के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपने श्रृद्धा सुमन अर्पित किए।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार गौ सेवा का आदर्श स्थल बनेगा: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

गोबर व गौमूत्र से बनने वाले उत्पादों का विक्रय कर गौवंश वन्य विहार को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा

उप मुख्यमंत्री ने गौवंश वन्य विहार में प्रशासनिक भवन का किया लोकार्पण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार गौ सेवा का आदर्श स्थल बनेगा। गौवंश वन्य विहार में अधोसंरचना व विकास के अधिकतर कार्य पूर्णता की ओर हैं। गौवंश वन्य विहार में संरक्षित गौवंश के गोबर व मूत्र से बनने वाले उत्पादों का विक्रय कर इसे पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। शुक्ल ने एक करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए प्रशासनिक भवन गौ कार्यालय का लोकार्पण किया।

गौ कार्यालय के नवनिर्मित हाल में समीक्षा बैठक के दौरान उप मुख्यमंत्री ने गौवंश वन्य विहार में शेष कार्यों की विभागवार जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि गौवंश वन्य विहार में जल की निर्बाध आपूर्ति होती रहे इसलिए आवश्यक है कि भूजल स्तर कम न हो। उन्होंने गौवंश वन्य विहार से लगे तालाब को नदी से भरने के निर्देश दिए। द्वितीय चरण के तहत नाला में रपटा कम स्टॉपडैम, चेकडैम तथा शेष बाउन्ड्रीवाल के निर्माण कार्य को स्वीकृत कर कार्य प्रारंभ करने के निर्देश बैठक में दिए गए। उन्होंने कहा कि निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। आगामी समय में सब स्टेशन का भी निर्माण कार्य कराया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने बैठक में गौवंश वन्य विहार में गौ सेवा के लिए प्रोटोकाल बनाकर कार्य किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि संरक्षित गौवंश का डाटा शीट में पूर्ण विवरण दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि गोबर व गौमूत्र से बनने वाले उत्पादों का विक्रय कर गौवंश वन्य विहार को पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। गोबर से बनने वाली खाद का विक्रय किया जाएगा। किसानों को गौशाला से जोड़ने का कार्य प्राथमिकता से होगा ताकि वह यहाँ से जरूरत के अनुसार खाद क्रय कर सकें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बायोगैस प्लांट को शीघ्र प्रारंभ किया जाए तथा मृत पशुओं के निष्पादन की यूनिट लगाने का काम शीघ्र प्रारंभ कराएं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार का आदर्श संचालन सुनिश्चित कराते हुए गौ सेवा के साथ ही इसे पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने गौवंश वन्य विहार में निर्मित रेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम किया तथा प्रातःकाल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए गौवंश को चारा एवं गुड़ खिलाया। इस दौरान अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती नीता कोल, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, सीसीएफ राजेश राय, एसडीएम राजेश सिन्हा, त्रियुगीनारायण शुक्ल, अमित अभयरामदास महाराज, समाजसेवी राजेश पाण्डेय, अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल बृजेश शुक्ला कार्यपालन यंत्री हाउसिंग बोर्ड अनुज प्रताप सिंह सहित अधिकारी व जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

महाराजा मार्तंड सिंह व्हाइट टाइगर सफारी के निर्माणाधीन बाड़ों का कार्य शीघ्र पूर्ण करें : उप मुख्यमंत्री

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि महाराजा मार्तण्ड सिंह व्हाइट टाइगर सफारी के निर्माणाधीन बाड़ों का कार्य शीघ्र पूर्ण कराएं ताकि वहाँ विभिन्न प्रजातियों के जीवों को रखा जा सके। उन्होंने सरीसृप प्रजाति के लिए बनाए जा रहे रेप्टाइल हाउस के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया तथा पूर्ण गुणवत्ता के साथ कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने व्हाइट टाइगर सफारी मुकुंदपुर का भ्रमण कर ग्वालियर से लाए गए व्हाइट टाइगर शावक को उत्साहपूर्वक देखा। उप मुख्यमंत्री ने वर्ल्ड एवियरी बाड़े का भ्रमण कर रंग-बिरंगे परिंदों को भी देखा। इस अवसर पर वन मण्डलाधिकारी सतना ने व्हाइट टाइगर सफारी में निर्माणाधीन कार्यों तथा प्रस्तावित कार्यों के बारे में उप मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया। भ्रमण के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष रीवा श्रीमती नीता कोल, नगर पालिक निगम रीवा के अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, सीसीएफ राजेश राय, डीएफओ सतना मयंक चांदीवाल, विवेक दुबे, राजेश पाण्डेय सहित जनप्रतिनिधिगण व अधिकारी उपस्थित रहे।

ईवीएम के बाद अब पेपरलेस बूथ के माध्यम से चुनाव पर विचार

लोकतंत्र की प्रयोगशाला हैं पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन: राज्य निर्वाचन आयुक्त श्रीवास्तव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव में ईव्हीएम के बाद अब पेपरलेस बूथ की कल्पना को मूर्त दिया जा रहा है। पंचायत उप निर्वाचन में चुनाव पेपरलेस बूथ के माध्यम से सफलतापूर्वक कराये जा चुके हैं। मध्यप्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने यह बात राज्य निर्वाचन आयोग की 31वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस में कही। कॉन्फ्रेंस पेंच जिला सिवनी में आयोजित की गई है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा कराये जाने वाले पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन लोकतंत्र की प्रयोगशाला और परीक्षण स्थली हैं। पूरी दुनिया के साथ भारत का यह अनुभव है कि जब भी निर्वाचन संबंधी कोई महत्वपूर्ण प्रयोग होते हैं, तो सबसे पहले स्थानीय निर्वाचनों में होते हैं। जब महिलाओं को प्रतिनिधि संस्थाओं में आरक्षण का विचार आया, तो सबसे पहले पंचायतों और स्थानीय निकायों में इसे लागू किया गया। मध्यप्रदेश में तो निकायों में पहले 33 प्रतिशत और बाद में 50 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं को दिया गया है। इसकी जितनी स्वीकार्यता पिछड़े कहे जाने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में हुई, उतनी वरिष्ठ स्तरों पर अभी भी नही हो पाई।

राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन लोकतंत्र की नींव हैं। यह चुनाव पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता से कराना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस चुनाव के माध्यम से नागरिक सीधे शासन और निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदार बनते हैं। उन्होंने ऑनलाइन वोटिंग पर चर्चा करते हुए कहा कि यह प्रयोग पहली बार एस्टोनिया में किया जा चुका है। श्रीवास्तव ने कहा कि प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे परिवर्तनों के मद्देनजर यह जरूरी है कि हम चुनाव प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रक्रिया में बदलाव करते रहें। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्रीवास्तव ने कहा कि चुनावी खर्च कम करने के उद्देश्य से राज्यों के बीच ईव्हीएम शेयरिंग होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांफ्रेंस में राज्य निर्वाचन आयुक्त उनके राज्य में किए गए नवाचारों को साझा करेंगे। इससे अन्य राज्यों में भी उसे लागू किया जा सकेगा। कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता असम के राज्य निर्वाचन आयुक्त आलोक कुमार ने की। इस दौरान विभिन्न राज्य निर्वाचन आयोग के नवाचारों को समाहित कर लिखी गई पुस्तक एक्स-चेंज एक्स-पीरियंस इनीशिएटिव-2025 का विमोचन किया गया। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव अभिषेक सिंह ने स्थानीय निकायों की निर्वाचन प्रक्रिया में पेपरलेस बूथ प्रणाली तथा इंटरग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम को अपनाने की कार्ययोजना पर प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि पेपरलेस बूथ प्रणाली में डिजिटल टूल्स अपनाने से स्थानीय निर्वाचन प्रक्रिया सरल होगी। सभी डॉक्यूमेंटेशन डिजिटल होंगे तथा मानवीय भूल की संभावना भी कम होगी। उन्होंने बताया कि डिजिटल टूल्स का उपयोग होने से चुनाव में लगने वाले अमले की संख्या में कमी आएगी तथा चुनाव खर्च भी कम होंगे। आन्ध्रप्रदेश निर्वाचन आयोग की आयुक्त श्रीमती नीलम साहनी द्वारा स्वचलित लोकल बॉडी इलेक्शन प्रक्रिया पर प्रेजेंटेशन दिया गया। उन्होंने इलेक्ट्रोरल रोल मैनेजमेंट, पोल मैनेजमेंट के ऑटोमेशन प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए अन्य आयुक्तों के साथ समस्या एवं सुधार की संभावनाओं पर चर्चा की। विभिन्न राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्तों ने निर्वाचन प्रक्रिया में सुधार के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

लखनादौन एसडीएम रवि सिहाग तथा सहायक कलेक्टर पंकज वर्मा द्वारा ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेस और सुविधाजनक निर्वाचन प्रक्रिया के लिए नवीन तकनीकों को अपनाने के संबंध में प्रेजेंटेशन दिया। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग त्रिपुरा द्वारा राज्य में स्थानीय निर्वाचन प्रक्रिया पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कलेक्टर सिवनी सुश्री संस्कृति जैन ने प्रथम सत्र के समापन पर आभार व्यक्त किया। कॉन्फ्रेंस में तीन और चार मार्च को भी विभिन्न विषयों पर विषय-विशेषज्ञ प्रेजेंटेशन देंगे।

परिवहन एक नई कहानी

हिमाचल में सड़क परिवहन के माध्यम से प्रदेश को ऊर्जा और भविष्य के रास्ते मिलते हैं। इन्हीं रास्तों पर परिवहन निगम की करवटें एक नए दस्तूर में वादा कर रही हैं। वादा यह कि बसों की नस्ल बदलेगी और यह भी कि ग्रीन स्टेट के प्रमुख पार्टनर के रूप में एचआरटीसी अपना शृंगार करेगी। परिवहन निगम का निदेशक मंडल बड़े फैसलों की शिरकत में छह सौ करोड़ व्यय का खाका बना रहा है। इन मंजूरियों की फाइलें महत्त्वाकांक्षी हैं और वक्त के चौराहों से आगे निकलने की एक कोशिश भी कर रही हैं। हिमाचल में परिवहन का ब्रांड एचआरटीसी सदा रही है, लेकिन समय के बदलते स्वरूप और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कुछ फासले ऐसे बढ़ गए कि सार्वजनिक क्षेत्र के इस उपक्रम को कुछ कदम रोकने पड़े। अनावश्यक रूट घटा कर तथा संचालन की उपयोगिता बढ़ा कर, एचआरटीसी के सफर की अपनी कहानी दुरुस्त करने की कोशिशें बढ़ गई हैं। यही परिणाम पिछले एक साल में 70 करोड़ की कमाई बढ़ा कर मिला है। हालांकि इस कमाई की बाहों में इलेक्ट्रिक बसों की कम खर्चीली दास्तान है या परिवहन विस्तार पर लगे अंकुश है, फिर भी यह आशाजनक संकेत है कि एक घाटे वाले सार्वजनिक उपक्रम ने कुछ हटकर करने की ठान ली है। बहरहाल परिवहन निगम अपनी क्षमता बढ़ाने तथा बसों की नई खेप उतारने के लिए छह सौ करोड़ का प्रावधान सरकार के बही खातों से हासिल करेगा, वरना हर डिपो की वित्तीय व्यवस्था में इतना लाभ होता कि हर साल अपनी कमाई से ऐसी उपलब्धियां भी हासिल करता। डिपो केवल बस रूटों की नुमाइश में एक सीमित सा प्रबंधन बने हैं, जबकि साल दर साल की वित्तीय रिपोर्ट नकारात्मक होती गई। अगर हम डिपो दर डिपो पूछें कि कितने नालायक चल रहे हैं, तो मालूम होगा कि सियासी बस रूटों पर घाटे के ही पांव चल रहे हैं। आखिर खरीद-फरोख्त केंद्रीय विषय क्यों हैं।

क्यों नहीं हर बस डिपो अपनी वित्तीय, बजटीय प्लानिंग व आमदनी एवं खर्च के ब्यौरे से हर साल, प्रगति और विकास का रिपोर्ट कार्ड बनाए। उदाहरण के लिए हर बस डिपो अपनी कमाई से अर्जित मुनाफे से कम से कम पांच नई बसों की खरीद का वार्षिक कैलेंडर क्यों न बनाए। अगर प्राइवेट वोल्वो बस आपरेटर अपने लक्ष्यों की कामयाबी में हर साल कुछ नई बसें जोड़ लेता है, तो उसकी व्यवस्था और सफलता के मायने सिद्ध होते हैं। बेशक एचआरटीसी के मायने सार्वजनिक परिवहन को इतना संतुष्ट करते हैं कि आज भी आम हिमाचली सरकारी बसों पर भरोसा करता है, लेकिन इसका आर्थिक पक्ष और वित्तीय प्रबंधन का औचित्य भी साबित करना होगा। निदेशक मंडल अपने दायित्व के खाके में 297 इलेक्ट्रिक व 250 डीजल बसों की खरीद पुख्ता कर रहा है। इसके अलावा 24 सुपर डीलेक्स बसों की खरीद भी सुनिश्चित हो रही है। जाहिर है इससे मंतव्य और गंतव्य दोनों में एचआरटीसी की छवि में सुधार होगा, लेकिन निगम को अपने बिगड़े कलपुर्जों को भी तेल लगाना पड़ेगा। यानी घाटे कम करने के लिए अनावश्यक खर्चे, अनावश्यक बस रूट और भारी भरकम अफसरों की तादाद से निजात चाहिए। परिवहन के दारोमदार में नवाचार, नए विकल्पों का आधार तथा आनलाइन सुविधाओं का प्रसार भी आवश्यक है। आय बढ़ाने के लिए एचआरटीसी अपनी संपत्तियों का बेहतर इस्तेमाल करते हुए प्रमुख मार्गों तथा खान-पान सुविधाओं, रिजॉर्ट व हाई-वे पर्यटन सुविधाओं का प्रसार कर सकती है। ऐसा क्यों नहीं सोचा गया कि परिवहन निगम की वर्कशाप की दक्षता में निजी वाहन भी सुविधाएं प्राप्त कर सकें। प्रदेश में माल ढुलाई की अपार संभावनाओं में एचआरटीसी की भूमिका अलग से विंग के मार्फत पारंगत हो सके।

क्यों नहीं परिवहन निगम मनाली, शिमला व धर्मशाला में अपने कार्यक्षेत्र के तहत इलेक्ट्रिक टैक्सियों के संचालन में प्वाइंट टू प्वाइंट सर्विस सेवा शुरू करता। पूरी पर्यटन इंडस्ट्री के बीच परिवहन निगम की प्रासंगिकता को तय करने के लिए नए दखल चाहिए। इसी तरह अगर हिमाचल के तमाम बड़े शहरों के बस स्टैंड को व्यापारिक, मनोरंजन एवं पर्यटन परिसर की अधोसंरचना में सशक्त किया जाए, तो हिमाचल परिवहन निगम की सफलता की संभावना बढ़ेगी। बहरहाल, हम यह उम्मीद कर रहे हैं कि छह सौ करोड़ के व्यय से कुछ तो कारवां बदलेगा। कुछ खटारा बसें परिदृश्य से हट जाएंगी और कुछ क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा उतर जाएगा। इन सबसे इतर आमदनी को बढ़ाने के लिए किराया दरों में बढ़ोतरी का सुझाव भी आया है, जहां न्यूनतम किराए की सीमा में चंद सिक्के बढ़ जाएंगे।

सामयिक चिंतन

भाषा को लेकर कब थमेगी ओछी राजनीति ?

विनोद नागर

देश की राजधानी दिल्ली में अभी चुनावी बुखार पूरी तरह उतरा भी न था कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने अपने बेतुके बयान से भाषाई राजनीति को गर्मा दिया है। इसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर दक्षिण भारत में हिन्दी भाषा को थोपने का आरोप लगाते हुए कहा है कि तमिलनाडु एक और भाषा युद्ध के लिये तैयार है। दक्षिण भारत में और खास तौर पर तमिलनाडु में हिन्दी का विरोध जग जाहिर है। स्वातंत्र्योत्तर काल से द्रविड़ संस्कृति और भाषाई प्रतिबद्धता के नाम पर विभिन्न राजनैतिक दल चुनावी रोटियाँ सेंकते रहे हैं। हालांकि कालांतर में सामाजिक स्तर पर इस भाषाई जड़ता का ख़ामियाजा भी उन्हें उठाना पड़ा है।

ताज़ा भाषाई विवाद पर हिन्दी भाषी क्षेत्रों के साहित्यिक सांस्कृतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया उभरकर सामने आई है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. देवेन्द्र दीपक ने स्टालिन के इस आरोप को नितांत भ्रामक बताया है, जिसमें कहा गया है कि हिन्दी और संस्कृत के कारण उत्तर भारत की 25 भाषाएँ नष्ट हो गयी हैं। वे जिन्हें भाषा कह रहे हैं, वह हिन्दी की बोलियाँ हैं और अपने-अपने क्षेत्र में आसीन हैं। दरअसल, स्टालिन के संस्कृत और हिन्दी के विरोध के पीछे उनका सनातन द्वेष है।

स्टालिन का यह कहना भी एक सफेद झूठ है कि हिन्दी उन पर थोपी जा रही है। नयी शिक्षा नीति, जिसमें पढ़ाई के लिये त्रिभाषा सूत्र अपनाया गया है, के सूत्रधार स्वयं तमिलभाषी हैं?। नई शिक्षा नीति में भाषा का पक्ष लोकतांत्रिक है। त्रिभाषा सिद्धांत में हिन्दी कहीं भी अनिवार्य नहीं है। एक मातृभाषा, दूसरी विदेशी भाषा और तीसरी कोई भी भारतीय भाषा?। तमिलनाडु के स्कूलों में बच्चे जो चाहें वह भाषा पढ़ें। अब इसमें हिन्दी को थोपने की बात कहाँ से आ गई?

'शिक्षा की नव क्रांति का शंखनाद' पुस्तक के लेखक और पद्मश्री से सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार आलोक मेहता ने स्टालिन के बयान को भारत विरोधी बताते हुए कहा है कि तमिलनाडु ने तो बहुत पहले से अपने यहाँ त्रिभाषा फार्मूले के स्थान पर द्विभाषा फार्मूला लागू कर हिन्दी और अंग्रेजी को स्वीकारते हुए हिन्दी को सिरे से नकार दिया था। भाषाई द्वेष के चलते आप लोगों की भावनाओं को भड़काकर वोट भले ही कबाड़ सकते हो, लेकिन चुनाव की राजनीति की भी आखिर कोई सीमा तो होनी चाहिये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में तमिल संगमम आयोजित कर वहाँ तमिल विद्वानों को आमंत्रित कर उनका मान-सम्मान किया था।

इस मामले में मप्र साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे की राय प्रमाणिकता और तथ्यों पर आधारित है। वे कहते हैं- हिन्दी, तमिल और संस्कृत सभी हमारी राष्ट्रीय भाषाएँ हैं। संस्कृत ने सदैव दक्षिण की भाषाओं को माँ की तरह पोषण दिया है। दक्षिण की भाषाओं में नाभि नाळ सम्बन्धमजैसे शब्दयुग्म सहज लोक प्रचलित हैं।स्टालिन के आराध्य के जन्म से सैकड़ों वर्ष पूर्व से यह नाभि नाळ संबंध बना हुआ है। 'वाल्मिकी रामायण' प्रथम राम कथा है। संस्कृत के बाद उसका प्रथम अनुवाद 'कम्ब रामायण' है,जो दक्षिण के संस्कृत से जुड़ाव का प्रतीक है। तमिलनाडु में रामायण के प्राचीनतम संदर्भ हमें संगम कालीन साहित्य में मिलते हैं।

सप्रे संग्रहालय के निदेशक और दादा माखनलाल चतुर्वेदी की पत्रिका कर्मवीर के डिजिटल संस्करण के संपादक अरविंद श्रीधर मानते हैं कि तमिलनाडु अथवा किसी भी दक्षिणी राज्य में हिन्दी का विरोध केवल सियासत के लिए किया जाता रहा है। यह आज से नहीं सालों से हो रहा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के हालिया बयान ने तो संस्कृत को भी इस विवाद में लपेट लिया है, जबकि आम धारणा के अनुसार दक्षिण भारतीय भाषाएँ संस्कृत के ज्यादा निकट हैं। राजनीतिज्ञ अपनी अपनी राष्ट्रीय वोट बैंक की मजबूरी के चलते भाषाई सौहार्द पर बात करें या न करें, समाज के बुद्धिजीवियों को जरूर इस पर बात करनी चाहिए। भाषाई सौहार्द ही हिन्दी की स्वीकार्यता का विस्तार कर सकता है।

भाषा युद्ध की चेतावनी को लेकर अपने सामयिक आलेख में सुधि पत्रकार और राजनीतिक मामलों के टिप्पणीकारअजय बोकिल ने दो टूक लिखा है- हिन्दी को लेकर तमिलनाडु का विरोध 1937 से है। वह देश में अकेला ऐसा राज्य है, जहाँ स्कूलों में राजभाषा और अघोषित रूप से राष्ट्रभाषा का स्वरूप ले रही हिन्दी नहीं पढ़ाई जाती। इससे नुकसान उन बच्चों का होता है, जो तमिलनाडु के बाहर अन्य राज्यों में नौकरी-धंधा करना चाहते हैं। नतीजा यह है कि विद्यार्थी निजी स्तर पर हिन्दी सीख रहे हैं। दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार समिति द्वारा आयोजित हिन्दी परीक्षा में तमिल विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या इसका प्रमाण है। निहितार्थ यही कि तमिलनाडु में हिन्दी का विरोध मुख्यतः राजनीतिक है और द्रविड़ राजनीति की प्रासंगिकता को बनाये रखने की चेष्टा भर है।

प्रकारांतर से यही बात मध्य प्रदेश लेखक संघ के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र गट्टानी की फौरी प्रतिक्रिया में भी झलकती है- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बयान के मूल में क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थ हैं। स्टालिन भले ही तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ द्रमुक के शीर्ष नेता हैं, लेकिन उन्हें पता होना चाहिये कि जब दक्षिण की भाषाएँ संस्कृत से नष्ट नहीं हुई तो उत्तर भारत की भाषाएँ कैसे नष्ट हो गईं? न तो स्टालिन की छवि राष्ट्रीय नेता की है और न ही उनका दल राष्ट्रीय स्तर का है। अतः ऐसे बेतुके राजनीति से प्रेरित उनके वक्तव्य को ज्यादा गंभीरता से लेने की आवश्यकता नहीं है।

हिन्दी सेवियों की स्वैच्छिक संस्था 'हिन्दी परिवार' के संस्थापक अध्यक्ष हरेराम वाजपेयी के तेवर तो और भी गरम हैं- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को भाषा और संस्कृति का इतिहास मालूम नहीं है। संस्कृत तो सभी भाषाओं की जननी है। लेकिन जो अपनी माँ को माँ नहीं कह सकता वह दूसरे की माँ को क्या सम्मान देगा स्टालिन चुनावी हथकंडा अपनाकरराजनीतिक मंसूबा पूरा करने के लिए अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं।पूरे देश को उनके इस दुर्भाग्यपूर्ण वक्तव्य का विरोध करना चाहिए। 'हिन्दी परिवार'इन्दौर के महासचिव संतोष मोहंती भी इस विवाद को पूरी तरह राजनीतिक मानते हुए कहते हैं कि वोट बैंक को पुख्ता करने के लिए ही यह भाषाई मुद्दा उठाया गया है।

आकाशवाणी के पूर्व समाचार वाचक, कवि, लेखक एवं स्तंभकार संदीप श्रोत्रिय भाषा की गरिमा को रेखांकित करते हुए कहते हैं- कोई भी भाषा किसी दूसरी भाषा को नष्ट नहीं करती, बल्कि वे साथ-साथ चलते हुए एक दूसरे को समृद्ध ही करती हैं। लेकिन जब राजनीति सतह पर आती है तो राजनेता एक दूसरे को शत्रु की तरह दिखाने और भाषा का इस्तेमाल हथियार की तरह करने से भी नहीं चूकते। मैंने नई दिल्ली के भारतीय जन संचार संस्थान में संस्कृत के समाचार वाचक बलदेव आनंद सागर से तमिलनाडु में त्रिची से आये संवाददाता को इस मुद्दे पर कई दिनों तक लड़ने की हद तक बहस करते देखा है कि द्रविड़ संस्कृत से ज़्यादा पुरानी भाषा है।

वरिष्ठ साहित्यकार और गीतकार डॉ. रामवल्लभ आचार्य हिन्दी भाषा के महात्म्य को लेकर पूर्णतः आश्वस्त हैं। उनका कहना है- स्टालिन महाशय के राजनीति प्रेरित बयान से विचलित होने की जरुरत नहीं है। क्षेत्रीय पार्टियों का अस्तित्व क्षेत्रवाद की राजनीति पर ही टिका है। यदि दक्षिण भारत के लोग आज के आधुनिक युग में हिन्दी का विरोध करने के बजाय उसे संपर्क भाषा के रूप में अपनाते हैं तो इससे उनका ही भला होगा। धार्मिक पर्यटन बढ़ने से उनकी अर्थव्यवस्था और सुदृढ़ होगी। त्रिभाषा फार्मूला किसी पर हिन्दी थोपने की वकालत नहीं करता, इसलिए सारी आशंकाएँ निर्मूल हैं।

लघु कथा शोध केंद्र के सचिव घनश्याम मैथिल 'अमृत' के अनुसार तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत के अधिकांश राज्य वर्षों से हिन्दी के विरोध की ओछी राजनीति कर स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन का बयान पूर्णतः राजनीति से प्रेरित और दुर्भाग्यपूर्ण है।संस्कृत तो भारत वर्ष की भाषा ही नहीं हमारी सांस्कृतिक विरासत और सभी प्रांतीय भाषाओं की जननी है।कोई माँ भला अपनी संतानों का अहित कर उन्हें नष्ट कैसे कर सकती है जब सभी भारतीय भाषाएँ और बोलियाँ समृद्ध होंगी तभी तो हिन्दी समृद्ध होगी।हमारी भाषाओं और बोलियों का असल नुकसान तो अंग्रेजी ने किया है, जोहिन्दी की जगह देश की सम्पर्क भाषा बन बैठी है।

वरिष्ठ साहित्यकार प्रभु दयाल मिश्र भी ताजा भाषाई विवाद से व्यथित हैं- स्टालिन की उत्तर भारतीयों में फूट डालने की कुटिल चाल सभी भारतीय अच्छी तरह से समझते हैं। तमिल भाषा और संस्कृति का कोई विरोध उत्तर भारत में नहीं है। यह भेद बुद्धि हेय और अपराध भाव जनित ही है जिसे समस्त सच्चे भारतीय बखूबी समक्षते हैं।

आकाशवाणी के समाचार संपादक संजीव शर्मा भाषा को कल-कल बहती नदी की तरह मानते हैं जो अपने प्रवाह क्षेत्र में जीवनदायिनी होती है लेकिन आगे बढ़ते हुए किसी और बड़ी नदी के सहारे या स्वयं समुद्र में मिल जाती है। कुछ यही हाल आंचलिक भाषाओं का है। वे अपने क्षेत्र में लब्ध प्रतिष्ठित हैं और विकास एवं विस्तार के क्रम में हिन्दी में व्यापक रूप से घुल मिल गई हैं। भाषा कोई जमींदार या क्रूर शासक नहीं है जो कमजोर को दबाने का प्रयास करे। बल्कि हिन्दी तो माँ के आंचल सी है ममतामयी, सभी को समाहित और सम्मान करने वाली। यदि कोई क्षेत्रीय भाषा विकास की इस दौड़ में पीछे रह गई है तो उसका ठीकरा हिन्दी पर नहीं फोड़ा जा सकता।

कवि, कथाकार, व्यंग्यकार गोकुल सोनी अपने अनुभव साझा करते हुए बताते हैं कि तमिलनाडु में हिन्दी भाषियों के प्रति जितना द्वेष का भाव अशिक्षित और कम पढ़े लिखे लोगों में है, उतना वहाँ के शिक्षित लोगों में नहीं है। वे टूटी फूटी अंग्रेजी गर्व से बोल सकते हैं पर हिन्दी से उनको बैर है। 1999 में मैं सर्वभाषा सम्मेलन में भाग लेने बैंगलोर गया था। वहाँ देश के हर राज्य से 15-20 साहित्यकार आये थे। मध्यप्रदेश से भी हमएक दर्जनसाहित्यकार थे।आयोजन स्थल पर हमें यह देखकर घोर निराशा हुई कि लंबे चौड़े बैनर पर करीब 15 भाषाओं में 'सर्व भाषा सम्मेलन' लिखा था, पर उसमें हिन्दीगायब थी।

हिन्दी की उपेक्षा से हमेंइतनी पीड़ा हुई कि हमने एक साथ खड़े होकर विरोध करने तथा सम्मेलन का बायकाट करने का निर्णय किया।तब वहाँ मौजूद मुख्यमंत्री को स्वयं माफी मांगनी पड़ी। उन्होंने वायदा किया कि मध्यांतर के बाद आपको बैनर पर हिन्दी में नाम लिखा मिलेगा।लेकिन मध्यांतर के बाद हमें हिन्दी में नाम लिखा हुआ तो मिला परंतु सबसे नीचे और छोटे अक्षरों में। कहने का अर्थ यही कि राजनेताओं ने हिन्दी के प्रति घृणा के बीज वहाँ के प्रत्येक व्यक्ति के मन में बो दिये हैं।

व्यंग्यकार डॉ. हरीशकुमार सिंह का मानना है कि स्टालिन ने हिन्दी द्वारा संस्कृत सहित 25 भारतीय भाषाओँ को निगलने की बात राजनीतिक पैंतरे के रूप में कही है।हिन्दी को थोपने का आरोप तब सही माना जाता जब नई शिक्षा नीति में हिन्दी सीखना अनिवार्य किया जाता।एक अन्य व्यंग्यकार प्रेमचंदद्वितीय के अनुसार तमिलनाडुकेसीएमका बड़बोला बयानदशकोंसेहाशिये पर पड़े भाषाई विवाद को हवा देने वाला है। देश के 53 करोड़ से अधिक लोगों कीमातृ भाषा हिन्दीहै, वहीं विश्व में 64 करोड़ सेअधिकलोगहिन्दीबोलतेहैं।अबतोवक्तहिन्दीकेविरोधका नहीं,वरनआधिकारिकभाषाकादर्जादिलानेकेलिएवैश्विक समर्थनजुटाने काहै।

शाश्वत सृजन के संपादक और साहित्यकार संदीप सृजन कहते हैं कि दक्षिण भारत में हिन्दी विरोधी आंदोलन केवल राजनीति तुष्टिकरण का खेल है। हिन्दी की मंशा कभी अन्य भाषाओं को खत्म करने की नहीं रही है।रही बात संस्कृत की तो उसका व्याकरण संसार के श्रेष्ठतम व्याकरण में आता है, जो हर भाषा को पुष्ट कर सकता है। उज्जैन के लेखक एवं स्तंभकार सुभाष चंद्र जोशी भी इस बात से सहमत हैं कि तमिलनाडु में भाजपा के बढ़ते प्रभाव से भयभीत स्टालिन का वक्तव्य अपनी राजनीतिक जमीन बचाने का प्रयास मात्र है।

दुष्यंत स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय के संयुक्त सचिव और अध्येता सुरेश पटवा को लगता है कि यह शुद्ध राजनीति है। उत्तर दक्षिण विभाजन बहुत पुराना है। इसमें आर्य परिवार और द्रविड़ परिवार सहित भाषा विवाद पुराने ज़माने से जुड़ा है।पचास से अधिक पुस्तकों का हिन्दी में अनुवाद कर चुके दिनेश मालवीय 'अश्क'इसे केवल एक तुच्छ राजनीतिक चाल मानते हैं। वरिष्ठ साहित्यकार एवं दोहाकार प्रभु त्रिवेदी का अभिमत है कि हिन्दी के प्रति राष्ट्रीय अनुराग और उसके बढ़ते हुए वैश्विक प्रभुत्व को देखकर स्टालिन जैसे क्षेत्रीय राजनेता को क्षुद्र राजनैतिक बयानों से परहेज़ करना चाहिए। अन्यथा वह समय दूर नहीं, जब सनातन के साथ संस्कृत और हिन्दी दोनों काअधिकार क्षेत्र बढ़ जाएगा।

इसके विपरीत अखिल हिन्दी साहित्य सभा, अमरावती की संस्थापक अध्यक्ष शीला डोंगरे तमिलनाडु केहिन्दी विरोध को जायज ठहराती हैं, क्योंकि यह राज्य की भाषाई पहचान, सांस्कृतिक अधिकारों और संविधान द्वारा प्रदान किए गए संघीय ढांचे से जुड़ा मसला है। उनके लिए यह विरोध अपनी भाषा और संस्कृति को संरक्षितकरने की कोशिश है। हालाँकि वे यह भी कहती हैं किराष्ट्रीय एकता और संवाद के दृष्टिकोण से हिन्दी को एक साझा भाषा के रूप में बढ़ावा देना समझदारी हो सकती है। इसलिए, इस विरोध को जायज या नाजायज कहने से पहले, यह महत्वपूर्ण है कि हम राज्य की भाषा और संस्कृति की सुरक्षा, राष्ट्रीय एकता, और संवाद के माध्यमों के बीच संतुलन बनाए रखें। दोनों पक्षों के तर्कों में कुछ वैधता हैऔर समाधान किसी सामंजस्यपूर्ण समझौते पर आधारित होना चाहिए।

बहरहाल,कुल मिलाकर विडम्बना यही कि आज़ादी के 78 साल बाद भी हिन्दी को राष्ट्र भाषा का दर्जा दिलाना तो दूर;भारत में ही जिम्मेदार पदों पर बैठे कुछ लोग उस पर अन्य भाषाओँ को नष्ट करने के बरगलाने वाले आरोप लगाने से बाज नहीं आ रहे..! यह कड़वा यथार्थ आँखें खोलने वाला भी है और आक्रोशित करने वाला भी..!!

लोकतंत्र की सुगंध के लिए जरूरी है, अपराधियों पर प्रतिबंध

सरयूसुत मिश्रा

अपराधियों के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध पर बहस बहुत पुरानी है. सर्वोच्च न्यायालय में इस संबंध में एक याचिका पर विचार में केंद्र सरकार द्वारा आपराधिक मामलों के आरोपियों को चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने के विरुद्ध अपना मत दिया है. केंद्र सरकार ने अपने शपथ पत्र में यह स्वीकार किया है, कि यह बहुत कठोर दंड होगा. इसके साथ ही इस मामले पर न्यायालय नहीं बल्कि संसद विचार कर कानून बना सकती है..!!

सुप्रीम कोर्ट ने अभी अपनी राय अथवा निर्णय नहीं दिया है. लेकिन पूरे देश में केंद्र सरकार के इस एफिडेविट की चर्चा है. सामान्य दृष्टि से ऐसा ही माना जा रहा है, कि आजीवन प्रतिबंध के प्रावधान नहीं लागू कर राजनीति का, राजनीति द्वारा, राजनीति के लिए सुरक्षा कवच बनाया जा रहा है.

वोट की राजनीति से राजनेताओं और उनके निर्वाचन क्षेत्र के बीच ऐसे संबंध विकसित हो जाते हैं, जिससे व्यक्तिगत लाभ के लिए सत्ता और संसाधनों को दुरुपयोग प्रोत्साहित होता है. इससे ही भ्रष्टाचार एवं अपराधिक गतिविधियों को जन्म मिलता है. मतदाताओं की भी इसे गलती माना जाएगा, कि पूर्वाग्रही दृष्टिकोण से अपराधिक पृष्ठ भूमि वाले राजनेताओं को इसलिए चुना जाता है, क्योंकि वह अपने कार्यों हेतु जवाबदेह होने की बजाय, किसी विशेष समुदाय या समूह के लिए प्रोटेक्टर के रूप में काम करते हैं. चुनाव में बाहुबल भी अपराधीकरण को प्रोत्साहित करता है. काला धन और माफिया द्वारा दिया जाने वाला फंड राजनीति के अपराधीकरण में महत्वपूर्ण योगदान देता है. ऐसे ही काले धन का उपयोग वोट खरीदने और चुनाव जीतने के लिए

किया जाता है. राजनीति के अपराधीकरण से संसदीय व्यवस्था में अकुशल शासन बढ़ता है या अकुशल शासन राजनीति में अपराधीकरण बढ़ाने में भूमिका निभाता है, यह दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं. भारत में चुनाव प्रक्रिया में आदर्श आचार संहिता भी किसी कानून द्वारा लागू नहीं की जाती.

राजनीति में अपराधीकरण स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांत के ना केवल खिलाफ़ है, बल्कि इससे लोकतंत्र का आधार कमजोर होता है. कानून तोड़ने वाले कानून निर्माता बन जाते हैं, तब लोकतांत्रिक शासनअपनी मर्यादा खोने होने लगता है. इससे सुशासन प्रभावित होता है. राजनीति में अपराधियों के कंट्रोल की प्रवृत्तियां चुने हुए जनप्रतिनिधियों की गुणवत्ता और छवि खराब करती है. राजनीति में अपराधीकरण के कारण राजनेताओं के लिए वोट खरीदना और अपने पदों को सुरक्षित करना आसान हो जाता है. शायद इसी कारण भ्रष्ट व्यवस्था राजनीतिक प्रणाली का हिस्सा बन जाती है. इससे समाज में हिंसा की संस्कृति बढ़ती है. इसके साथ ही शासन प्रणाली के रूप में लोकतंत्र में लोगों के विश्वास में कमी आती है.

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम में विधायिका को चुनाव लड़ने के लिए किसी व्यक्ति को अयोग्य घोषित करने के मानदंड का उल्लेख है. इसके अनुसार 2 वर्ष से अधिक सजा याफ्ता व्यक्ति कारावास की अवधि समाप्त होने के बाद 6 वर्ष तक चुनाव में खड़ा नहीं हो सकता. वर्तमान में कानून ऐसे व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से नहीं रोकता है, जिनके खिलाफ़ अपराधिक मामले लंबित हैं. राजनीति में अपराधीकरण को रोकने के लिए देश में बहुत पहले से विचार-विमर्श हो रहा है, लेकिन अभी तक कोई पुख्ता कानूनी व्यवस्था नहीं हो सकी है.

इस बारे में सर्वोच्च न्यायालय ने भी अनेक बार निर्णय दिए हैं. इसी तरह के निर्णयों से कम से कम इतनी पारदर्शिता तो आई है, कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को अपने आपराधिक रिकॉर्ड का पूरा विवरण कानून के अंतर्गत सार्वजनिक करना पड़ता है.

संसदीय प्रणाली दलीय आधार पर काम करती है. यह भी आश्चर्यजनक है, कि विभिन्न राजनीतिक दल आपराधिक आरोपों वाले उम्मीदवार ही चुनाव मैदान में उतारते हैं. यह शायद इसीलिए किया जाता है, क्योंकि ऐसे उम्मीदवारों के धन बल, बाहुबल और आपराधिक छवि चुनाव जीतने में मददगार होती है. राजनीतिक दलों का पहला उद्देश्य चुनाव जीत कर सत्ता हासिल करना होता है, इसलिए जिताऊ उम्मीदवार उतारते समय आपराधिक आरोपों को दरकिनार कर दिया जाता है. लोकतंत्र और राजनेताओं के प्रति बढ़ता अविश्वास भी शायद इसीलिए है, क्योंकि चुनाव के समय तो मतदाता पूर्वाग्रह में अपना मत दे देते हैं, लेकिन बाद में पांच साल अपने कर्मों की सजा भुगतते हैं. मुफ्तखोरी की योजनाओं से मतदाताओं को प्रलोभन देने की जो नई शैली राजनीति में प्रारंभ हुई है, वह भी राजनीति में अपराधीकरण को ही प्रोत्साहित कर रही है.

नैतिकता लोकतंत्र की आत्मा होती है. अब तो सत्ता लोकतंत्र की आत्मा बन गई है. नैतिकता का तो कहीं पता नहीं है. राजनीति में नैतिकता तो जैसे परित्यक्ता हो गई है. यह जानते हुए भी, कि सारी सत्ता, सारे पद, सारी प्रतिष्ठा, सारा धन-वैभव मृत्यु छीन लेती है. केवल व्यक्ति की नैतिकता है, जो इसके बाद भी समाज का मार्गदर्शन करती है. अपराधीकरण दूसरों को नहीं स्वयं को नष्ट करता है.

राजनीति के अपराधीकरण को लोकतंत्र की मजबूरी नहीं बनाया जाए. व्यवस्थाओं के सहारे सूरमा बनने वाले सांसों पर संकट के समय सच का सामना करते हैं.

साइबर अपराधियों में भारतीय क्यों ?

राकेश दुबे

यह जानकर आप परेशान हो सकते है कि म्यांमार और पूर्वी एशिया के कई देशों से जो संगठित साइबर अपराध संचालित हो रहे हैं, उनके चंगुल में बड़ी संख्या में भारतीय युवा भी हैं। हाल ही में म्यांमार के दुर्गम इलाकों में बनाये गए साइबर अपराधियों के अड्डों से सत्तर भारतीय युवाओं को छुड़ाया गया है। जिनको डरा-धमकाकर भारत में साइबर अपराधों को अंजाम देने के लिये इस्तेमाल किया जाता था।

बताया जाता है साल 2022 के बाद म्यांमार, थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया आदि से छह सौ से अधिक भारतीयों को अपराधियों के चंगुल से बचाया जा चुका है। आशंका है कि कई हजार भारतीय युवा म्यांमार समेत विभिन्न देशों में साइबर अपराधियों के अड्डों में जबरन रोके गए हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय युवा प्रतिभाएं दलालों की साजिश से संगठित साइबर अपराध करने वाले अंतर्राष्ट्रीय अपराधियों के चंगुल में फंस जाती हैं। विडंबना ही है कि हम अपने युवाओं को न तो रोजगार दे पा रहे हैं और न ही विदेशों में अपना भविष्य संवारने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं को फर्जी एजेंटों के चंगुल से बचा पा रहे हैं। आखिर हमारी एजेंसियां ऐसी धोखाधड़ी करने वाले एजेंटों पर नकेल क्यों नहीं कस पा रही हैं।

हाल के दिनों में कई ऐसे मामले प्रकाश में आए हैं कि युवा अपनी जमीन बेचकर व कर्ज उठाकर विदेश जाते हैं, लेकिन एजेंटों की धोखाधड़ी से वे साइबर अपराधियों के शिकंजे में फंस जाते हैं। दरअसल, साइबर अपराधियों का मकड़जाल इतना मजबूत हो चुका है कि बिना अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के उन पर नियंत्रण कर पाना संभव न होगा। ऐसे वक्त में जब साइबर अपराधियों का नेटवर्क दुनिया की आर्थिकी को चूना लगा रहा है, मिल-जुलकर इनके खिलाफ अभियान चलाना वक्त की जरूरत है। निश्चित रूप से यह एक विकट संकट है, जिसे दुनिया के देशों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। यह जानते हुए कि साइबर अपराधियों का संगठन लगातार ताकतवर होता जा रहा है और वे समानांतर काली अर्थव्यवस्था चला रहे हैं।

दरअसल, हो यह रहा है कि देश-दुनिया में ऑनलाइन फ्रॉड लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वे सुनहरे सपने दिखाकर बेरोजगार युवाओं को फंसाते हैं। उन्हें जगह कोई और बतायी जाती है और अंततः साइबर अपराधियों के अड्डों पर पहुंचा दिया जाता है। युवाओं के पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं। ये अड्डे ऐसी जगहों पर होते हैं कि उस देश की पुलिस की पकड़ में वे आसानी से नहीं आते। हाल के वर्षों में साइबर अपराधी इतने चतुर-चालाक हो गए हैं कि निगरानी करने वाली एजेंसियों की पकड़ से आसानी से बच जाते हैं। हाल ही में जिन सत्तर भारतीयों को म्यांमार में साइबर अपराधियों के चंगुल से मुक्त कराया गया, उसमें म्यांमार के सीमा सुरक्षा बल की बड़ी भूमिका रही है। इन मुक्त कराए गए भारतीयों में पंजाब, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना,यूपी व राजस्थान आदि राज्यों के लोग थे। इसी तरह म्यांमार व अन्य पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसे हुए भारतीयों को मुक्त कराने के लिए इन देशों की सरकारों से सहयोग मांगा जाना चाहिए।

निश्चित तौर पर साइबर अपराधियों द्वारा संचालित अपराधों की लगातार मजबूत होती काली अर्थव्यवस्था पूरी दुनिया की आर्थिक व कानूनी सुरक्षा के लिये चुनौती है। इस काले धन से नशे के कारोबार, आतंकवाद और मानवीय तस्करी जैसे अपराधों को अंजाम दिया जाता है। इस संगठित आपराधिक नेटवर्क पर अविलंब अंकुश लगाने की जरूरत है। जिससे न केवल एक तरह से बंधक बनाये गए युवाओं को मुक्त कराया जा सकेगा बल्कि तेजी से बढ़ती ऑनलाइन ठगी पर अंकुश लग सकेगा। दरअसल, इन साइबर अपराधियों की ऑनलाइन धोखाधड़ी के कारण हर साल कई ट्रिलियन डॉलर का नुकसान विभिन्न देशों की सरकारों को हो रहा है। जो दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की जीडीपी के बराबर है।

भगोरिया: प्रेम, परंपरा और उल्लास का अद्भूत संगम

(प्रवीण कक्कड़)

बात करीब चार दशक पहले की है। पुलिस सेवा में ज्वाइन होने के बाद मेरी पोस्टिंग आदिवासी अंचल झाबुआ में हुई। यहां आदिवासी संस्कृति को बहुत करीब से देखने का अवसर मिला। विशेष रूप से होली के पहले होने वाले भगोरिया के दौरान तो आदिवासी समाज का उत्साह देखते ही बनता था। आदिवासी अंचलों में विभिन्न पोस्टिंग के दौरान हुए अनुभवों के आधार पर कह सकता हूं कि आदिवासी समाज एक प्रकृतिप्रेमी समाज है, जो मौसम की विभिन्न ऋतुओं के अनुसार अपने अलग-अलग त्यौहार मनाता है। आदिवासी समाज की विशेष वेशभूषा, व्यंजन और लोकगीत व नृत्य की भगोरिया के मेलों में अनूठी झलक दिखती है।

होली के रंगों में रंगने से पहले, आदिवासी समाज भगोरिया के जीवंत उत्सव में डूब जाता है। मालवा और निमाड़ की पहाड़ियों और जंगलों में, यह पर्व युवाओं के दिल में उमंग और उत्साह का संचार करता है। यह सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि आदिवासी संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति है, जहाँ परंपरा और आधुनिकता का अनूठा संगम देखने को मिलता है।

भगोरिया में हर तरफ रंगों की बौछार होती है। गुड़ की जलेबी, भजिये, खारिये, पान, कुल्फी, केले और अन्य स्वादिष्ट व्यंजनों की खुशबू हवा में तैरती है। आदिवासी संस्कृति के प्रतीक गोदना (टैटू) युवाओं के शरीर पर सजते हैं। जीप, छोटे ट्रक, दुपहिया वाहन और बैलगाड़ियों पर सवार होकर, रंग-बिरंगे परिधानों में सजे-धजे आदिवासी युवक-युवतियाँ भगोरिया मेलों में पहुँचते हैं।

प्रेम का अनोखा इजहार: भगोरिया में प्रेम का इजहार करने का तरीका बेहद खास है। यहाँ युवक-युवतियाँ सज-धज कर अपने जीवनसाथी की तलाश में आते हैं। जब कोई लड़का किसी लड़की को पान खाने के लिए देता है और लड़की उसे स्वीकार कर लेती है, तो इसे उनकी सहमति का प्रतीक माना जाता है। फिर लड़का लड़की को लेकर मेले से भाग जाता है। इसी तरह, अगर कोई लड़का किसी लड़की के गाल पर गुलाबी रंग लगाता है और लड़की भी बदले में लड़के के गाल पर रंग लगा देती है, तो इसे भी रिश्ते की स्वीकृति माना जाता है।

मांदल की थाप और लोकगीतों की गूँज: भगोरिया में युवतियाँ रंग-बिरंगे कपड़े और आभूषण पहनकर आती हैं। मांदल की थाप पर लोकगीत गाते हुए आदिवासी जमकर नृत्य करते हैं। लोक संस्कृति के पारंपरिक गीत माहौल में एक अलग ही समां बांध देते हैं। हरे-भरे पेड़ों के बीच प्रकृति और संस्कृति का यह मिलन मन को मोह लेता है।

एक ऐतिहासिक विरासत: भगोरिया का इतिहास राजा भोज के समय से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि उस समय दो भील राजाओं, कासूमार और बालून ने अपनी राजधानी भागोर में विशाल मेले का आयोजन किया था। धीरे-धीरे, आसपास के अन्य भील राजाओं ने भी इसका अनुसरण करना शुरू कर दिया,

और इस तरह हाट और मेलों को भगोरिया कहा जाने लगा।

आधुनिकता का प्रभाव: हालाँकि, हाल के वर्षों में शिक्षित युवा वर्ग में भगोरिया के माध्यम से जीवनसाथी चुनने का चलन कम हो रहा है। आधुनिक शिक्षा और बदलते सामाजिक मानदंडों के कारण, युवा अब अपने जीवनसाथी का चयन करने के लिए अलग तरीकों को अपना रहे हैं।

एक सांस्कृतिक धरोहर: भगोरिया सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि आदिवासी संस्कृति की एक अनमोल धरोहर है। यह प्रेम, परंपरा और उल्लास का एक ऐसा संगम है, जो आज भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। निमाड़ और मालवा के बाजारों में भगोरिया उत्सव को देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। यह पर्व हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ता है और हमें हमारी समृद्ध विरासत की याद दिलाता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

रक्तदान शिविर में 100 यूनिट हुआ रक्तदान

औबेदुल्लागंज(संबाददाता)। भोजपुर रक्तदान कल्याण संघ द्वारा आयोजित शिविर शासकीय हॉस्पिटल में लगाया गया जिसमें अति उत्साह से नगर के युवाओं, महिलाओं,व्यापारियों और अन्य नागरिकों ने 100 यूनिट रक्तदान किया । संस्थापक तूफान सिंह राजपूत,हरपाल सिंह राजपूत एवं प्रीतम राजपूत ने बताया कि लगातार 10वीं बार शिविर का आयोजन किया गया जिसमें नगर के कई युवाओं ने पहली बार रक्तदान किया,वहीं कई रक्तदाताओं ने लगातार आठवीं बार शिविर में रक्तदान किया । रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुआ जिसका शाम 5 बजे समापन हुआ ।

उक्त आयोजन में सत्येंद्र पांडे, पामेश यादव, जितेंद्र सक्सेना, सर्वेश मित्तल, डा महेंद्र सिंह धाकड़, महेश सोधिया, संदीप जयसवाल, भूपेंद्र राजपूत, लाखन सिंह, कपिल यादव, रमेश बासवानी, मनोहर नागर, चुन्नहे मियां, कमलेश लोधी, नानकराम यादव, मोहन योगी, सचिन श्रीवास्तव, बिजी लावनीया, सुरेश केवट का विशेष सहयोग रहा ।

संगम सेवालय द्वारा दीन दयाल रसोई के सामने थ्री आर पार्क का निर्माण

छतरपुर। संगम सेवालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए दीन दयाल रसोई के सामने 3 पार्क का निर्माण किया गया है। इस पार्क का मुख्य उद्देश्य सिंगल यूज़ प्लास्टिक, पुराने कपड़ों एवं टायरों का पुनः उपयोग कर उनका रचनात्मक तरीके से दोबारा इस्तेमाल करना है, ताकि लोगों को कचरा प्रबंधन व पर्यावरण बचाने का संदेश दिया जा सके।

इस पार्क में पुराने टायरों को आकर्षक ढंग से सजाकर उनमें पौधारोपण किया गया है, जिससे न केवल हरियाली बढ़ेगी बल्कि टायरों का सही उपयोग भी सुनिश्चित हुआ है। साथ ही, इको ब्रिक्स (प्लास्टिक बोतलों में भरी गई रद्दी प्लास्टिक) से सुंदर गमले तैयार किए गए हैं, जिनमें विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, प्लास्टिक की पुरानी बोतलों को काटकर उनमें भी पौधे लगाए गए हैं, जो पार्क की सुंदरता को बढ़ाते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। संगम सेवालय का यह प्रयास न केवल कचरे के पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) का बेहतरीन उदाहरण है, बल्कि लोगों को कचरे को रचनात्मक उपयोग में लाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का कार्य भी कर रहा है।

पहला रोजा रखकर , मुस्लिम समाज ने मालिक की इबादत की

सिरोंज। रविवार से रमजान का पवित्र महीना मुस्लिम समुदाय का प्रारंभ हो गया है। पहला रोजा रखकर मालिक की इबादत की दौरा भी प्रारंभ हो गया है पांच वक्त की नमाज अदा करने के बाद गोला चलने के बाद रोजा खोलने काम किया गया एक महीने तक इबादत का दौर चलेगा। वहीं मस्जिदों में भी रोजेदारों पहुंच कर नमाज पढ़ी वहीं घरों पर भी इबादत की जा रही है। रमजान में रोज रखना बहुत अच्छा बताया इसके चलते बुजुर्गों से लेकर बच्चे युवा और महिलाएं भी रोजा रखकर पूरी शिद्दत से खुद की इबादत करती हैं। दूसरी ओर बजरिया में शाम के रोजा इफ्तार की सामग्री लेने के लिए रोज रखने वालों और उनके परिजनों की भीड़ लगी हुई थी जगह कम होने के कारण यहां पर जाम भी लग रहा था। रमजान के पवित्र महीने प्रतिदिन रोजा रखकर इबादत का दौरा चलेगा जिसको लेकर मुस्लिम समाज जनों कई दिनों से इंतजार इस महीने का करते कर रहे थे। पहला रोजा मैं ज्यादा दिक्कत नहीं हुई अभी गर्मी ज्यादा नहीं है।आने वाले दोनों में तापमान में वृद्धि होगी तो थोड़ी बहुत दिक्कत हो सकती है पर खुद की रहमत से कोई परेशानी नहीं होती है। वहीं 6 बजाने के बाद मुस्लिम समाज की दुकानों पर ताले लग गए थे।

यातायात पुलिस ने की वाहनों की चेकिंग बनाए चालान

सिरोंज। यातायात पुलिस के द्वारा वाहन चेकिंग प्रारंभ की तो वाहन चालकों में हड़कंप मच गया पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए कई बाहन चालक तो दूर से ही अपने वाहनों को वापस लेकर जाते हुए नजर आए वहीं लटेरी नाकें साहित शहर में यातायात सूबेदार रितेश वाघेला की मौजूदगी में पुलिस कर्मियों ने वाहनों की जांच की जिसमें रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस , बीमा हेलमेट, तीन सवारी और यातायात विभाग के नियमों का पालन नहीं करने पर एक दर्जन के करीब वाहनों पर चलनी कार्रवाई भी की गई कई वाहन चालक पुलिस की चालानी करवाई से बचने के लिए बहाने बनाते हुए नजर आए पर पुलिसकर्मियों ने किसी की बात पर ध्यान नहीं दिया। शहर में निरंतर ब चेकिंग होने से वाहन चालकों को चालानी कार्रवाई का सामना करना पड़ता है।

पेंशनरों की मौजूदगी में हुई विद्युत हित रक्षक संघ की बैठक

सांध्य प्रकाश बैतूल। विद्युत हित रक्षक संघ,जिला शाखा बैतूल की मासिक बैठक संघ के अध्यक्ष केआर घोड़की के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश विद्युत मंडल लिंक रोड टिकारी के परिसर में संपन्न हुई। बैठक में प्रांतीय प्रतिनिधि एके गुप्ता, अविनाश वर्मा, विश्वनाथ देशमुख और श्री लाडले की विशेष उपस्थिति रही। बैठक में संगठन द्वारा सेवा निवृत्त हुए पेंशनरों का सम्मान किया गया। और सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि प्रत्येक माह सेवा निवृत्त होने वाले और उसी माह जन्मदिन मनाने वाले पेंशनरों का भी इसी प्रकार सम्मान किया जाएगा। बैठक में 178 पेंशनरों ने उपस्थिति दर्ज कराई। उनकी समस्याओं को पंजीकृत किया। संगठन के अध्यक्ष आरआर वराठे ने आश्वस्त किया कि पेंशनरों के हित से जुड़े मामलों को प्रांतीय विद्युत पेंशनर हित रक्षक संघ भोपाल के मार्गदर्शन में पूरा किया जाएगा।

मुझे चार्ज लिए 04 महीने हुए हैं मैं कुछ नहीं कर सकती: तलवड़े

दवा विक्रेता तथा औषधि निरीक्षक लोगों की जान से कर रहे खिलवाड़

मंडला/अजीत पटेल-मण्डला जिला एक आदिवासी बहुल जिला है जो नर्मदा के तट पर बसा हुआ बहुत ही शांत एवं आदिवासी रीति-रिवाज की बहुलयता में लिप्त है। मंडला जिले पर स्वास्थ्य व्यवस्था के पिछड़ेपन की हकीकत किसी से छुपी नहीं है। आज स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार के साथ उदासीनता और बढ़ती लापरवाही के चलते जिले मे लोगो के स्वास्थ्य और जिंदगी से खुल्लम-खुल्ला सौदेबाजी हो रही है। वहीं जिम्मेदारों तथा आला-अधिकारी अपनी हिस्सेदारी एवं कमीशनखोरी में व्यस्त हैं नतीजा जगह-जगह बगैर फार्मासिस्ट के दवाई दुकान चलाये जा रहे हैं। उक्त मामले पर औषधि निरीक्षक वैष्नवी तलवड़े से बात की गई तो उन्होंने यह जवाब देकर कि मुझे चार्ज लिए 4 महीने हुए हैं इसलिए मैं कुछ नहीं कर सकती साथ ही साथ एक प्रशासनिक जिम्मेदारी होने के बावजूद वैष्नवी तलवड़े द्वारा कि पूरे जिले भर का जिम्मा उनको सौंप दिया गया है और वो अकेले पूरे जिले में कैसे निगरानी रख सकती हैं, एक जिम्मेदार अधिकारी द्वारा दिया गया यह जवाब बहुत ही विचारणीय हो गई है।

गैर पंजीकृत दवा दुकानों द्वारा किया जा रहा लोगों की जिंदगी से खिलवाड़

मण्डला जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था एवं उनके अमला द्वारा लोगों की जिंदगी से खुलेआम जुआं खेला जा रहा है।वहीं दूसरी ओर अपनी तिजोरी भरने की चाह में चिकित्सकों द्वारा मरीजो को दवाई किसी ब्रांडेड नाम से दवाई लिखने की होड़ मची हुई है जनरिक नाम से (साल्ट नेम) नही लिखी जा रही है,पहले तो यह सिर्फ बडे-बडे जिलो या तहसील स्तर तक ही सीमित था,परन्तु अब यह स्थिति ग्रामीण अंचलों के छोटे-छोटे गांवों तक की हो गई है।आयुष चिकित्सक और झोलाछाप डॉक्टरों जो एमबीबीएस डिग्री के बगैर खुलेआम गंभीर बिमारियों का इलाज कर रहे हैं और ऐलोपैथी दवा लिख रहे हैं,इंजेक्शन-बॉटल लगा रहे है। जिले अपनी मासिक चढ़ोतरी मिलने की चाह में सीएमएचओ एवं बीएमओ द्वारा झोलाछाप डॉक्टरों को खुलेआम लोगों की जिंदगी से खेलने की आजादी दी गई है।जिले में दवा विक्रेताओं द्वारा नकली एवं जेनरिक दवाइयां लाकर प्रिंट दाम के बावजूद कम दाम में बेंचकर लाखों के मुनाफे पर इन कॉपीराइट फार्मुले तथा जेनरिक एवं नकली दवा बेंचकर लोगों की जिंदगीओं को दवा विक्रेताओं ने अपनी कमाई का जरिया बना लिया है। जिसमें अपनी हिस्सेदारी और कमीशन बटोर कर बराबर का साथ दे रहे हैं औषधि निरीक्षक विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी जिन्होंने अपनी ज्वाइनिंग का समय एवं जिले में किए जाने वाले निरिक्षण को स्वयं के द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार छुपाने का जरिया बना लिया है। जिसके लापरवाही के चलते बिना किसी मान्यता-डिग्री एवं अनुभव तथा चिकित्सक के पर्ची के खुलेआम ऐलोपैथीक दवाइयां बेचकर लोगों के स्वास्थ्य एवं जिन्दगी के साथ खिलवाड किया जा रहा है। वहीं जिम्मेदारों द्वारा अपनी-अपनी हिस्सेदारी वाली रिटेल दवाई दुकानों पर प्रोपागंडा कंपनियों की दवाइयां रखवा दी जाती है जो लोगों को अच्छे इलाज का झांसा देकर प्रोपागंडा कम्पनी को अच्छी कंपनी की दवाई बताकर तगड़ा मुनाफा कमाया जाता है।

बेहतर इलाज का झांसा देकर प्रशिक्षु चिकित्सकों को बुलाया जाता है

जिले में जहां दवा विक्रेताओं की कमीशन नाम चढ़ोत्तरी चढ़ाकर जिम्मेदारों के साथ मिलकर नकली एवं जेनरिक दवाओं से लाखों मुनाफा की कमाई चल रही है वहीं इन मेडिकल स्टोरों के संचालकों ने आमजनता को गुमराह कर बड़े-बड़े शहरों से प्रशिक्षु चिकित्सकों को बुलाकर अनुभवी चिकित्सकों की तरह बगैर किसी पंजीयन के फर्जी पर्ची में दवा लिखकर लोगों को बेहतर इलाज का झांसा दिया जाता है जिसमें स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार एवं औषधि विभाग का अमला भी बराबर के जिम्मेदार है।जो यह सब जानते हुए अपनी भ्रष्टाचारी और लापरवाहियों के कारण मामले को नजरंदाज कर रहे हैं।

जहां स्वयं औषधि निरीक्षक का कहना है कि उनके अकेले के द्वारा पूरे जिले में निगरानी नहीं रखी जा सकती वहीं समझ नहीं आता इन सब के झांसे के बीच मरिजो को स्टेराइड हाई डोज़ इंजेक्शन लगाने और हायर एंटीबायोटिक दवाओं इंजेक्शन लगाकर आमजनता के जिन्दगी से खिलवाड़ कर शारीरिक रूप से किडनी-लीवर,दिल की गंभीर बिमारी जैसी बिमारियों का शिकार कैसे बना रहे है। स्वास्थ्य व्यवस्था तथा औषधि विभाग की इसी लापरवाही का कारण है कि मासूम बच्चों और गर्भवती महिलाओं की दवाइयां भी बगैर किसी चिकित्सक के पर्ची के दवा दुकानों में खुलेआम बेचीं जा रही है वहीं जिम्मेदारों द्वारा मौन होकर तमाशा देखा जा रहा है।

जिम्मेदार मौन बने लोगों की जिंदगी का तमाशा देख रहे

जिले में बगैर किसी पंजीयन तथा फार्मासिस्ट के दवाई दुकान जगह-जगह खोला गया है जिन्होंने बड़े शहरों से प्रशिक्षु चिकित्सकों को बुलाकर लोगों को बेहतर इलाज का झांसा देकर अपनी कमाई का जरिया बनाया हुआ है जिसमें जिले के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी बराबर के हिस्सेदार हैं। उक्त मामले पर जब जिले के औषधि निरीक्षक वैष्नवी तलवड़े से दवा दुकानों की पंजीयन एवं बगैर फार्मासिस्ट के दवाई दुकान के संचालन मामले पर बात किया गया तो उन्होंने कहा कि मुझे चार्ज लिए 04 महिने हुए हैं मैं कुछ नहीं कर सकती साथ ही साथ में अकेली पूरे जिले में निगरानी नहीं रख सकती, वहीं सीएमएचओ डॉ के.सी.सरोते भी मामले पर जांच करने का आश्वासन देते हुए हाथ खेचते नजर आए।इस तरह एक जिम्मेदार अधिकारीयों की उदासीनता एवं लापरवाहियों का इस तरह जवाब दिया जाना कहां तक उचित है और कहां तक अनुचित? और तो और आला-अधिकारियों द्वारा भी दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर दोषियों को संरक्षण प्रदान किया जा रहा है।

इनका कहना है-

अभी मुझे चार्ज लिए 4 महीने हुए हैं, इसलिए मुझे जानकारी नहीं है। और मैं अकेले कहां-कहां देखुं आपके द्वारा मामला संज्ञान में आया है ठीक है मैं देखवा लेती हुं।

वैष्नवी तलवड़े
डी.आई. औषधि विभाग मण्डला

आपके द्वारा मामला संज्ञान में आया है, मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किया जावेगा।

डॉ विजय धुर्वे
सिविल सर्जन मण्डला।

शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों पर नगर पालिका ने बनवाई आकर्षक वॉल पेंटिंग दे रही स्वच्छता का संदेश

आष्टा। नगर पालिका परिषद आष्टा इस माह में स्वच्छता अभियान चला रही है शहर के सभी प्रमुख वार्डों में सफाई अभियान पर जहां ध्यान दिया जा रहा है तो वहीं प्रमुख चौराहा और मार्गों पर आकर्षक वॉल पेंटिंग भी बनाई गई है।

बता दे की हर वर्ष नगर पालिका परिषद आष्टा स्वच्छता अभियान चलाती है केंद्रीय टीम भी निरीक्षण के लिए आएगी साथ ही अंक नगर पालिका के इस बार बढ़ेंगे या कम होंगे यह तो टीम की निरीक्षण के बाद ही मालूम पड़ेगा लेकिन नगर पालिका पूरे जोर-जोर से स्वच्छता अभियान में जुटी हुई है शहर के भोपाल नाका, कन्नौद रोड,पुराना भोपाल इंदौर मार्ग सहित आधा दर्जन स्थानों पर नगर पालिका ने आकर्षक वॉल पेंटिंग दीवारों पर बनाई हैं और स्वच्छता का संदेश दे रही है। स्वच्छ और सुंदर शहर बनाना है।

नगर पालिका अध्यक्ष हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा ने बताया है कि हमारा यही प्रयास है कि शहर सुंदर और स्वच्छ नजर आए शहर के सभी 18 वार्डों में नियमित साफ-सफाई की जा रही है। सीएमओ राजेश सक्सेना ने कहा कि शहर वासियों को भी जागरूक होना पड़ेगा आप सब की भी जिम्मेदारी है कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखें, हमारे सफाई कर्मी नियमित वार्डों में सफाई करते हैं साथ ही कचरा कचरा वाहन में ही डालें। दुकानों के सामने डस्टबिन अवश्य रखें इधर-उधर कचरा ना फेके कचरा डस्टबिन में ही डालें।

दूषित पानी की समस्या को लेकर मुलताई पहुंचे कलेक्टर सूर्यवंशी

आरआई को तत्काल निलंबित दिए जाने के दिए निर्देश

सांध्य प्रकाश बैतूल । मुलताई के तिलक और शास्त्री वार्ड में दूषित पानी से लोगों को उल्टी दस्त होने की घटना सामने आने पर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने रविवार को मुलताई पहुंचकर प्रभावित वार्डों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर सूर्यवंशी ने घर-घर जाकर प्रभावित रहवासियों से चर्चा की और उनका हाल-चाल जाना। साथ ही गंभीर मरीजों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराए जाने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अमले को दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड में स्थित नालियों और वॉल चैंबरों, पानी की टंकी को भी देखा। वॉल चैम्बरों के आस-पास गंदा पानी डालने वालों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने के निर्देश नगर पालिका के अधिकारियों को दिये। इसके अलावा पानी की टंकी की सफाई करने, प्रभावित वार्डों की पुरानी पाइपलाइन बदलने के भी निर्देश नगर पालिका को दिए गए। इस दौरान लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर ने नगरपालिका के आरआई को तत्काल निलंबित किए जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम अनीता पटेल,पीएचई, जल संसाधन विभाग, नगर पालिका सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

शास्त्री और तिलक वार्ड में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सूर्यवंशी ने सीएमएचओ डॉ. रविकांत उईके को प्रभावित वार्डों में 24 घंटे पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहने, इन वार्डों का सतत मॉनिटरिंग करने और मरीज को दवाई उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। अलावा पीएचई विभाग के अधिकारियों को वार्ड में अलग-अलग जगह से पानी के सैंपल लेने तथा वार्ड में दवाई वितरित करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के पूर्व कलेक्टर श्री सूर्यवंशी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां उन्होंने सामान्य वार्ड और आईसीयू ग्रह चिकित्सा इकाई में भर्ती उल्टी-दस्त के पीड़ित मरीजों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों को उपचार में किसी भी प्रकार की कमी न हो। गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल रेफर किया।

ईवीएम के बाद अब पेपर लेस बूथ के माध्यम से चुनाव पर विचार

लोकतंत्र की प्रयोगशाला हैं पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन: राज्य निर्वाचन आयुक्त

सिवनी। पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव में ईवीएम के बाद अब पेपरलेस बूथ की कल्पना को मूर्त दिया जा रहा है। पंचायत उप निर्वाचन में चुनाव पेपर लेस बूथ के माध्यम से सफलतापूर्वक कराये जा चुके हैं। मध्य प्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने यह बात राज निर्वाचन आयोग की 31वीं नेशनल कांफ्रेंस में कही। कॉन्फ्रेंस पेंच जिला सिवनी में आयोजित की गई है ।

श्रीवास्तव ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोगो द्वारा कराये जाने वाले पंचायत एंव नगरीय निकाय निर्वाचन लोकतंत्र की प्रयोगशाला और परिक्षण स्थली हैं। पूरी दुनिया और साथ ही भारत का यह अनुभव है कि जब भी निर्वाचन संबधी कोई महत्वपूर्ण प्रयोग होते हैं तो सबसे पहले स्थानीय निर्वाचनों में होते हैं। जब महिलाओं को प्रतिनिधि सस्थाओं में आरक्षण का विचार आया तो सबसे पहले पंचायतों और स्थानीय निकायों में इसे लागू किया गया । मध्यप्रदेश में तो निकायों में पहले 33 प्रतिशत और बाद में 50 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं को दिया गया है। इसकी जितनी स्वीकार्यता पिछडे कहे जाने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में हुई उतनी वरिष्ठ स्तरों पर अभी भी नही हो पाई। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री श्रीवास्तव ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन लोकतंत्र की नींव हैं। यह चुनाव पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता से कराना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस चुनाव के माध्यम से नागरिक सीधे शासन और निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदार बनते हैं। उन्होंने ऑनलाइन वोटिंग पर चर्चा करते हुए कहा कि यह प्रयोग पहली बार एस्टोनिया में किया जा चुका है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे परिवर्तनों के मद्देनजर यह जरूरी है कि हम चुनाव प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रक्रिया में बदलाव करते रहें।

ईवीएम शेयरिंग- श्री श्रीवास्तव ने कहा कि चुनावी खर्च कम करने के उद्देश्य से राज्यों के बीच ईवीएम शेयरिंग होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांफ्रेंस में राज्य निर्वाचन आयुक्त उनके राज्य में किए गए नवाचारों को साझा करेंगे। इससे अन्य राज्यों में भी उसे लागू किया जा सकेगा।

मृतक देशमुख और कुंबी समाज की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का नारायण पर आरोप

मृतक की पत्नी ने सारनी थाने मे कार्यवाही को लेकर की लिखित शिकायत

दैनिक सांध्य प्रकाश
योगेश गुप्ता ,सारनी। बगडोना निवासी किरण देशमुख ने उनके मृतक पति रविंन्द्र देशमुख तथा उनके समाज की छवि को ख़राब किये जाने को लेकर थाना प्रभारी सारनी को एक लिखित शिकायत की है। जिसमे बताया है । कि सारनी निवासी नारायण खातरकर द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उनके मृतक पति रविंन्द्र देशमुख तथा कुंबी समाज की प्रतिष्ठा को ख़राब करने के इरादे से झूठी बयान बाजी की है। बल्कि मृतक पर जान बूझकर बेबुनियादी झूठे आरोप भी लगाये है। श्रीमती देशमुख ने सांध्य प्रकाश को बताया है। नारायण खातरकर ने जो आरोप लगाकर प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। वो गलत है। श्री खातरकर के पास कोई प्रमाणित दस्तवेज अगर है। तो वे थाने में पेश करे। सिर्फ झूठे बयान बाजी करके मेरे मृतक पति रविंन्द्र की समाज मे प्रतिष्ठा भंग की है। बल्कि कुंबी समाज को अपमानित भी किया है।

जिससे लोग भ्रमित हो रहे है। उन्होंने बताया कि वो दूसरे समाचार पत्रों की खबरों से मानसिक रूप से ग्रसित है। थाना प्रभारी ने अभी मेरे ब्यान नही लिए है। वो फ़िलहाल उनके परीक्षा देने के लिए भोपाल में है। वापस आकर अपने समाज के अनुभवी लोगो के साथ बैतुल एस पी निश्चल झारिया से मिलेगी। श्रीमती देशमुख ने शिकायत पत्र के आधार पर उचित जांच कर कार्यवाही किये जाने की थाना प्रभारी सारनी से मांग की है।

इनका कहना है

श्रीमती देशमुख ने थाने में आवेदन किया है। कल मीटिंग में था देख लेता हूँ बयान लेकर जांच की जाएगी। सही पायी जाने पर कार्यवाही भी की जा सकती है।

जयपाल इवन्ती साहब
थाना प्रभारी सारनी

जिला भाजपा कार्यालय में संगठन संबधी महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

दमोह । भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में अति महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे, जिला प्रभारी सतानंद गौतम, संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी, दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी, हटा विधायक श्रीमती उमा देवी खटीक, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह मंचासीन रहें।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद शर्मा ने नव निर्वाचित मंडल अध्यक्षों को उनके कर्तव्य, दायित्वों और आगामी भविष्य में संगठन द्वारा निर्धारित कार्यकमों, गतिविधियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की । उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि होता है। पद और दायित्व संगठन की दृष्टि से आवश्यक है परंतु कार्यकर्ता और पदाधिकारी एक दूसरे के पूरक है। इसलिए हम सभी को एक दूसरे के साथ कदम से कदम मिलाकर संगठन के कार्यक्रम करना है और संगठन को मजबूत रखना है।

जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि आपके मार्गदर्शन में संगठन के कार्यक्रमों की गतिविधियों का सफल संचालन हो रहा है। आप सभी का मार्गदर्शन हम सभी को अपार ऊर्जा और उत्साह के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। मैं नेतृत्व को आश्वस्त करता हूँ कि जिले का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन और सरकार के प्रत्येक कार्यक्रमों को सफल बनायेगें। बैठक का संचालन हटा मंडल अध्यक्ष सौरभ नेमा और आभार प्रकट दमयंती मंडल अध्यक्ष रमाकांत वाजपेई ने किया। बैठक में जिले के सभी मंडलों के नव निर्वाचित मंडल अध्यक्षों की उपस्थिति रही।

इंजी. कमलेश तेकाम बने गौंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष

मण्डला/अजीत पटेल। गौंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद में इंजी. कमलेश तेकाम की नियुक्ति की गई है।यह नियुक्ति गौंडवाना गणतंत्र पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम ने की है। बता दें कि तेकाम वर्तमान में गौंडवाना गणतंत्र पार्टी मंडला के जिला अध्यक्ष के पद में पदस्थ हैं इसी के साथ वे जिला पंचायत मंडला में उपाध्यक्ष के पद में भी कार्यरत हैं। इनकी नियुक्ति पर कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि नेतृत्व क्षमता और समर्पण से पार्टी को नई ऊंचाईयां मिलेगी।आपके नेतृत्व में पार्टी के कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और उत्साह मिलेगा।गोंगपा ने मध्यप्रदेश में संगठन को मजबूत बनाने के लिये युवा नेतृत्व के हाथों में कमान सौंपी है।गोंगपा से तेकाम बिछिया विधानसभा से दो बार विधानसभा का चुनावी लड़ चुकें हैं। गोंगपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलेश्वर सिंह मरकाम ने मध्यप्रदेश गोंगपा की जवाबदारी युवा नेतृत्व कमलेश तेकाम को सौंपकर आगामी विधानसभा चुनाव में मजबूती के साथ मध्यप्रदेश में गोंगपा के पक्ष में करने के उद्देश्य से दिया है। अध्यक्ष नियुक्त होने पर समस्त गोंगपा के कार्यकर्ताओं ने बधाई व शुभकामनायें प्रेषित की है। नियुक्ति संबंधी सवाल के जबाव में श्री तेकाम ने कहा कि पार्टी ने उन पर विश्वास जताया है और वे इस विश्वास को कायम रखेंगे।उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की छोटी मोटी समस्याओं को भी अब पूरी ताकत के साथ हल किया जाएगा।

एडलवाइज लाइफ़ की स्टडी से पता चलता है कि भारत में सैंडविच जेनरेशन के 60 प्रतिशत लोगों को भविष्य की फाइनेंशियल सिक्योरिटी की चिंता है

मुंबई, एजेंसी। भारत में सैंडविच जेनरेशन के लोग अपने माता-पिता और बच्चों की ज़िंदगी को हर संभव तरीके से सबसे बेहतर बनाने पर ध्यान देते हैं, फिर भी उन्हें ऐसा लगता है कि वे अपने भविष्य के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। एडलवाइज लाइफ़ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी सेविंग या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं है। सामान्य तौर पर 35 से 54 साल की उम्र के लोगों को सैंडविच जेनरेशन कहा जाता है, जिनके कंधों पर दो पीढ़ियों - यानी अपने बुजुर्ग माता-पिता और बढ़ते बच्चों की आर्थिक ज़रूरतों को पूरा करने की ज़िम्मेदारी होती है। जीवन बीमा कंपनी ने यूगो के साथ मिलकर देश के 12 शहरों में इस जेनरेशन के 4,005 लोगों का एक सर्वे किया, ताकि उनके नज़रिये, उनकी धारणा और वित्तीय तैयारी के स्तर को समझा जा सके। इस मौके पर एडलवाइज लाइफ़ इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ, सुमित राय ने कहा, पिछले कुछ सालों में अपने ग्राहकों के साथ बातचीत के आधार पर हमने इस बात को करीब से जाना है कि, सैंडविच जेनरेशन के लोग किस तरह अपने माँ-बाप और बच्चों की देखभाल के बीच फंसे हुए हैं। सुमित राय ने आगे कहा, इस जनरेशन के लोग अपनी ख्वाहिशों के बारे में जानते हैं और मानते हैं कि, अपनी पसंद की प्रोडक्ट कैटिगरी में निवेश करके भविष्य की अच्छी तरह से योजना बनाना बेहद जरूरी है। लेकिन हमारी इस स्टडी से कुछ दिलचस्प बातें भी सामने आई हैं। उनमें इस तरह के एक्टिव इन्वेस्टमेंट को अगले 1-2 सालों तक बरकरार रखने में काफ़ी कम रुचि दिखाई देती है। इसके अलावा, उन्हें पहले से तय किए गए लक्ष्यों के लिए इन्वेस्टमेंट का भी समय से पहले उपयोग करना पड़ा है। उन्हें लगता है कि वे कमजोर जमीन पर खड़े हैं, जिसमें कोई हैरानी की बात नहीं है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने की प्रोग्रामेबल सीबीडीसी के माध्यम से बैंकिंग जगत के पहले मर्चेंट लॉयल्टी/कैशबैक प्रोग्राम की शुरुआत

मुंबई, एजेंसी। देश में सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गदर्शन में आज व्यापारियों के लिए सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी की प्रोग्रामेबिलिटी प्रणाली पर आधारित मर्चेंट लॉयल्टी/कैशबैक प्रोग्राम की पायलट आधार पर शुरुआत किए जाने की घोषणा की। बैंकिंग उद्योग में यह पहली ऐसी महत्वपूर्ण पहल है, जो छोटे और मझौले व्यापारियों को एक फिनटेक कंपनी के सहयोग से स्वतंत्र रूप से अपने ग्राहकों के लिए लॉयल्टी/कैशबैक प्रोग्राम तैयार और आरंभ करने की सुविधा प्रदान करता है। आमतौर पर इस तरह के प्रोग्राम बड़े ब्रांड्स द्वारा पेश किए जाते हैं, लेकिन अब बैंक ऑफ़ बड़ौदा के बॉब मर्चेंट ऐप के उपयोग के माध्यम से व्यापारी इसे स्वयं संचालित कर सकते हैं।

अब स्थानीय किराना दुकानें, मेडिकल स्टोर्स, रिटेल शॉप्स आदि जिनका खाता बैंक ऑफ़ बड़ौदा में है और जो बॉब मर्चेंट ऐप पर पंजीकृत हैं, वे बिना किसी अतिरिक्त निवेश के खुद का कैशबैक/लॉयल्टी प्रोग्राम डिज़ाइन और संचालित कर सकते हैं। उन्हें इसके लिए कोई अतिरिक्त इंफ्रास्ट्रक्चर या सॉफ्टवेयर खरीदने की जरूरत नहीं होगी। इस बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बैंक ऑफ़ बड़ौदा के कार्यपालक निदेशक, श्री संजय विनायक मुदालियर ने कहा, बैंक ऑफ़ बड़ौदा बैंकिंग क्षेत्र में नवोन्मेषिता को आगे बढ़ाने में अग्रणी रहा है। प्रोग्रामेबल सीबीडीसी के माध्यम से पहली बार प्रस्तुत हमारा मर्चेंट लॉयल्टी/कैशबैक प्रोग्राम भारतीय बैंकिंग जगत में नवोन्मेषी पहल है जो छोटे और मझौले व्यापारियों को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार कैशबैक ऑफ़र डिजाइन करने की सुविधा प्रदान करता है जिससे व्यापारियों को ग्राहकों को आकर्षित करने और उन्हें जोड़े रखने में मदद मिलेगी। इस पहल से व्यापारियों और ग्राहकों दोनों को लाभ मिलेगा।

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का भारतीय कॉर्पोरेट्स से आग्रह

मुंबई, एजेंसी। शिक्षा के क्षेत्र में 75 वर्ष पूरे करने के अवसर पर, हिंदुजा समूह ने अपने प्रमुख संस्थान, हिंदुजा कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स के ज़रिए भारत के भविष्य को आकार देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। हिंदुजा कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स की शुरुआत शरणार्थियों के बच्चों के लिए बनाए गए एक साधारण प्राथमिक विद्यालय के रूप में हुई थी। आज 6000 से अधिक छात्र यहां पढ़ते हैं और हिंदुजा कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स अब एक डीम्ड विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर है। आज यह समूह हिंदुजा फाउंडेशन के माध्यम से भारत भर में रोड टू स्कूल और रोड टू लाइवलीहुड जैसी पहलों के माध्यम से 7,00,000 से अधिक छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है। 2030 तक 1 मिलियन छात्रों को सशक्त बनाने की महत्वाकांक्षी योजनाओं के साथ, हिंदुजा फाउंडेशन शिक्षा को बदलाव के मुख्य स्त्रोत के रूप में बढ़ावा देना जारी रखता है और 2047 तक भारत के विकसित भारत के दृष्टिकोण में प्रमुख योगदान देता है। इस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनके साथ कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री सी. पी. राधाकृष्णन भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। माननीय उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने छात्रों को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक और पाठ्येतर उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। हिंदुजा कॉलेज के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह में छात्रों और गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए, भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कहा, सनातन को देश की संस्कृति और शिक्षा का हिस्सा होना चाहिए क्योंकि यह समावेशिता का प्रतीक है और इसमें अच्छी तरह से निहित रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कॉर्पोरेट इंडिया से विशेष संस्थान बनाने के लिए शिक्षा में निवेश करने की भी आग्रह किया।

88,000 के पार जा सकता है सोना

मुंबई, एजेंसी। इस साल की शुरुआत से अब तक सोने की कीमतों में 8,310 यानी 10.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 1 जनवरी को सोना 79,390 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था, जो अब बढ़कर 87,700 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। चांदी की कीमतों में लगातार तीसरे दिन गिरावट देखी गई, जो 2,100 गिरकर दो हफ्ते के निचले स्तर 96,400 प्रति किलो पर पहुंच गई। पिछले सेशन में चांदी 98,500 प्रति किलो पर बंद हुई थी। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या सोने-चांदी में खरीदारी करे या नहीं एक्सपर्ट्स की मानें तो सोने की कीमतों में गिरावट की उम्मीदें धूमिल होती नजर आ रहीं है। बता दें सोने की कीमतों में शुक्रवार, 28 फरवरी को गिरावट देखी गई, जो नवंबर के बाद से सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट है। अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने के कारण सोने पर दबाव बना, क्योंकि निवेशक फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति के संकेतों के लिए अमेरिकी मुद्रास्फीति डेटा का इंतजार कर रहे थे। बता दें सोने के भाव सोमवार को अमेरिकी डॉलर की कमजोरी और ग्लोबल ट्रेड वार की आशंकाओं के बीच बढ़ोतरी के साथ कारोबार कर रहीं हैं। स्पॉट गोल्ड 0.3 प्रतिशत बढ़कर 2,868.29 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 1.1 प्रतिशत बढ़कर 2,880.70 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वीपी कमोडिटीज राहुल कलंतरी ने लाइव मिंट से कहा, सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर गिरावट देखी गई, क्योंकि डॉलर इंडेक्स में मजबूती आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने मैक्सिको और कनाडा पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा की है।

पूर्व SEBI प्रमुख माधवी पुरी बुच पर FIR दर्ज करने का आदेश, शेयर बाजार में धोखाधड़ी का आरोप

मुंबई, एजेंसी। मुंबई की एसीबी अदालत ने पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और 5 अन्य के खिलाफ कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी और नियामक उल्लंघनों के आरोप में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरी (एसीबी) वर्ली को आदेश दिया कि वह माधबी पुरी बुच, ऑल टाइम मेंबर्स अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण, कमलेश चंद्र वर्श्नेय, क्र्स्श्व के ष्टश्वह्र सुंदररमन राममूर्ति और पूर्व चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल के खिलाफ स्नह्नक्र दर्ज करें। विशेष एसीबी अदालत के न्यायाधीश, शशिकांत एकनाथराव बांगड़ ने पारित आदेश में कहा इन व्यक्तियों के खिलाफ नियमों में चूक और मिलीभगत के प्रथम दृष्टया सबूत मिले हैं, इसलिए इसमें एक निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। अदालत ने कहा कि वह जांच की निगरानी करेगी, और 30 दिनों के भीतर मामले की स्थिति रिपोर्ट मांगी।

अदालत के आदेश में यह भी जिक्र किया गया कि पांचों आरोपियों के खिलाफ जो आरोप लगे हैं वह संज्ञानीय अपराध की प्रकृति के हैं, जिसके लिए जांच की दरकार है। कोर्ट ने कहा कानून प्रवर्तन (एजेंसियों) और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की निष्क्रियता के कारण दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के प्रावधानों के तहत न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

इस केस के शिकायतकर्ता ने आरोपियों के खिलाफ कथित जांच की मांग की थी। शिकायतकर्ता एक मीडिया रिपोर्टर हैं और उन्होंने कहा है कि इस मामले में बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी, नियामक उल्लंघन और भ्रष्टाचार शामिल हैं। आरोप में कहा गया है कि एक कंपनी को 1992 के सेबी अधिनियम और उसके तहत नियमों और विनियमों के अनुपालन के बिना स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग की गई थी। आरोप में कहा गया है कि इस लिस्टिंग में नियामक एजेंसियां, खास तौर से सेबी की सक्रिय मिलीभगत रही है। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि सेबी के अधिकारियों अपनी वैधानिक जिम्मेदारी निभाने में नाकामयाब रहे हैं। आरोप लगाया गया कि सेबी ने बाजार में हेरफेर को शह दिया और एक ऐसे कंपनी को लिस्टिंग की इजाजत दिया जो तय मानदंडों को पूरा नहीं करती थी। शिकायतकर्ता ने कहा कि पुलिस स्टेशन और संबंधित नियामक निकायों से कई बार संपर्क करने के बावजूद, उनके द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

हिंडनबर्ग ने बुच पर लगाए थे आरोप

भारत की पहली महिला सेबी प्रमुख बुच पर अमेरिका स्थित शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग की ओर से हितों के टकराव के आरोप लगाए गए थे और इसके बाद राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ा था। पूर्व सेबी प्रमुख ने शुक्रवार को अपनी तीन साल की अवधि पूरी की थी और रिटायर हो गईं। पिछले अगस्त में, बुच पर इस्तीफा देने का दबाव डाला गया जब हिंडनबर्ग रिसर्च ने उन पर हितों के टकराव का आरोप लगाया। हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया था कि अदाणी समूह में हेरफेर और धोखाधड़ी के दावों की जांच को रोक दिया। हिंडनबर्ग ने माधबी बुच और उनके पति धवल बुच पर आरोप लगाया था।

सीनियर आईएएस मोहम्मद सुलेमान का वीआरएस मंजूर अब करेंगे ये काम

भोपाल। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मोहम्मद सुलेमान ने राज्य शासन से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) की मांग की थी, जिसे मंजूरी मिल गई है। उन्होंने 1 माह पहले पत्र लिखकर इसका अनुरोध किया था, जो जुलाई 2025 में सेवा समाप्ति से 5 महीने पहले है। 1989 बैच के वरिष्ठ ढ्डस् अधिकारी मोहम्मद सुलेमान ने 2 मार्च 2025 को अपने वीआरएस लेने का ऐलान किया।

TERI में करेंगे पीएचडी: सूत्र को मिली जानकारी के मुताबिक, मोहम्मद सुलेमान वीआरएस लेने के बाद TERI (The Energy and Resources Institute) नामक दिल्ली के प्रतिष्ठित संस्थान से पीएचडी करेंगे।

कूलिंग ऑफ पीरियड के बाद कर सकते हैं बहुराष्ट्रीय कंपनी ज्वॉइन

ऐसा माना जा रहा है कि पीएचडी करने के दौरान उनका कूलिंग ऑफ पीरियड गुजर जाएगा और इसके बाद वे किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी के साथ ऊंचे पद पर जुड़कर काम कर सकते हैं।

उनकी कार्यकाल की उपलब्धियां

मोहम्मद सुलेमान ने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर काम किया और सरकार के विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाई। उनके योगदान ने राज्य प्रशासन में कई बदलाव किए हैं।

आईएएस के VRS लेने का यह होगा असर

इस फैसले से राज्य प्रशासन में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं, क्योंकि उनके जैसे वरिष्ठ अधिकारी का वीआरएस निर्णय निश्चित रूप से प्रशासनिक कार्यों को प्रभावित करेगा।

शिवराज के रहे हैं विश्वस्त

मोहम्मद सुलेमान, एमपी के पूर्व अपर मुख्य सचिव (एसीएस), ने अपनी करियर की शुरुआत ग्वालियर में असिस्टेंट कलेक्टर के रूप में की थी। इसके बाद वह सिवनी, बालाघाट और इंदौर के कलेक्टर रहे। कोरोना महामारी के दौरान, उन्हें स्वास्थ्य विभाग की अहम जिम्मेदारी दी गई थी। वह पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के विश्वस्त अधिकारी रहे हैं।

कमलनाथ की सरकार में भी मिली थी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

जब 2018 में कांग्रेस की सरकार बनी और कमलनाथ ने मुख्यमंत्री का पद संभाला, तब भी मोहम्मद सुलेमान को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए थे। उनके अनुभव का लाभ उठाते हुए, कमलनाथ ने 2019 में उन्हें स्विट्जरलैंड के दौरे पर साथ लिया।

शेयर गिरा, घाटा बढ़ा, ओला इलेक्ट्रिक के हजार कर्मचारियों की छुट्टी

मुबई। भारत की प्रमुख इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड ने अपने खर्चों को नियंत्रित करने और बढ़ते घाटे को कम करने के लिए 1,000 से अधिक कर्मचारियों और कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर वर्करों को नौकरी से निकालने का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार, यह छंटनी कई विभागों में की गई है, जिनमें खरीद, सप्लाई, कस्टूमर रिलेशन और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं। यह पिछले 5 महीनों में दूसरी बार है, जब ओला इलेक्ट्रिक ओला इलेक्ट्रिक ने छंटनी की है। बता दें कि कंपनी को सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प का सपोर्ट है, इसके बावजूद भी पिछले कुछ महीनों से कंपनी संकट का सामना कर रही है। हाल ही में कंपनी के दिसंबर तिमाही के घाटे में 50% की वृद्धि देखी गई, जिससे बाजार नियामकों और उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरणों ने भी उस पर नजर रखनी शुरू कर दी। नवंबर 2023 में ओला इलेक्ट्रिक ने लगभग 500 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था। मार्च 2024 के अंत तक कंपनी में लगभग 4000 कर्मचारी कार्यरत थे, जिनमें से इस बार 25% से अधिक को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। ओला इलेक्ट्रिक अब अपने कस्टूमर सर्विस ऑपरेशन को ऑटोमेशन करने पर जोर दे रही है, जिससे कंपनी के खर्चों में कमी लाई जा सके। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने अपने फ्रंट-एंड ऑपरेशन को रिकॉग्नाइज्ड एंड ऑटोमैटिक किया है, जिससे मुनाफे में सुधार, लागत में कटौती और कस्टूमर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने में मदद मिली है। साथ ही अनावश्यक पदों को हटाकर उत्पादकता बढ़ाई गई है।इसके अलावा कंपनी अपने शोरूम और सर्विस सेंटरों में काम कर रहे सेल्स, सर्विस और वेयरहाउस स्टाफ की छंटनी भी कर रही है। इस छंटनी का मुख्य उद्देश्य लॉजिस्टिक्स और डिलीवरी रणनीति को पुनः व्यवस्थित करना है, जिससे ऑपरेटिंग कॉस्ट को कम किया जा सके। ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में अगस्त 2023 में आईपीओ की जबरदस्त शुरुआत के बाद से 60% तक की गिरावट आई है। कंपनी को पिछले कुछ सालों में कस्टूमर शिकायतों, सोशल मीडिया पर आलोचनाओं और बाजार हिस्सेदारी में गिरावट का सामना करना पड़ा है।

एथर एनर्जी लिमिटेड ने जगरनॉट - प्रोडक्ट टेस्टिंग एवं वैलिडेशन सेंटर का विस्तार करके अपनी आरएंडडी क्षमताएं बढ़ाई

मुंबई, एजेंसी। भारत के इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माताओं में से एक, एथर एनर्जी लिमिटेड ने बेगूर, बैंगलुरू में अपने प्रोडक्ट टेस्टिंग एवं वैलिडेशन सेंटर - द जगरनॉट में आरएंडडी और टेस्टिंग क्षमताओं का विस्तार किया है। इस विस्तार से एथर की आरएंडडी क्षमताएं मजबूत होंगी, जो कंपनी के स्कूटरों की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और परफॉर्मेंस सुनिश्चित करती हैं। इस विस्तार से उत्पाद के विकास, टेस्टिंग और वैलिडेशन में तेजी भी आएगी।

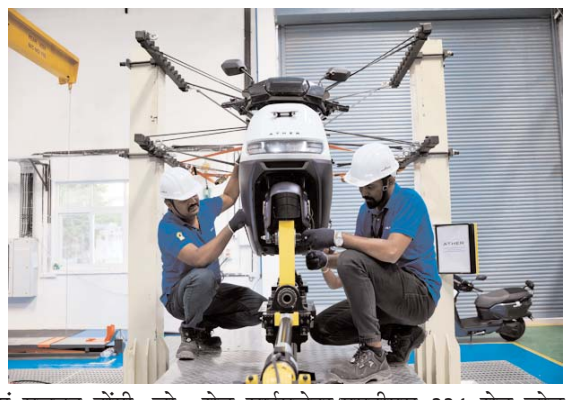

38,692 वर्गफीट में फैला यह सेंटर एथर स्कूटर, सिस्टम और कंपोनेंट्स की ड्यूरेबिलिटी और सुरक्षा को प्रमाणित करने के लिए डिज़ाईन किया गया है, जिनमें इसकी ऑन-रोड एन्ड्योरेंस भी शामिल है। इस सेंटर में ढांचागत ड्यूरेबिलिटी, बैटरी टेस्टिंग, इलेक्ट्रिक एवं इलेक्ट्रॉनिक्स रिलायबिलिटी, और वैहिकल एनवायरनमेंट टेस्टिंग के लिए समर्पित लैब्स हैं।

एथर द्वारा हर चरण में कई परतों में टेस्टिंग और वैलिडेशन किया जाता है। इस सेंटर में सस्पेंशन फ्रेम्स जैसे सिस्टम्स की टारगेटेड टेस्टिंग के लिए एक 4 डीओएफ रोड साईमुलेटर/एमटीएस 334 रोड लोड साईमुलेटर शामिल है, जिससे अरली बग डिटेक्शन, तेजी से डिज़ाईन ऑप्टिमाईज़ेशन, और चेंज की कम लागत संभव होती है। एमटीएस 334 रोड लोड साईमुलेटर स्कूटर राईडिंग की वास्तविक परिस्थितियों को उत्पन्न करने में सक्षम है, और केवल 15 दिनों में 1,00,000 किलोमीटर का एन्ड्योरेंस टेस्ट पूरा कर लेता है। जो अगर वास्तविक सड़क पर किया जाए, तो इस पूरी प्रक्रिया में लगभग 10 साल का समय लगता है। एक मल्टी-स्ट्रेस फैक्टर टेस्टिंग और टेस्ट केस के लिए फील्ड डेटा से फीडबैक लूप के साथ एथर का उद्देश्य अपनी वैलिडेशन की प्रक्रिया को निरंतर बेहतर बनाना है ताकि वास्तविक परिस्थितियों की परफॉर्मेंस में सुधार होता रहे।

शराब प्रेमियों के लिए राहत भरी खबर, छत्तीसगढ़ में अंग्रेजी शराब 10 प्रतिशत तक होगी सस्ती

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में शराब प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की आबकारी नीति को साय कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है, जिसमें अंग्रेजी शराब की कीमतों में 10 प्रतिशत तक की कटौती का फैसला लिया गया है। गोवा से लेकर ब्लू लेबल जैसी प्रीमियम शराब अब सस्ती होगी, क्योंकि सरकार ने इन पर लगने वाला आबकारी शुल्क हटा दिया है। यह निर्णय बजट से ठीक एक दिन पहले लिया गया। छत्तीसगढ़ देश में शराब खपत के मामले में पांचवें स्थान पर है। राज्य की करीब 40% आबाजी शराब का सेवन करती है। पिछले वित्तीय वर्ष में सरकार ने 11 हजार करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य रखा था, खासकर चुनावी साल को देखते हुए, जब शराब की बिक्री बढ़ने की उम्मीद थी। हालांकि, लक्ष्य हासिल नहीं हुआ और 7-8% राजस्व की कमी दर्ज की गई। पड़ोसी राज्यों से करीब 2000 करोड़ रुपये की शराब आने से भी नुकसान हुआ। इस कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने नई रणनीति बनाई है। नई नीति में शराब की बिक्री बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। अंग्रेजी शराब पर शुल्क हटाकर कीमतें कम की गई हैं, ताकि बिक्री की मात्रा बढ़े और राजस्व में 10-12% की बढ़ोतरी हो सके। अन्य शराब की कीमतें पिछले साल की तरह ही रहेंगी। सरकार का अनुमान है कि यह कदम मार्च 2025 तक राजस्व लक्ष्य को पूरा करने में मदद करेगा।

मुकेश अंबानी की कंपनी पर लगाई गई 125 करोड़ रुपए की पेनाल्टी

मुबई। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड पर पेनाल्टी लगाई गई है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार कंपनी पर यह पेनाल्टी बैटरी प्लांट लगाने में असफल रहने पर लगाई है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोशिश है कि विदेशी इंपोर्ट्स में कटौती की जाए। बता दें, रिलायंस न्यूज एनर्जी लिमिटेड उन कुछ कंपनियों में से एक थी। जिन्होंने बैटरी सेल मैन्युफैक्चरिंग के लिए सफल बोली लगाई थी। पीएम मोदी की अगुवाई वाली सरकार की कोशिश है कि बैटरी सेल के मोर्चे पर लोकर प्रोडक्शन को बढ़ाया जाए। जिसके विदेशों पर निर्भरता कम हो। इसी को देखते हुए 2022 में सरकार ने बोलियां आमंत्रित की थी। जिसमें रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड ने सफल बोली लगाई थी। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार लेकिन अब डेडलाइन मिस होने की वजह से 125 करोड़ रुपये की पेनाल्टी लगाई गई है। रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड अलावा राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड पर भी इतनी ही पेनाल्टी लगाई गई है। कंपनी को एंडवांस केमेस्ट्री सेल प्रोग्राम के लिए पेनाल्टी लगाई है। बता दें, इन कंपनियों की तरफ से अभी तक कोई भी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

लोक अदालत और मध्यस्थता जनजागृति के लिए विशाल मैराथन निकली

इंदौर। रविवार को लोक अदालत और मध्यस्थता के संबंध में जनजागृति के लिए विशाल मैराथन निकाली गई। इस मैराथन में बच्चों से लेकर बुजुर्गों सहित न्यायाधिपति, अधिवक्ता, अधिकारियों, नागरिकों ने हिस्सा लिया। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ के कैंपस में यह मैराथन सुबह पंजीयन के साथ प्रारंभ हुई। मैराथन का शुभारंभ झंडी दिखाकर मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के अध्यक्ष न्यायाधिपति संजीव सचदेवा एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इंदौर के अध्यक्ष न्यायाधिपति विवेक रूसिया ने किया। इस अवसर पर उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधिपति भी विशेष रूप से मौजूद थे मैराथन में भाग लेने के लिए एक हजार 205 प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। मैराथन एवं जागरूकता रैली में लगभग एक हजार 500 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए। प्रतिभागियों को कैप एवं टी-शर्ट दिए गए। मैराथन सुबह 7.30 बजे हाई कोर्ट कैंपस से प्रारंभ होकर जंजीरवाला चौराहा, इंडस्ट्री हाउस, पलासिया, गीता भवन चौराहा, मधु मिलन चौराहा होते हुए रीगल चौराहा से उच्च न्यायालय के गेट क्रमांक एक हाई कोर्ट कैंपस में सम्पन्न हुई।

न्यायाधिपति संजीव सचदेवा ने बताया गया कि आज की जागरूकता मैराथन एवं रैली में उपस्थित जन सैलाब को देखते हुए ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आप सभी मध्यस्थता के माध्यम से समाजिक रिश्तों में समरसता लाने का भरपूर प्रयास कर रहे है। आप लोगों को देखकर हमारा उत्साह बढा है । आप लोग जिस पथ पर चल रहे है वह अविस्मरणीय है। यहां उपस्थित दो साल के बच्चे से लेकर 80 साल के बुजुर्ग का हौसला देखकर मुझे यकीन है कि आप लोग मध्यस्थता के मार्ग में जरूर सफलता प्राप्त करेंगे। न्यायाधिपति द्वारा वकालत के दिनों की कहानी सुनाते हुए बताया गया कि मां-बेटे के बीच का विवाद गुरुद्वारा के समक्ष पहुंचा जहां पर बेटे को बताया गया कि मां के पैर छू लो, मां के चरणों में तो स्वर्ग होता है, बेटे के पैर छूते ही मां ने उसे गले लगाया और विवाद का वहीं निराकरण हो गया।

न्यायाधिपति विवेक रूसिया द्वारा बताया गया कि लोक अदालत एवं मध्यस्थता के माध्यम से मामलों का निराकरण होने से विन-विन (न कोई जीता न कोई हारा) की स्थिति होती है इसमें दोनों पक्षकार की विजय होती है। इन्दौर में सामुदायिक मध्यस्थता के माध्यम से लगभग 5 हजार से अधिक मामलों का निराकरण किया जा चुका है। जिस कारण लगभग पाँच हजार से अधिक प्रकरण न्यायालयीन प्रक्रिया से बच गए हैं। इसमें 27 समाज के 110 मध्?यस्थतों की अहम भूमिका है। मध्यस्थता के कार्य को न केवल प्रत्येक समुदाय द्वारा अपितु रेवन्यू विभाग की जनसुनवाई, पुलिस कमिश्नर जनसुनवाई में भी किया जा रहा है। इसके साथ ही भविष्य में नगर निगम के जनसेवा केन्द्र (कम्युनिटी हॉल) के माध्यम से भी मध्यस्थता कार्यवाही संचालित की जाएगी। न्यायाधिपतियों द्वारा विजेताओं को मेडल एवं प्रथम पुरस्कार 11 हजार रूपये, द्वितीय पुरस्कार 7 हजार 100 रूपये एवं तृतीय पुरस्कार 5 हजार 100 रूपये पुरस्कार क्रमशः पुरूष वर्ग में वंश चौधरी, संजय मुकाती तथा जयंत नास्कर तथा महिला वर्ग में सुश्री प्राची पड़ियार, जयश्री राय तथा पलक सोनकर को प्रदान किए। मैराथन में उच्च न्यायालय खंडपीठ इन्दौर के न्यायाधिपति सुबोध अभ्यंकर, न्यायाधिपति प्रेम नारायण सिंह,न्यायाधिपति बीके द्विवेदी, प्रिंसिपल रजिस्ट्रार/सचिव, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इन्दौर, ओएसडी रजिस्ट्रार मप्र उच्च न्यायालय खंडपीठ इन्दौर, जिला न्यायालय के समस्त न्यायाधीशगण,महापौर पुष्यमित्र भार्गव, संभागायुक्त दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा के साथ-साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालय अभिभाषक संघ के अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के साथ सामुदायिक मध्यस्थ चैनल अधिवक्तागण, मोहम्मद शमीम सेवा निवृत्त न्यायाधीश मॉस्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

सिंधु महिला समिति द्वारा फूड बास्केट वितरण

छिंदवाड़ा। जन जन का रखे ध्यान टीबी मुक्त भारत अभियान 100 दिवसीय निक्षय शिविर अंतर्गत आज सिंधु भवन मोहन नगर छिंदवाड़ा में सिंधु महिला समिति के द्वारा दो क्षय रोगी को फूड बास्केट प्रदाय किया गया। सिंधु महिला समिति के पदाधिकारी रीतू परसवानी , संगीता परसवानी, गरिमा हरवानी, कोमल हरवानी, गीता हरजानी की कार्यक्रम में सफल भागीदारी रही। उक्त कार्यक्रम में जिला क्षय केंद्र से एसटीएस जय अहिरवार टीबीएचवी पूर्णिमा परिहार, एवं रानू वर्मा की उपस्थिति रही।

बौद्धगया में हो रहे आंदोलन के समर्थन में पटपड़ा के उपासक बौद्ध

परासिया। छिन्दवाड़ा स्थित डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर की प्रतिमा स्थल पर पटपड़ा तहसील परासिया के उपासक बौद्ध अनुयायी उपस्थित हुए ,जिन्होंने बौद्ध गया विहार में स्थित तथागत बुद्ध से संबंधित बौद्ध विहार बौद्ध गया में हो रहे भिक्षुओं के द्वारा किए जा रहे आंदोलन के समर्थन में जिला स्तर पर हुए प्रदर्शन में सम्मिलित होकर विरोध प्रकट करते हुए ज्ञापन प्रस्तुत किया जिसमें यह माँग की गयी कि विहार में स्थित बौद्धगया में जो सम्राट अशोक के द्वारा जो विहार निर्माण कराया गया उस विहार बौद्धिस्ट को सौंपा जाए। पटपड़ा से ज्ञापन देने मोहन मेश्राम, अनिल निकोसे, ताराचंद मेश्राम, शिव निकोसे, लोकेस अहिरवार एवं बड़ी संख्या में उपासक सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री का स्वागत

छिंदवाड़ा। भोपाल में किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी, कृषक नेता संजय सक्सेना, संदीप रघुवंशी एवं अन्य कृषक नेता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश अध्यक्ष वी.डी.शर्मा का स्वागत करते हुये।

विद्यार्थियों को सशक्तऔर समृद्ध भारत के संकल्प से कराया अवगत

छिंदवाड़ा। शासकीय विधि महाविद्यालय छिंदवाड़ा में शनिवार को स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना एवं आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में जम्मू कश्मीर और भारतीय संविधान पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया था। जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप मे डॉ विश्वास कुमार चौहान, प्राध्यापक (विधि) और प्रशासनिक सदस्य मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय

विनियमक आयोग भोपाल को आमंत्रित किया गया था। डॉ विश्वास कुमार चौहान ने विषय विशेषज्ञ के द्वारा जम्मू कश्मीर के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए जम्मू कश्मीर के विलय का इतिहास बताया और सशक्त और समृद्ध भारत का 22 फरवरी 1994 के संकल्प से अवगत कराया। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 के संशोधन के पूर्व एवं पश्चात की स्थिति पर व्याख्या की साथ ही गिलगित और बलिस्तान की भौगोलिक, आर्थिक, पर्यावरणीय महत्व को समझाया। कार्यक्रम के पश्चात मुख्य वक्ता द्वारा स्वलिखित पुस्तक स्वाधीनता एवं स्वतंत्रता महाविद्यालय ग्रंथालय को सप्रेम भेंट की गई। कार्यक्रम के अंत मे मुख्य अतिथि के द्वारा सर्वश्रेष्ठ छात्रा की घोषणा भी की गयी। सर्वश्रेष्ठ छात्रा के रूप मे दिव्या सोनी अंतिम वर्ष की छात्रा को चुना गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम की संयोजक डॉ दमयंती कटरे द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बीके अकोदिया के द्वारा दिया गया। विषय का संक्षिपत परिचय डॉ स्नेहा कुमारी के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अंत मे डॉ कमलाकार मोटघरे ने आभार व्यक्त किया।

सरकार ने खुलेआम लूट का लाइसेंस दे रखा है अपने सरकारी अमले को- कांग्रेस

सिवनी। प्रदेश की भाजपा सरकार ने मध्यप्रदेश को भ्रष्ट प्रदेश बना दिया, कोई भी शासकीय अशासकीय संस्थाओं में मोटी रकम दिये बिना अधिकारी, कर्मचारी आम जनता का सीधा-सीधा काम भी करने को तैयार नही है। प्रदेश में आये दिन भ्रष्टाचार के मामले अखबार की सुर्खीयों में बने रहते है, बडे स्तर के अधिकारी तो छोड़ो तृतीय एवं चर्तुथ श्रेणी के लिपिक के यहॉ भी करोड़ो रूपय की सम्पत्ति निकल रही है यह सब काम सत्ताधारी दल के मंत्रीयों, नेताओं और अधिकारी, कर्मचारियों की मिली भगत से हो रहे है और आम जनता इसमें पीस रही है शासन के नियम है कि 3 वर्ष से अधिक कोई भी अधिकारी, कर्मचारी उसी स्थान पर पदस्थ नही रह सकते अधिक समय तक एक ही स्थान पर रहने से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार इन भ्रष्ट अधिकारी, कर्मचारियों को एक ही स्थान पर स्थापित कर यह बताना चाह रही हो कि प्रदेश की जनता को लूटने का लायसेंस इन्हें प्रदेश की भाजपा सरकार से मिल गया हो। प्रदेश का कोई भी शासकीय, अशासकी विभाग, कार्यालय में बिना रिश्वत लिए आम जनों का काम नही हो पाते, पैसा देने के बाद भी अनेक चक्कर लगवाये जाते है।

स्वच्छता सर्वेक्षण...

सिटिजन फीडबैक कैटेगरी में पहले पायदान पर पहुंचा नगरनिगम

महापौर ने जताया जनता का आभार

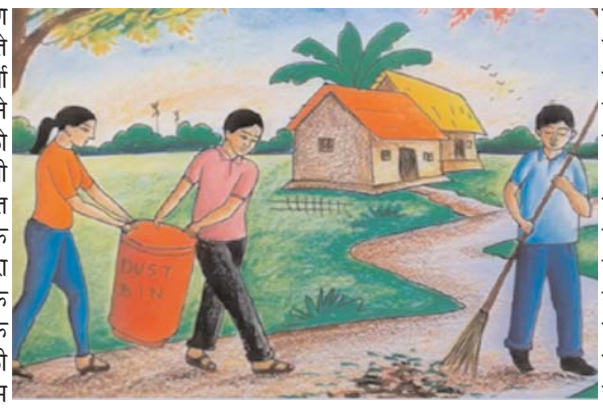

छिंदवाड़ा। इन दिनों स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 की तैयारियां जोरो से चल रही है। बीते दिनों दिशा की बैठक में छिंदवाड़ा पांढुर्णा लोकसभा क्षेत्र के सांसद बंटी विवेक साहू ने सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को स्वच्छता सर्वेक्षण के फीडबैक में अपनी भागीदारी देने की अपील की थी। इसके उपरांत नगर निगम छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहके के निर्देश पर निगमायुक्त चंद्रप्रकाश राय द्वारा महाअभियान चलाकर फीडबैक लेने के निर्देश दिए। इसका परिणाम यह हुआ कि सिटीजन फीडबैक कैटेगिरी में मध्यप्रदेश की सभी 16 नगर निगमों में छिंदवाड़ा नगर निगम पहले पायदान में पहुंच गया। इस उपलब्धि पर नगर निगम छिंदवाड़ा के महापौर विक्रम अहके ने सांसद बंटी विवेक साहू एवं छिंदवाड़ा शहर की जनता का आभार जताया। इस अवसर पर निगमायुक्त चंद्रप्रकाश राय ने कहा कि सर्वेक्षण पूर्ण होने तक छिंदवाड़ा की जनता के सहयोग एवं अधिक से अधिक सकारात्मक फीडबैक की आवश्यकता होगी। शहर की जनता के अधिक से अधिक सकारात्मक फीडबैक से नगर निगम छिंदवाड़ा अव्वल स्थान पर बना रहेगा एवं सर्वेक्षण पूरा होने पर निगम को प्रथम स्थान प्राप्त होगा। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के लिए नगर निगम का सफाई अमला एवं अन्य मैदानी अमला भी इन दिनों अपना शत प्रतिशत दे रहा है। निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी स्वच्छता के लिए तो कार्य कर रहे है इसके साथ ही जनता से स्वच्छता का फीडबैक भी ले रहे है। नगर निगम छिंदवाड़ा क्षेत्र के रहवासी भी शहर के लिए सीधे अपना फीडबैक सीधे दे सकते है। इसके लिए स्वच्छ भारत मिशन की वेबसाईट ओपन करने के बाद में नाम टाइप करना होगा है। इस वेबसाइट में जनता को दस आसान प्रश्नों के उत्तर देना होगा। इन उत्तर के बाद मोबाइल नंबर दर्ज किया जाता है जिसमें वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) प्राप्त होगा। इस ओटीपी को वेबसाइट में दर्ज कर फीडबैक की प्रक्रिया को पूर्ण किया जाता है। मोबाइल के इनबॉक्स में ,छ-स्क्रऋक की ओर से ओटीपी प्राप्त होगा जिसे जनता निर्भीक होकर वेबसाइट में दर्ज कर सकती है।

मवेशियों से भरी 2 पिकअप पुलिस ने पकड़ी ....

13 भैसों को क्रूरतापूर्वक भरकर ले जा रहे थे आरोपी, केस दर्ज

छिंदवाड़ा। सिंगोड़ी चौकी पुलिस ने देर रात मवेशियों से भरे 2 पिकअप वाहन पकड़े हैं। दोनों वाहनों में आरोपियों द्वारा क्रूरतापूर्वक भरकर मवेशियों को ले जाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस ने 13 भैसों सहित 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दरअसल पकड़ाए तश्कर 13 मवेशियों को भुमका घाटी के जंगल में मवेशी चरा रहे लोगों से खरीदकर नागपुर के कत्लखाने ले जा रहे थे। जानकारी में सिंगोड़ी चौकी प्रभारी पंकज राय ने बताया कि शनिवार देर रात मुखबिर के द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति अमरवाडा से नागपुर तरफ वाहनों में भैंसों को अवैध परिवहन कर काटने के लिये नागपुर लेकर जा रहे हैं। सूचना पर रेड कार्यवाही कर पिकअप वाहन क्रं. स्क्क28-त-4185 से कुल 08 नग भैंस एवं छोटा हाथी क्र स्क्क28 त 5030 में परिवहन किये जा रहे कुल 05 नग कुल 13 भैंसों को मुक्त कराया गया। चौकी सिंगोडी थाना अमरवाडा में आरोपियों के विरुद्ध धारा 11 म.प्र. कृषक पशु परिरक्षण अधि., 11 (घ) पशु क्रुरता निवारण अधि, (2) धारा 11 म.प्र. कृषक पशु परिरक्षण अधि., 11 (घ) पशु क्रुरता निवारण अधि, (3) 5 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।इस कार्यवाही में पुलिस ने सुशील पिता राजाराम डेहरिया उम्र 32 साल निवासी ग्राम चिमौआ चौकी सिंगोड़ी, अजय पिता लेखराम सल्लाम उम्र 26 वर्ष निवासी परतला थाना देहात छिंदवाडा एवं अलीम कुरैशी पिता शौकत कुरैशी उम्र 44 वर्ष निवासी आनंदनगर सोनपुर रोड बैल बाजार को गिरफ्तार किया

पुलिस के द्वारा कार्यवाही करते हुये कुल 30 नग मवेशी को कराया गया मुक्त

घटना का संक्षिप्त विवरण- पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डेय व अति. पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह एवं अनुविभागीय (पुलिस) सौरव तिवारी, थाना प्रभारी गनपत सिंह उईके के मार्गदर्शन में अवैध गौ तस्करों के विरुद्ध पूर्व से सख्त कार्यवाही के लिये निर्देशित किया गया है । 1 मार्च को मुखबिर के द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति दुबे वेयर हाऊस के आगे रोड ग्राम पलटवाडा के पास मवेशी को कत्लखाना ले जा रहे है । सूचना पर रेड कार्यवाही की गयी है जो मौके से कुल 30 नग मवेशी को जप्त किया गया है । मौके पर आरोपी भगवान चौहान,पीरू चौहान,सुमेर चौहान एवं देवेन्द्र यादव मिले जिनके पास मवेशी संबंधी कोई वैध दस्तावेज नही होने पर उक्त आरोपियो के विरूध्द अप.क्र.192/25 धारा 4,6,9 म.प्र. गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004, 4,6 म.प्र. कृषक परीक्षण अधिनियम का प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया ।

महत्वपूर्ण भूमिका -निरीक्षक गनपत सिंह उईके, उ.नि.रामकुमार ठाकुर, सउनि शरद मालवी, आरक्षक सतीश बघेल, योगेश मालवी, राजपाल बघेल, नीरज बघेल,सूर्योदय बघेल,कन्हैया सनोडिया की सराहनीय भूमिका रही ।

परासिया क्षेत्र में विकास कार्यों की दी सौगात...

सांसद ने विभिन्न कार्यो के लिए स्वीकृत किए 12 लाख 50 हजार

छिन्दवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने परासिया विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न निर्माण कार्यो के लिए अपनी सांसद निधि से 12 लाख 50 हजार की स्वीकृति दे दी है। अब जल्द ही यहां पर निर्माण कार्य प्रारंभ किये जायेंगे। सांसद श्री साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को हर मूलभुत सुविधा उपलब्ध हो। इसी मंशा के अनुसार छिन्दवाड़ा और पांढुर्णा जिले में सांसद निधि के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सहयोग से अन्य निधियों से भी विकास कार्य किये जा रहे है। सांसद श्री साहू ने कहा कि छिन्दवाड़ा और पांढुर्णा जिले के विकास में कोई भी कसर नहीं छोड़ी जायेगी। केन्द्र एवं राज्य सरकार की निगाहें छिन्दवाड़ा और पांढुर्णा के विकास पर प्रमुख रूप से लगी हुई है। इसी का परिणाम है कि छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्णा जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को देखते हुए सबसे अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत किये गये है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक आयोजनों के लिए बड़ी संख्या में सामुदायिक भवनों की भी स्वीकृति मिली है। भाजपा मंडल अध्यक्ष देवी पाल, सरपंच शीशकुमारी मर्सकोले, जनपद सदस्य कुबेर सिंह सूर्यवंशी, भाजपा नेत्री ज्योति डेहरिया की अनुशंसा पर सांसद साहू की सांसद निधि से ग्राम हरनभटा में लोहांगी टेकड़ी में देवस्थान तक जाने के लिए 300 मीटर सी.सी. रोड निर्माण के लिए 10 लाख की स्वीकृति दी गई है। वहीं ग्राम पंचायत तुमड़ी के ग्राम भोकई में आदिवासी मोहल्ले में रंगमंच निर्माण के लिए 1 लाख रूपये एवं जनपद पंचायत परासिया के ग्राम मानकादेहीखुर्द में व्यायाम शाला एवं जिम के लिए 1.50 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। विकास कार्यो के लिए राशि स्वीकृत करने पर सभी जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने सांसद बंटी विवेक साहू का आभार व्यक्त किया है।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 8 मार्च को

छिन्दवाड़ा। जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छिन्दवाड़ा के 22 जनवरी के पत्रानुसार 08 मार्च को विद्युत अधिनियम 2003 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये जिले के विकासखंड छिन्दवाड़ा, अमरवाड़ा, चौरई, सौंसर व जुन्नारदेव विद्युत न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। म.प्र. शासन उर्जा विभाग के निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत लिटिगेशन/प्री-लिटिगेशन के लंबित निम्नदाब श्रेणी के सभी घरेलू, सभी कृषि, 5 किलोवाट भार तक के गैर घरेलू, 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं के विशेष न्यायालय में दर्ज एवं प्री-लिटिगेशन के प्रकरणों में छूट प्रदान करने के प्रावधान किये है। कंपनी द्वारा माननीय विशेष न्यायालय में दर्ज प्रकरणों में आंकलित सिविल दायित्व की राशि में 20 प्रतिशत एवं सिविल दायित्व की राशि पर छः माही चक्रवृद्धि दर के अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष लगने वाले ब्याज की राशि में शत-प्रतिशत छूट नियम एवं शर्तों के तहत प्रदान की जायेगी। प्रकरण न्यायालय में दर्ज न होने की स्थिति (प्री-लिटिगेशन) में आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं सिविल दायित्व की राशि पर लगने वाले छः माही चक्रवृद्धि दर के अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष लगने वाले ब्याज की राशि में शत-प्रतिशत की छूट नियम एवं शर्तों के तहत प्रदान की जायेगी।

प्रेस क्लब का भवन बनाना मेरी गारंटी है आश्वासन नहीं: सांसद

छिन्दवाड़ा। जिला प्रेस क्लब/एसोसिएशन पांढुरना के कार्यालय के शुभारंभ उपरांत उपस्थित पत्रकारों,भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि प्रेस एसोसिएशन जमीन की व्यवस्था कर ले, इसके उपरांत भवन बनाने के लिए निधि की व्यवस्था किए जाने की गारंटी मैं देता हूं। यह मेरा आश्वासन नहीं है बल्कि गारंटी है। नगर में जिला प्रेस/एसोसिएशन पांढुरना के कार्यालय का लोकार्पण सांसद बंटी विवेक साहू ने किया। इस मौके पर जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहोड, नगरपालिका अध्यक्ष संदीप घाटोडे, जिला पंचायत सदस्य सुनंदा डोंगरे, पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष नरेंद्र परमार तथा उज्वल सिंह चौहान प्रमुखता से उपस्थित रहे। सांसद साहू ने आगे कहा कि पत्रकारों को अपनी भूमिका निष्पक्ष रूप से निभानी चाहिए ताकि सिस्टम में क्या त्रुटियां है यह उजागर हो सके। इसी प्रकार सिस्टम को और भी अधिक बेहतर बनाया जा सकता है। जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहोड ने इस अवसर पर कहा कि पत्रकारों द्वारा नेताओं और व्यवस्था के खिलाफ टीका, टिप्पणी और कमजोरियों को उजागर करना जरूरी है। समस्त पत्रकारों ने सांसद बंटी विवेक साहू और अन्य सभी जनप्रतिनिधियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस समारोह में तहसीलदार विनय ठाकुर एवं नपा सीएमओ राजकुमार इवनाती व प्रेस क्लब/एसोसिएशन पांढुरना के संगठन अध्यक्ष लक्ष्मीकांत ढोके, सचिव अजय तावरे, संरक्षक राधेशाम बेलखडे, उपाध्यक्ष उमेश पाल एवं दीपक रावल, कोषाध्यक्ष काशी बालपांडे, सहसचिव पंकज मदान, सहकोषाध्यक्ष लक्ष्मीकांत कावले, प्रवक्ता जितेंद्र अतकरे, सोशल मीडिया प्रभारी प्रशांत माहूरकर, प्रदेश प्रतिनिधि पंकज कोरडे एवं अक्षय बालपांडे, समन्वयक शेख नुरू भाई, राहुल शेंडे, जानराव बरडे एवं मनोज सातपुते आदि सदस्यगण प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

भाजपा सांसद की बदजुबानी के खिलाफ कांग्रेस करेगी उग्र प्रदर्शन: ओकटे

जिला मुख्यालय पर रैली निकालकर पुलिस अधीक्षक को सौंपेंगे ज्ञापन

छिन्दवाड़ा। भाजपा सांसद की बदजुबानी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भाजपा के संरक्षण में ही अपराध, माफियाराज व गुंडाराज फलफूल रहा है। भाषा की मर्यादा को लांघते हुए जिन शब्दों का प्रयोग उन्होंने मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री, छिन्दवाड़ा के विकास पुरूष माननीय कमलनाथ जी के लिए किए, उससे यह भी साफ हो गया कि शांतिप्रिय जिले की फिजा में अपराध घोलने का काम भाजपा कर रही है। माननीय कमलनाथ जी के द्वारा जिले की बिगड़ी कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए तो सांसद मिट्टी से निकाले गए भूकृमि की तरह तिलमिला उठे, इसका अर्थ यही हुआ कि वे जिले में वर्दीधारी भाजपा कार्यकर्ता चाहते हैं, जो नियम, कानून व कायदों को तोड़कर मरोड़कर सिर्फ और सिर्फ भाजपा के इशारों पर काम करें। उक्त उदगार आज कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से व्यक्त किए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री ओकटे ने आगे कहा कि हर्रई में जिला कांग्रेस आदिवासी विभाग के जिलाध्यक्ष पर जानलेवा हमला होता है, एक आदिवासी नेता पर हमला करने वालों का संरक्षण देने वाली भाषा सांसद के द्वारा बोली जा रही है, क्योंकि हमलावर सत्ता पक्ष से जुड़े हुए और रेत माफिया है। ऐसा एक नहीं बल्कि अनेकों बार हुआ है। हर्रई पुलिस थाना के ठीक पीछे रेत का अवैध भण्डारण, राजमहल के पीछे अवैध रेत का भण्डारण, भाजपा के लोगों के द्वारा बेखौफ शासकीय भूमि पर अतिक्रमण, जिला मुख्यालय पर एक आदिवासी की जमीन भाजपा नेता द्वारा खरीद ली गई और जमीन मालिक को पता भी नहीं चला। ऐसे अनेक अवैधानिक कार्यों की लगातार लिखित शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई रेत माफियाओं व भू माफियाओं के खिलाफ नहीं होना इस बात का प्रमाण है कि जिले में कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुकी है जिसे सुधारने की नितांत आवश्यकता है, किन्तु भाजपा सांसद के बयान से यह साफ झलक रहा है कि वे गुंडाराज को बढ़ावा देना चाहते हैं जिसकी कांग्रेस घोर निंदा करती है। श्री ओकटे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में आगे कहा कि मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री व विभिन्न मंत्रालयों के पूर्व केन्द्रीय मंत्री कमलनाथ ने अपना सम्पूर्ण जीवन छिन्दवाड़ा व पांढुर्ना जिले के विकास में समर्पित कर दिया।

जय अग्रसेन महाराज, जय अग्रवाल समाज...

कड़ी मेहनत से कर्म करें भाग्य जरूर साथ देगा: विनोद अग्रवाल

छिंदवाड़ा। अग्रवाल पैलेस का लोकार्पण करते हुए इन्दौर के उद्योगपति विनोद अग्रवाल ने छिंदवाड़ा अग्रवाल समाज को बधाई देते हुए कहा कि यह गौरव की बात है कि अग्रवाल समाज का अपना सर्वसुविधा युक्त मैरिज लॉन है ऐसा लॉन आसपास के शहरों में नहीं होगा। इस भवन में सामाजिक गतिविधियां भी होनी चाहिए । उन्होने कहा कि कर्म करने के लिए लगातार मेहनत की जरूरत है कर्म करेंगे तो भाग्य आपका साथ देगा और सफलताएं आपके कदम चूमेगी। उन्होने कहा कि हमने अपनी व्यापार यात्रा छिंदवाड़ा से प्रारंभ की उन्होने अपने परिवार की सफलता के जीवन का वृतांत भी बताया। छिंदवाड़ा अग्रवाल समाज के अध्यक्ष उद्योगपति सुरेश अग्रवाल ने मैरिज लॉन के निर्माण की जानकारी दी। उन्होने कहा कि जिन लोगों ने सहयोग दिया है अग्रवाल समाज उनका आभार मानता है उन्होने विनोद अग्रवाल जी के द्वारा दी गई राशी की सराहना की। जब हम उनके पास गए तो उन्होने कहा कि आप लिख लीजिये तब सुरेश अग्रवाल ने सोचा कि सामने वाला सोना देना चाहता है और हम चांदी मांग रहे हैं। हमें ही नुकसान होगा इसीलिए हमने विनोद जी पर छोड़ दिया और उन्होने अग्रवाल समाज को एक करोड़ रूपए दिया। अग्रवाल महिला मंडल की महिलाओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम किया । अग्रवाल पैलेस तीन एकड़ में फैला है जो जिले का अब तक सबसे बड़ा और सर्व सुविधायुक्त भवन है।

कमलनाथ अपने शब्द वापस ले: यादव

छिंदवाड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कमलनाथ के द्वारा हर्रई में अपने भाषण के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ दिए गए बयान पर रोष व्यक्त करते हुए पुलिस कर्मचारियों से माफी मांगने के लिए कहा। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि कमलनाथ जी आप बुजुर्ग होकर उम्र के उस पड़ाव में हैं जब आपको राग, द्वेष और बदले की धमकी वाली भाषा की राजनीति को छोड़कर सहिष्णुता और सहयोग की राजनीति करना चाहिए। श्री यादव ने कहा कि आप हमेशा धमकी देते हैं कि आप बहुत बारीक पीसते हैं। कभी धमकी देते हैं जेब में बीजेपी का बिल्ला रखते हो।

आपके इन्हीं धमकी भरे बयानों से जनता ने आपको इतना बारीक पीस दी कि आप अब कर्मचारियों को धमकी देने लगे है। श्री यादव ने कहा कि आप अधिकारियों कर्मचारियों को अपने इशारों पर नचाना चाहते हैं और ये भाजपा के शासनकाल में हो नहीं पा रहा है इसीलिए भाषणों में खीज निकाल रहे हैं। श्री यादव ने कहा कि कमलनाथ जी ये भाजपा का शासनकाल है जिसमें सभी को बोलने की पूरी स्वतंत्रता है इसीलिए आप खुले मंच से पुलिस अधिकारियों को धमकी दे पा रहे हैं। श्री यादव ने कहा कि आप अपने मुख्यमंत्री काल को याद करें जब विधानसभा उपचुनाव के समय आपके निर्देश पर पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के हेलीकॉप्टर को चौरई से उड़ने से रोक दिया गया था। श्री यादव ने कहा कि कमलनाथ भाजपा कभी बदले की राजनीति नहीं करती। श्री यादव ने कहा कि कमलनाथ द्वारा हर्रई में मंच से पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को दी गई धमकी उनके अवसाद को दर्शा रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि हर पिता अपने बेटे को सफल बनाने के लिए मेहनत करता है और आप भी वही कर रहे हैं लेकिन बेटे में क्या क्षमता है वह पिता को जरूर पता होना चाहिए और उसे वही करने देना चाहिए जो वो करना चाहता है, मेरी आपको सलाह है कि आप भी अपने बेटे को वही करने दें जो वह करना चाहता है और छिंदवाड़ा कांग्रेस में किसी और नेता को आगे आने दें। शेषराव यादव ने कहा कि पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों के खिलाफ दिए गए वक्तव्य पर कमलनाथ को शब्द वापस लेते हुए उनसे माफी मांगनी चाहिए।

आंबेडकरवादी भिक्षुओं का अपमान बर्दास्त नहीं करेंगे

छिंदवाड़ा । सदियों पूर्व सम्राट अशोक द्वारा स्थापित विश्व के बौधों का प्रमुख तीर्थ एवं आस्थास्थल बोधगया स्थित महाबोधि महाविहार पर बौद्धों का नहीं बल्कि हिन्दू ब्राह्मण पुजारियों का कब्जा होना सारे विश्व में कौतूहल का विषय है। भारत में कहीं पर भी,किसी भी आस्थास्थल में गैर धर्मावलंबियों का कब्जा नहीं है,फिर बौद्ध विहार में हिंदुओं का कब्जा क्यूं ? दरअसल इस विहार में विश्व के सभी प्रमुख राष्टों द्वारा अरबों का दान आता है,उसी को हडपने के लिए यह सरकार की मौन स्वीकृति से यह साजिशें जारी है। भारतीय बौद्ध महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश लोखंडे ने बताया कि, महाबोधि विहार मुक्ति हेतु विहार परिसर में शांतिपूर्ण आंदोलनरत भिक्षुओं को बिहार सरकार ने बर्बरता पूर्वक आधी रात को खदेडा,यह अमानवीय कृत्य अम्बेडकरी व बौद्धजन कभी बर्दास्त नहीं कर सकते। जिसके निषेधार्थ छिंदवाड़ा जिले के तमाम अम्बेडकरी व बौद्ध संगठन अम्बेडकर तिराहा पर शांतिपूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन कर रैली के रूप में महामहिम राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर छिंदवाड़ा को ज्ञापन सौंपा।

फिल्मी वेशभूषा में बॉलीवुड कलाकारों की नन्हे बच्चों के साथ शिक्षकों ने निभाई अदाकारी

परासिया। क्षेत्र के हैप्पी किड्स पब्लिक स्कूल में मनाया गया दीक्षा आरंभ समारोह (ग्रेजुएशन सेरेमनी 2025) इस पूरे प्रोग्राम में बॉलीवुड की थीम में थिरके नन्हे नन्हे बच्चे एवं शिक्षक गण, समस्त शिक्षकों ने निभाई बॉलीवुड थीम की अदाकारी वहीं पालकों ने मंच में आकर विभिन्न खेलों (गेम्स) में भाग लिया, और विद्यालय व शिक्षकों की तारीफ की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के संचालक अरविंदर सिंघ खंडूजा (रिंपी खंडूजा) अर्शलीन कौर खंडूजा जगजीत सिंघ खंडूजा (बॉबी खंडूजा) हरजीत कौर खंडूजा, विद्यालय के प्राचार्य गोविंद गोस्वामी उप प्राचार्य सरीता वार्ड मैम ,समस्त शिक्षक गण एवं पालक गण उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का निर्देशन प्री-प्राइमरी एवं प्राइमरी की हेड स्वाति पाल मैडम ने किया विद्यालय में कक्षा 2 के विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन गाउन व कैप पहनाकर, सर्टिफिकेट व डिग्री से सम्मानित किया गया। वहीं शिक्षकों ने भी फिल्मी वेशभूषा में बॉलीवुड एक्टरों की अदाकारी निभाई , कार्यक्रम का आगाज एंकर के रूप में कायनात अली मैम द्वारा करीबन 11. 00 बजे से आरंभ किया गया जो कि दीक्षा आरंभ समारोह पिछले कई वर्षों से विद्यालय में आयोजित होता आ रहा है, इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नन्हे नन्हे बच्चों को किंडरगार्टन से शिक्षा पूर्ण कर, दीक्षा आरंभ हेतु कक्षा पहली में प्रवेश कराना होता है द्य जिससे बच्चों का उत्साह कई गुना बढ़ जाता है ।

एमपी बोर्ड पेपर के नाम पर ठगी करने वाले को क्राइम ब्रांच ने छिंदवाड़ा से पकड़ा

भोपाल। राजधानी में साइबर क्राइम ब्रांच की टीम ने माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के लोगो (मोनो) और नाम का इस्तेमाल कर टेलीग्राम ग्रुप बनाकर छात्रों को 10वीं-12वीं बोर्ड का पेपर देने के नाम पर झांसे में लेकर ठगने वाले एक आरोपी दीपांशू कोरी की गिरफ्तारी छिंदवाड़ा जिले से की है। पुलिस के अनुसार क्राइम ब्रांच भोपाल एक मामले की जांच कर रहा था। इस दौरान जानकारी आई कि एक ग्रुप माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के लोगो (मोनो) और नाम का उपयोग कर टेलीग्राम ग्रुप बनाकर बच्चों को 10वीं-12वीं बोर्ड का पेपर देने के नाम पर झांसे में लेकर पैसे डलवाता है। साइबर क्राइम जिला भोपाल की टीम द्वारा प्राप्त साक्ष्यों और तकनीकी एनालिसिस के आधार पर धोखाधड़ी करने वाले फरार आरोपी को छिंदवाडा से गिरफ्तार किया है। आरोपी टेलीग्राम एप पर माध्यमिक शिक्षा मंडल के नाम का एवं लोगो (मोनो) का प्रयोग कर टेलीग्राम ग्रुप बनाकर उसमें 10वीं और 12वीं के बच्चों को वार्षिक परीक्षा के प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने का झांसा देकर 500 से लेकर 1000 रुपए तक खातों में डिपॉज़िट करवाते थे।

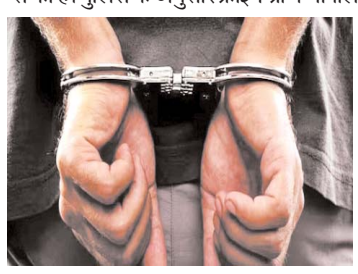

होली पर बस और टैक्सी का बढ़ा किराया, भोपाल से यूपी, बिहार और महाराष्ट्र जाने वाली ट्रेनें फुल

भोपाल। यदि आप होली पर यात्रा करने की सोच रहे हैं तो आपके विकल्प सीमित हैं। होली का त्योहार नजदीक आते ही ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ इस कदर बढ़ी है कि ट्रेनों ने रिजर्व टिकट देने तक से मना कर दिया है।

नई दिल्ली, मुंबई और उत्तर प्रदेश की ओर जाने वाली प्रमुख ट्रेनों में टिकट उपलब्ध नहीं हैं। अभी तक रेलवे की ओर से सिर्फ रीवा के लिए ही होली स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की गई है, जिससे यात्री जल्द से जल्द रिजर्वेशन कराने में जुट गए हैं।

भोपाल और आसपास के शहरों से अंतरराज्यीय बसों के विकल्प सीमित हैं। ऐसे में लोगों की परेशानी बढ़ गई है। टैक्सियां भी नहीं मिल रही हैं। बताया जा रहा है कि टैक्सी संचालकों ने भी किराया बढ़ाकर मांगना शुरू कर दिया है। इस पूरे हालात की पड़ताल करती रिपोर्ट।

पटना, गोरखपुर जाने वाली ट्रेनों के स्लीपर कोच रिग्रेट

त्योहारी सीजन और गर्मियों की छुट्टियों के कारण ट्रेनों में यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। भोपाल से मुंबई, पटना, कानपुर, दिल्ली और गोरखपुर की ओर जाने वाली ट्रेनों में अभी से लंबी वेटिंग चल रही है। स्थिति यह है कि ज्यादातर ट्रेनों के स्लीपर कोच में रिग्रेट की स्थिति बन चुकी है।

वहीं थर्ड एसी कोच में भी कुछ ट्रेनों में वेटिंग है, जबकि कई ट्रेनों में रिग्रेट की स्थिति बनी हुई हैं। ऐसे में यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में कठिनाई हो रही है और उन्हें तत्काल टिकट या अन्य विकल्पों पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

भोपाल से मुंबई जाने वाली पंजाब मेल में स्लीपर कोच में 22 वेटिंग आ रही है। पटना, गोरखपुर और कानपुर जाने वाली ट्रेनों की स्थिति ज्यादा खराब है। पुष्पक एक्सप्रेस, कुशीनगर एक्सप्रेस और एलटीटी गोरखपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में स्लीपर कोच में अभी से रिग्रेट आ गया है। वहीं थर्ड एसी में वेटिंग 30 से पार पहुंच गई है।

भोपाल से सीमित अंतरराज्जीय बसें

भोपाल से महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़ के लिए सीमित निजी ट्रेवल्स एजेंसियों की बसें संचालित होती हैं। होली के चलते 70 प्रतिशत बसों की सीटें बुक हो चुकी हैं। मुंबई, पुणे, अमरावती, अकोला, अहमदाबाद, प्रयागराज मार्ग पर जाने वाली बसों में टिकट कराने के लिए लोग आईएसबीटी ट्रेवल्स एजेंसियों के कार्यालय जा रहे हैं, लेकिन अधिक किराया लिए जाने के कारण कई लोग वापस भी लौट रहे हैं। मोबाइल एप में इन मार्गों पर 1300 से 2000 रुपये तक किराया दिख रहा है। यही हाल निजी टैक्सियों का है। 2000 से 2500 रुपये तक किराया कर दिया है, जो सामान्य दिनों से दोगुना है। ऐसे में यात्री परेशान हैं।

एमपी में 4 सड़क हादसों में 5 मौत, 11 घायल

डंपर-कार टकराए, दो दोस्तों की गई जान; अज्ञात बाइक की टक्कर से पिता की मौत, दादा-पोते घायल

बालाघाट। मध्यप्रदेश में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात 4 अलग-अलग सड़क हादसों में 5 लोगों की मौत हो गई। 11 घायल हैं। पहला हादसा बालाघाट में हुआ, जिसमें डंपर और कार की टक्कर में दो दोस्तों की जान चली गई जबकि दो अन्य जख्मी हो गए।

वहीं, दमोह के पटेरा में अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक चालक पिता की मौत हो गई जबकि दादा और पोता घायल हैं।

तीसरा हादसा नरसिंहपुर में हुआ। यहां बारात से लौट रही कार को ट्रक ने टक्कर मार दी। इसमें ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। उधर, टीकमगढ़ में पैदल जा रहे व्यक्ति को बाइक ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी जान चली गई।

बालाघाट: शादी समारोह से लौट रहे चार युवक हादसे का शिकार- बालाघाट में गोंदिया रोड पर खारा और चिखला के बीच रविवार रात करीब 2 बजे डंपर और इको कार आपस में टकरा गए। हादसे में वीरेंद्र भोयर (23) और अमन उईके (22) की मौत हो गई। नवीन उईके (21) और राजकुमार पंद्रे (19) घायल हैं।

दमोह: अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत- दमोह के पटेरा थाना क्षेत्र में राजाबंदी गांव के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक दिलीप शर्मा (38) की मौके पर ही मौत हो गई। उनके पिता ओमकार शर्मा (65) और बेटा पीयूष (6) घायल हैं। वे रनेह गांव से हिंडोरिया लौट रहे थे। ओमकार और पीयूष को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

नरसिंहपुर: कार को ट्रक ने टक्कर मारी, ड्राइवर की मौत- नरसिंहपुर के गाडरवारा थाना क्षेत्र में रविवार रात बारात से लौट रही ऑल्टो कार को ट्रक ने टक्कर मार दी। कार खेत में जा गिरी। ड्राइवर भूरा गुर्जर की मौके पर ही मौत हो गई। चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा कामती गांव में तालाब के पास हुआ।

भारतीय जनता पार्टी के संगठन चुनाव की प्रक्रिया अंतिम चरण में है मध्य प्रदेश भाजपा को जल्दी ही नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने वाला है मध्य प्रदेश भाजपा का नया अध्यक्ष मुख्यमंत्री मोहन यादव की पसंद का होगा वर्तमान में जिन के नाम चल रहे हैं जिस पर मोहन यादव की मुहर लग जाएगी उसे भाजपा अध्यक्ष के ताज से नवाजा जाएगा। भाजपा अध्यक्ष की दौड़ में हेमंत खंडेलवाल, सुमेर सिंह सोलंकी, हिमाद्री सिंह, नरोत्तम मिश्रा, गोपाल भार्गव, अर्चना चिटनिस, डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला का नाम सामने आ रहा है।

मोहन यादव की पसंद का होगा नया अध्यक्ष

मप्र में भाजपा का नया अध्यक्ष 10 मार्च से पहले, दौड़ में लगभग 10 नाम

भोपाल। दिल्ली विधानसभा चुनाव और उसके बाद भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के कारण अटके भाजपा के संगठन चुनाव की प्रक्रिया अब फिर शुरू होगी। बूथ, मंडल और जिला अध्यक्षों के चुनाव के बाद अब प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। माना जा रहा है कि 10 मार्च से पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी हो सकती है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के लिए आधा दर्जन नाम चर्चा में हैं। इनमें हेमंत खंडेलवाल, सुमेर सिंह सोलंकी, हिमाद्री सिंह, नरोत्तम मिश्रा, गोपाल भार्गव, अर्चना चिटनिस, डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला का नाम सामने आ रहा है। अब इस दौड़ में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का नाम भी शामिल माना जा रहा। उल्लेखनीय है कि मप्र में सभी 62 भाजपा जिला अध्यक्षों के निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी। जिला अध्यक्षों के निर्वाचन के बाद माना जा रहा था कि 15 फरवरी तक प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन भी हो जाएगा। लेकिन, भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के चलते यह प्रक्रिया एक बार फिर टल गई थी। लेकिन, अब प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया ने फिर गति पकड़ ली।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के कई दावेदार हैं। इन दावेदारों के नामों पर संगठन के चुनाव अधिकारियों के अलावा केन्द्रीय नेतृत्व विचार कर रहा है। अब देखना है कि संगठन वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष को फिर से अवसर देता है या उनका दायित्व परिवर्तन कर मध्यप्रदेश में किसी और को यह जिम्मेदारी सौंपता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए जिन नामों की चर्चा है, उनमें हेमंत खंडेलवाल का नाम है जो वैश्य समाज से आते हैं। इस वर्ग में नया नाम कैलाश विजयवर्गीय का माना जा रहा है। एससी वर्ग को अपने पाले में करने के लिए किसी एससी वर्ग के नेता को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो लालसिंह आर्य के नाम पर मुहर लग सकती है।

इसी तरह से अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रभाव को देखते हुए सुमेर सिंह सोलंकी, दुर्गादास उइके और गजेंद्र पटेल का नाम भी चर्चा में है। फिलहाल प्रदेश में ओबीसी सीएम वाली सरकार और सामान्य वर्ग वाला प्रदेश अध्यक्ष बनाकर जातीय समीकरण साधने की जो शुरुआत की गई थी, उसी को आगे बढ़ाए जाने की संभावना अधिक है।

इसलिए माना जा रहा है कि पार्टी इसी फॉर्मूले पर इस बार भी आगे बढ़ सकती है। भाजपा के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ब्राह्मण वर्ग से आते हैं, उनका कार्यकाल पूरा हो चुका है। ऐसे में ब्राह्मण वर्ग से जो नाम रेस में हैं उनमें पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला का नाम सामने आ रहा है। जातिगत समीकरणों की बात करें तो फिलहाल मोहन कैबिनेट में सबसे कम भागीदारी ब्राह्मण वर्ग की है, सिर्फ दो मंत्री ही इस वर्ग के हैं।

आज से 42वीं नेशनल रोइंग चैंपियनशिप

25 राज्यों के 500 से ज्यादा खिलाड़ी हो रहे शामिल, सीएम करेंगे शुभारंभ

भोपाल। राजधानी भोपाल के बड़े तालाब स्थित वाटर स्पोर्ट्स अकादमी में 3 से 7 मार्च तक 42वीं नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में 25 राज्यों से 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। चैंपियनशिप का शुभारंभ आज शाम 4 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी रोइंग, कयाकिंग-केनोइंग, सेलिंग और स्लालम खेलों की विशेष प्रस्तुति देंगे, जिससे खेल प्रेमियों को जल क्रीड़ा का रोमांचक नजारा देखने को मिलेगा।

रविवार को खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने आयोजन स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान मंत्री सारंग ने कहा कि, मध्यप्रदेश में वाटर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए यह चैंपियनशिप महत्वपूर्ण है।

उन्होंने भोपाल के बड़े तालाब को देश की सबसे बेहतर वाटर बॉडी बताते हुए कहा कि यह आयोजन खेल प्रेमियों के लिए एक शानदार अवसर होगा। इससे पहले मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने प्रतियोगिता की तैयारियों की समीक्षा बैठक की थी।

शहर के प्रमुख चौराहों पर एलईडी स्क्रीन्स पर होगा प्रसारण- प्रतियोगिता का सीधा प्रसारण बोट क्लब सहित शहर के प्रमुख चौराहों पर एलईडी स्क्रीन के माध्यम से किया जाएगा। जिससे खेल प्रेमी इस रोमांचक मुकाबले का आनंद ले सकेंगे। इस प्रतियोगिता में रोइंग के 14 इवेंट, सीनियर और पैरा कैटेगरी में मुकाबले और पैरा रोइंग कैटेगरी के तहत कुल 14 स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी, जो 2000 मीटर की दूरी पर होंगी।

इंदौर-ग्वालियर के बीच छात्रों की सुविधा के लिए 13 फेरे स्पेशल ट्रेन चलेगी

इंदौर। रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षा में छात्रों की सुविधा के लिए ग्वालियर-इंदौर के मध्य चलने वाली गाड़ी संख्या 01825/01826 ग्वालियर-इंदौर-ग्वालियर स्पेशल ट्रेन का दोनों दिशाओं में 13-13 फेरे चलाने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 01825 ग्वालियर इंदौर स्पेशल तत्काल प्रभाव से 11 मार्च तक तथा 16 एवं 17 मार्च, 2025 को ग्वालियर से 13.00 बजे चलकर अगले दिन 2.00 बजे इंदौर रेलवे स्टेशन आएगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 01826 इंदौर ग्वालियर स्पेशल तत्काल प्रभाव से 12 मार्च तक तथा 17 एवं 18 मार्च को इंदौर से सायं 19.00 बजे चलकर अगले दिन 10.15 बजे ग्वालियर पहुँचेगी। इस ट्रेन का दतिया, वीरांगना लक्ष्मीबाई नगर झांसी, ललितपुर, बीना, संत हिरदाराम नगर एवं उज्जैन रेलवे स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन 12 सामान्य श्रेणी कोच के साथ चलेगी।

दिल के मरीजों को 40 प्रतिशत सस्ता मिलेगा इलाज

भोपाल। हृदय रोगियों के उपचार के लिए प्रदेश में बड़ी सुविधा प्रारंभ करने की तैयारी है। सभी जिला अस्पतालों में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) से कार्डियक कैथ लैब की स्थापना का प्रस्ताव है। कैथ लैब स्थापित होने के बाद एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी (हृदय की धमनियों का ब्लाकेज हटाना), हार्ट वाल्व रिप्लेसमेंट और पेसमेकर लगाने जैसे काम हो सकेंगे। अभी बड़े सरकारी मेडिकल कालेजों से संबद्ध अस्पतालों में ही कैथ लैब स्थापित हैं।

माउंट कार्मेल स्कूल में समर कैंप शुरू

500 से अधिक बच्चों ने कला, खेल और विज्ञान की गतिविधियों में लिया हिस्सा

भोपाल। भोपाल के माउंट कार्मेल स्कूल में आज से समर कैंप की शुरुआत हो गई है। स्कूल की प्रिंसिपल सिस्टर अर्चना ने कैंप का उद्घाटन किया। कैंप में 500 से अधिक बच्चे हिस्सा ले रहे हैं। यह कैंप 3 मार्च से 12 मार्च तक चलेगा। जिसमें बच्चों के लिए कई रोचक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

प्रिंसिपल सिस्टर अर्चना ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि यह कैंप मस्ती और सीखने का अनूठा अवसर है। उन्होंने बच्चों को कैंप का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

पहले दिन बच्चों ने पेंटिंग और क्राफ्ट की वर्कशॉप में हिस्सा लिया। संगीत की कक्षाएं भी हुईं। खेल के मैदान में क्रिकेट, फुटबॉल और बास्केटबॉल का आनंद लिया।

कैंप में कला, संगीत और नृत्य के साथ खेल, विज्ञान और तकनीक से जुड़ी वर्कशॉप भी आयोजित की जाएंगी। बच्चों को योग और ध्यान का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि उनका उद्देश्य बच्चों को गर्मी की छुट्टियों का सदुपयोग करने का मौका देना है। साथ ही उन्हें नई चीजें सीखने का अवसर प्रदान करना है।

पंचायत चुनावों में तकनीकी सुधार मप्र में पेपरलेस बूथ सिस्टम लागू

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों में ईवीएम के बाद अब पेपरलेस बूथ प्रणाली लागू करने की योजना का खुलासा किया। उन्होंने इसे लोकतंत्र की प्रयोगशाला करार दिया और तकनीकी सुधारों के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने की दिशा में कदम उठाने की बात की। सिवनी में आयोजित राज्य निर्वाचन आयुक्तों की नेशनल कांफ्रेंस में राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों में पेपरलेस बूथ प्रणाली को लागू करने की घोषणा की। यह निर्णय पहले किए गए पंचायत उप चुनावों के सफल कार्यान्वयन के बाद लिया गया।

नवाचारों को साझा किया- इस कांफ्रेंस में विभिन्न राज्य निर्वाचन आयोगों ने अपने नवाचारों को साझा किया। विशेष रूप से आंध्र प्रदेश निर्वाचन आयोग ने स्वचलित लोकल बॉडी चुनाव प्रक्रिया पर प्रेजेंटेशन दिया और इसके सुधार के लिए सुझाव दिए। कॉन्फ्रेंस के अगले सत्रों में विभिन्न विशेषज्ञ और राज्य निर्वाचन आयुक्त नई तकनीकों और सुधारों पर विचार प्रस्तुत करेंगे। इसमें चुनावी प्रक्रिया में सुधार, तकनीकी नवाचार और उम्मीदवारों के लिए बेहतर मार्गदर्शन पर चर्चा की जाएगी।

चुनावी प्रक्रिया में सुधार

मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि चुनावी खर्च कम करने और प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए राज्यों के बीच ईवीएम शेयरिंग को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में तकनीकी सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया और पेपरलेस बूथ प्रणाली को एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

डिजिटल टूल्स का इस्तेमाल

मध्य प्रदेश में पेपरलेस बूथ प्रणाली को लागू करने के लिए डिजिटल टूल्स का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे सभी डाक्यूमेंटेशन डिजिटल होंगे। इससे चुनाव कर्मियों की संख्या में कमी आएगी और चुनावी खर्च भी घटेगा।

दिन का पारा 35, रात में 20 डिग्री के पार: भोपाल-इंदौर में धूप खिली, हवा में ठंडक; 20 मार्च के बाद बारिश

भोपाल। मध्यप्रदेश में मार्च में पहली बार दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस और टर्फ की वजह से ऐसा मौसम रहने की संभावना है। सोमवार को भोपाल में सुबह से तेज धूप खिली है। हालांकि, हवा में ठंडक रही। मंगलवार को गर्मी का असर कम रहने का अनुमान है।

मध्यप्रदेश में मार्च महीने में तेज गर्मी, लू, बादल और हल्की बारिश वाला मौसम रहता है। इस बार मार्च के पहले ही दिन शनिवार को मुरैना में ओले गिरे जबकि दूसरे दिन रविवार को पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, पहले सप्ताह में बादल और बूंदाबांदी वाला मौसम रहेगा लेकिन चौथे सप्ताह से हीट वेव यानी लू चलेगी। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग में 3 से 4 दिन लू चल सकती है। 20 मार्च के बाद कुछ जिलों में हल्की बारिश के आसार भी हैं।

मार्च के शुरुआती 2 दिन में दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली है। दिन का पारा 35 डिग्री के पार पहुंच गया है जबकि रात में 20 डिग्री सेल्सियस से अधिक है।

अप्रैल-मई सबसे ज्यादा गर्म रहेंगे- मौसम विभाग ने इस साल अप्रैल और मई में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ने का अनुमान जताया है। इन दो महीने के अंदर ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग के जिलों में पारा 45 डिग्री के पार पहुंच सकता है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग भी गर्म रहेंगे।

मार्च में तीनों मौसम का असर- मध्यप्रदेश में पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो मार्च महीने में रातें ठंडी और दिन गर्म रहते हैं। बारिश का ट्रेंड भी है। इस बार भी ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच सकता है जबकि रात में 10 से 17 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार, मार्च में ग्वालियर में मौसम सबसे ज्यादा बदला हुआ रहता है। यहां रात में पारा 8 डिग्री तक पहुंच चुका है। जबलपुर में दिन में गर्मी और रात में ठंड रहती है।

भोपाल में दिन में तेज गर्मी के साथ बारिश

भोपाल में मार्च महीने में दिन में तेज गर्मी पड़ने के साथ बारिश का ट्रेंड भी है। मौसम विभाग के अनुसार, मार्च महीने में गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। इसके चलते दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी होने लगती है। आंकड़ों पर नजर डालें तो 30 मार्च 2021 को अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 41 डिग्री पहुंच चुका है। वहीं, 45 साल पहले 9 मार्च 1979 की रात में पारा 6.1 डिग्री दर्ज किया गया था।

वर्ष 2014 से 2023 के बीच दो बार ही अधिकतम तापमान 36 डिग्री के आसपास रहा। बाकी सालों में पारा 38 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा है।